स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

कानपुर, सोमवार
20 जुलाई, 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष 7
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 328 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

लॉर्ड्स में वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने बेन डकेट

यूपी में ब्लॉक प्रमुख भी प्रशासक बने

- सरकार बोली- बड़े फैसले नहीं लेंगे
- प्रधानों की नियुक्ति हाईकोर्ट में लंबित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। यूपी में प्रधानों और जिला पंचायत अध्यक्षों के बाद पहली बार ब्लॉक प्रमुखों को प्रशासक बना दिया गया है। योगी सरकार ने रविवार को ब्लॉक प्रमुखों की प्रशासक के तौर पर नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। यूपी के इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुखों और ग्राम प्रधानों को एक साथ प्रशासक बनाया है। ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल रविवार, 19 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इससे पहले ही सरकार ने उन्हें प्रशासक बना दिया है। सामान्य तौर पर कार्यकाल खत्म होने के बाद खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को प्रशासक बनाया जाता है, लेकिन सरकार के इस फैसले से अब ब्लॉक प्रमुख आगामी पंचायत चुनाव होने तक अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे। सरकार ने इससे पहले 11 जुलाई को सभी मौजूदा 75 जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक बना दिया था। 25 मई को ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने का आदेश जारी किया था। हालांकि, मामला हाईकोर्ट में लंबित है। पंचायती राज विभाग के मुताबिक, ब्लॉक प्रमुखों की पहली बैठक 20 जुलाई 2021 को हुई थी। ऐसे में रविवार को 5 साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। ऐसे में सरकार ने उन्हें प्रशासक बनाने का फैसला लिया है।

इस दौरान ब्लॉक प्रमुख सिर्फ सामान्य रूटीन काम ही निपटाएंगे। किसी भी तरह का नीतिगत निर्णय अपने स्तर पर नहीं ले पाएंगे। वे किसी भी नीतिगत मामले से संबंधित प्रस्ताव डीएम के माध्यम से शासन को भेजेंगे। शासन स्तर पर ही अंतिम मुहर लगाई जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ब्लॉक प्रमुखों के अधिकारों को लेकर विस्तृत गाइडलाइन जारी करेगी जिससे उन्हें यह साफ हो सके कि कौन-कौन से काम कर सकते हैं और किन कार्यों के लिए उन्हें डीएम से परमिशन लेनी पड़ेगी। ब्लॉक प्रमुखों को प्रशासक पद पर नियुक्त करने के बाद तकनीकी और कानूनी पेंच से बचने के लिए सरकार ने इनके अधिकारों पर कुछ बंदिशें जरूर लगाई हैं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी : आरोपियों ने खोले कई राज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या)। राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में शनिवार से 39 घण्टे की कस्टडी रिमांड पर लिये गये आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू और भतीजे मनीष यादव से पूछताछ में चोरी के तरीके को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। पूछताछ में सबसे अहम तथ्य सामने आया कि चढावा चोरी के रुपयों को बाहर निकालने के लिए गणना कक्ष के पास बाथरूम को अस्थाई रूप से छिपाने की जगह बनाया गया था। जहां टिन्नू की ओर से किसी खतरे का संकेत मिलते ही मनीष चुराये गये रुपयो को छिपा देता था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार टिन्नू की जिम्मेदारी मंदिर के प्रबंधन से जुड़ी होने के कारण उसे जानकारी सबसे पहले मिल जाती थी कि किसी वरिष्ठ अधिकारी, विशिष्ट व्यक्ति या जांच दल आने की संभावना है या अचानक चेकिंग होने वाली है। जैसे उसे सूचना मिलती वह विभिन्न माध्यमों से भतीजे मनीष यादव तक संदेश पहुंचा देता था। बताया जाता है कि सूचना मिलते ही मनीष तत्काल गणना के दौरान निकाले गये नोटों की गड्डियों को बाथरूम में छिपा देता था उसके बाद सामान्य तरीके से काम में जुट जाता था। जब निरीक्षण करने वाले अधिकारी लौट जाते या चेकिंग दल जाती तो वह दुबारा बाथरूम में जाकर नोटों की गड्डियां निकालता और उसे मंदिर परिसर से बाहर निकाल देता था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस को चोरी करने के इस कथित तरीके की जानकारी मनीष और टिन्नू से पूछताछ के दौरान हुआ। पुलिस ने इन आरोपियों को कस्टडी में लेने के लिए अदालत से 39 घण्टे की रिमांड मंजूर कराई थी जो आज 11 बजे तक पूरी हो गई।

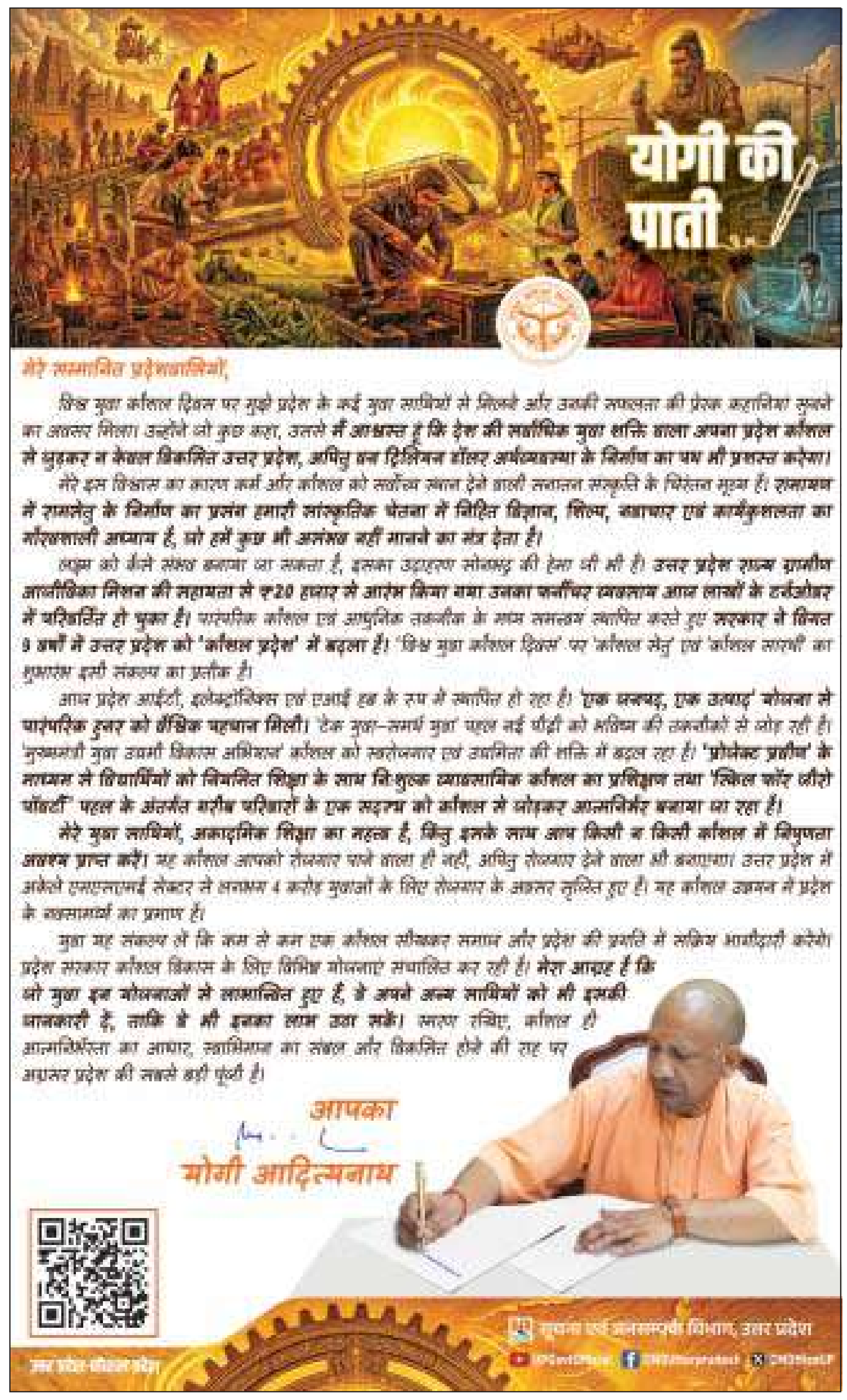

पीवी सिंधू ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने आखिरकार अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया।

बनीं पहली भारतीय चैंपियन

इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

सात साल बाद जीता सुपर-750 स्तर का खिताब

सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

फाइनल का पहला गेम काफी रोमांचक रहा।

एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन इसके बाद सिंधु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार अंक जीते और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक क्षणों में उन्होंने यामागुची को कोई मौका नहीं दिया। दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत से बढ़त बना ली। आखिर में दूसरा गेम भी 21-17 से जीतकर सीधे गेमों में मुकाबला समाप्त कर दिया। इस पूरे टूर्नामेंट में सिंधू ने शानदार लय दिखाई।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर कांग्रेस का पीएम को पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष (एलओपी) के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने की मांग की है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में दोनों नेताओं ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की कथित चोरी की जानकारी सामने आने के बाद आस्था और विश्वास के साथ चढ़ावा देने वाले लाखों श्रद्धालु खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की गई थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार ने की है। पत्र में ट्रस्ट के सदस्यों के संबंधों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा कि ऐसे मामले में उनकी चुप्पी स्वीकार नहीं की जा सकती।

फर्जी ओएमआर शीट पर एनटीए सख्त

नई दिल्ली। देश की बड़ी परीक्षाओं में फर्जीवाड़े को रोकने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एक बेहद सख्त कदम उठाया है। परीक्षा सुधार के नाम पर जमा किए जा रहे दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर हेरफेर का मामला सामने आया है। इसके बाद एनटीए ने छात्रों और अभिभावकों के लिए एक बेहद जरूरी और कड़क एडवाइजरी जारी की है। एजेंसी ने साफ किया है कि समीक्षा के लिए भेजे जा रहे दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। हाल ही में स्क्रूटनी (समीक्षा) के लिए आए कई ओएमआर शीट पूरी तरह फर्जी पाए गए हैं। ये दस्तावेज आधुनिक डिजिटल टूल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार किए गए थे। इस खुलासे के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी हर एक शिकायत की बारीकी से निगरानी कर रही है। एनटीए ने कड़ी चेतावनी दी है कि गलत या एआई-जनित ओएमआर शीट जमा करने पर शिकायतकर्ता को गंभीर कानूनी नतीजों का सामना करना पड़ेगा। एनटीए ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा कर स्थिति स्पष्ट की है। एजेंसी ने कहा है कि छात्र और अभिभावक समीक्षा के लिए केवल मूल और असली ओएमआर शीट ही जमा करें।

- एआई दस्तावेजों पर होगी कानूनी कार्रवाई
- दस्तावेजों की हो रही गहन जांच

आंध्र में कार-लॉरी की टक्कर, चार मरे

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में एक लॉरी और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही आनंदपुरम पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। आनंदपुरम के सर्कल इंस्पेक्टर येरम नायडू ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

दो साल में राज्यसभा सांसदों पर 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च

नई दिल्ली। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मिली जानकारी में सामने आया है कि पिछले दो वित्तीय वर्षों 2024-25 और 2025-26 के दौरान राज्यसभा के मौजूदा सांसदों के वेतन, भत्तों और अन्य सुविधाओं पर कुल 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। इनमें से 151 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि केवल भत्तों और यात्रा संबंधी खर्च पर खर्च हुई। आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौर द्वारा मांगी गई जानकारी के जवाब में राज्यसभा सचिवालय ने यह विवरण उपलब्ध कराया है। जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सांसदों पर 98 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए थे। वहीं, 2025-26 में यह खर्च बढ़कर 163 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया। यानी एक साल में खर्च में करीब 65 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। आरटीआई के अनुसार, राज्यसभा सांसदों को कुल 21 मदों के तहत वेतन और विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। इनमें वेतन, भत्ते, देश और विदेश की यात्रा, चिकित्सा सुविधा और कार्यालय खर्च प्रमुख हैं। इसके अलावा सांसदों के लिए प्रिंटिंग एवं प्रकाशन, डिजिटल उपकरण, ईंधन एवं लुब्रिकेंट, पेशेवर सेवाएं, मरम्मत एवं रखरखाव, सब्सिडी तथा अन्य राजस्व व्यय जैसी मदों पर भी खर्च किया जाता है। आरटीआई के आंकड़ों से स्पष्ट है कि 2025-26 में राज्यसभा सांसदों पर होने वाला सरकारी खर्च पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफी बढ़ा है। सबसे अधिक वृद्धि वेतन, भत्तों और यात्रा मद में दर्ज की गई।

आरटीआई में हुआ खुलासा

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड, यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रविवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यूसीसी विधेयक-2026 के ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र कल से शुरू हो रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है।

आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ी

मुंबई। आमिर खान को तीसरी शादी करने पर मिली कथित धमकी को लेकर जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को वॉयस क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने बांद्रा पश्चिम के पाली हिल स्थित आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। हालांकि, आमिर खान फिलहाल देश से बाहर हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभी तक न तो वॉयस क्लिप और न ही सोशल मीडिया पोस्ट की असलियत कन्फर्म हुई है। वहीं, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवन भारती ने कहा, हम सोशल मीडिया पोस्ट और वॉयस क्लिप की सत्यता की जांच कर रहे हैं। बता दें कि शनिवार को आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी।

दुनियाभर में समस्याओं से जूझते रहे फेसबुक यूजर्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने बताया कि उन्हें फेसबुक लॉगिन करने, वेबसाइट खोलने और ऐप इस्तेमाल करने में दिक्कत आ रही है। 19 जुलाई की सुबह अचानक फेसबुक से जुड़ी शिकायतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। कई यूजर्स ने एक्स समेत दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर बताया कि फेसबुक की सेवाएं सामान्य तरीके से काम नहीं कर रही हैं। फेसबुक डाउन होने के बाद अलग-अलग यूजर्स को अलग-अलग तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। कुछ लोग अपने अकाउंट में लॉगिन ही नहीं कर पा रहे हैं, जबकि कई यूजर्स के लिए वेबसाइट और मोबाइल ऐप लोड होने में दिक्कत आ रही है।

‘तबीयत इस अदा पे और फड़केगी वो क्या जाने’

नजर और नजरिया
नवकांत ठाकुर

नई दिल्ली। समाज की विद्रूपताओं और दर्दो–जख्म को शब्दों में पिरोनेवाले बीसवीं सदी के सबसे चर्चित शायर और हिंदी सिनेमा के महान गीतकार साहिर लुधियानवी के नाम से प्रसिद्ध अब्दुल हयी द्वारा ‘हमराज’ फिल्म के लिए लिखी गई इन पंक्तियों को सोनम वांगचुक ने अपने मन की बात कहने के लिए इस्तेमाल करके चर्चा में ला दिया है कि– ‘मुहब्बत बेरुख़ी से और भड़केगी वो क्या जाने / तबीयत इस अदा पे और फड़केगी वो क्या जाने/ वो क्या जाने कि अपना किस क़यामत का इरादा है / किसी पत्थर की मूरत से मुहब्बत का इरादा है।’ वास्तव में देखा जाए तो हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना सवालों की बहुलता नहीं बल्कि जवाब का नदारद या सेलेक्टिव होना है। जबकि जीवंत, स्पंदित और सर्वस्पर्शी लोकतंत्र केवल चुनावी सक्रियता या संसदीय समीकरणों तक ही सीमित नहीं होता है बल्कि इसमें असहमति को सम्मान देने और असहज करने वाले सवालों को धैर्यपूर्वक सुनने के साथ ही सामने आकर स्पष्टता के साथ अपनी बात रखने की अपेक्षा भी की जाती है। वर्ना यदि हर कठिन प्रश्न का उत्तर मौन, टालमटोल या व्यक्ति-आधारित हमले से दिया जाएगा तो असंतोष दबेगा नहीं बल्कि और अधिक गहरा ही होगा। इस कसौटी पर परखें तो इन दिनों असहज करने वाले सवालों का सीधा जवाब देने के बजाय अनदेखी करके मौन साध लेने को कारगर रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करने का चलन बहुत अधिक बढ़ गया है। साथ ही सवालों के शोर को किसी दूसरे सवाल के बड़े धमाके में दबा देने और सवालों को सवालों में ही गड्डमगड्ड करके समाप्त कर देने के अनवरत सिलसिले को जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। जबकि अपेक्षित तो यह है कि लोकतांत्रिक भावनाओं और अपेक्षाओं का सम्मान करते हुए हर उठने वाले सवाल का माकूल जवाब सामने रखा जाए और सवाल उठाने वालों को सम्मानपूर्वक संतुष्ट करने की पहल की जाए। लेकिन विडंबना है कि एक ओर तो विश्वमंच पर हमारी भूमिका यह रहती है कि हर हर समस्या, संकट और टकराव का कूटनीतिक वार्ताओं के द्वारा ही समाधान निकाला जाना चाहिए लेकिन घरेलू स्तर पर देखें तो दुनिया भर को दी जाने वाली इस सलाह पर खुद अमल करने की जहमत उठाना कतई गवारा नहीं किया जा रहा है।

वरना, धरना–प्रदर्शन करके अपनी बात सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने के प्रयासों की विफलता के बाद आमरण–अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने के बजाय उनसे बातचीत की पहल तो होती। राम मंदिर और बदरीनाथ धाम में आस्था के साथ हुए आपराधिक खिलवाड़ का सवाल उठाने वालों को विश्वास में लेने का प्रयास तो किया गया होता। संसद में दो–तिहाई बहुमत जुटाने के मकसद से किए जा रहे चुनावोत्तर तोड़–फोड़ के बजाय परिसीमन विधेयक पर सर्वसम्मति बनाने की कोशिश तो होती। लेकिन ऐसा करने के बजाय हर विरोध को व्यवधान के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है और सवाल पूछनेवाले पर ही निशाना साधने की रणनीति अपनाई जा रही है। वह भी तब जबकि मौजूदा नेतृत्व को सत्ता के शिखर पर स्थापित करने में सबसे बड़ी भूमिका निभानेवाले स्वर्गीय अरूण जेटली अक्सर कहते थे कि– ‘गुड़ दो या ना दो लेकिन गुड़ जैसी बातें तो करो।’ बहरहाल, असहज करने वाले सवालों पर शुतुरमुर्गी रवैया अख्तियार करते हुए खामोशी की चादर ओढ़ लेने वालों को बाबा बैद्यनाथ झा की इन पंक्तियों पर गौर करना चाहिए कि– ‘होता है अन्याय जब, जाए उसपर ध्यान। खामोशी अच्छी नहीं, उसका लें संज्ञान।। जो रखता है मौन, बाद में वह भी रोता। रहना मात्र तटस्थ, पाप भारी वह होता।।’

जैसी नज़र, वैसा नज़रिया।

सोता रहा परिवार बदमाश कर गए लाखों के माल पर हाथ साफ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात । शनिवार की रात मंगलपुर थाना क्षेत्र के जैतापुर गांव में बदमाशों ने छत की ऊपरी मंजिल पर बने दो कमरों में रखे लाकर तोड़कर जेवरात व अन्य सामान पार कर दिया। सुबह जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई ।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के जैतापुर निवासी विजय सिंह भदौरिया का घर गांव के किनारे है ।उनके पांच बेटे फौज में है । अभी दो बेटे अखंड प्रताप सिंह व अंशुमान सिंह अवकाश पर घर आए हैं। शनिवार की रात विजय सिंह भदौरिया नीचे मकान के अंदर अपने कमरे में लेटे थे ऊपर अलग.अलग कमरों में अखंड व अंशुमान लेटे थे वहीं कमरों के पास में बने दो कमरों में कुंडी लगी हुई थी। शनिवार की रात अज्ञात बदमाश बाउंड्री वॉल के सहारे शौचालय के ऊपर से दूसरी मंजिल पर पहुंच गए । पहले उन्होंने जाकर अंदर से बंद कमरों में बाहर से कुंडी लगा दी जिसमें दोनो लड़के अलग.अलग कमरो में लेटे हुए थे व पास मे बने दो कमरे में जाकर अंदर रखी दो शेफ के लाकर को औजार से खोल दिया व उसमें रखी चार अंगूठी एक मंगलसूत्र पायले एक चांदी का डिनर सेट जिसमें चांदी की थाली चम्मच गिलास कटोरी थी वा नाक कान की सोने की चीजो सहित अन्य सामान पार कर दिया। सुबह जब विजय सिंह भदौरिया टहलने के लिए निकले तो दूसरी तरफ का दरवाजा खुला देखा। उन्होंने सोचा कि शायद रात को किसी तरह से खुला रह गया होगा। वे टहलने चले गए वहीं सुबह जब अंशुमान ने दरवाजा खोलना चाहा तो दरवाजा बाहर से बंद था इसलिए उन्होंने अपने सामने वाले कमरे में लेटे बड़े भाई अखंड प्रताप सिंह को फोन से कहा कि दरवाजा खोलो किसी ने दरवाजा बाहर से बंद कर दिया है जब उन्होंने देखा तो उनका भी दरवाजा बाहर से बंद था ।इस पर उन्हे किसी घटना की आशंका हुई और उन्होंने दरवाजा को अंदर से खींच करके खोला ।जब उन्होंने दूसरे कमरों में जाकर देखा तो दोनों सेफ खुली पड़ी थी व सामान बिखरा पडा था व उसमें रखा सामान गायब था। इस पर पुलिस को सूचना दी गई ।सूचना पर पहुंचे प्रभारी थाना इंद्रजीत सिंह एस एस आई कमलेश यादव हलका इंचार्ज उपेंद्र कुमार आदि मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की वहीं फॉरेनसिक टीम ने पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए । पीड़ित विजय सिंह भदौरिया ने बताया कि बदमाश बाहर बाउंड्री वॉल से होकर शौचालय की छत के रास्ते से ऊपर पहुंचकर घटना को अंजाम दिया है। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है।

एसपी ने जिले के सर्किल स्तर पर स्थापित होने वाले परिवार परामर्श केन्द्रों की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात । रविवार को वर्चुअल माध्यम से जनपद के सभी सर्किल स्तर पर स्थापित होने वाले परिवार परामर्श केन्द्रों के दृष्टिगत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त सर्किल स्तर पर परामर्श केन्द्रों पर नियुक्त अधि0ध् कर्म0गण एवं परिवार परामर्श केन्द्र के सदस्यों को परिवार परामर्श केन्द्रों के प्रभावी संचालनए पारिवारिक विवादों के संवेदनशील एवं समयबद्ध निस्तारण तथा पीड़ित पक्षों को गुणवत्तापूर्ण परामर्श उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। । जनपद में सर्किल रसूलाबाद का परिवार परामर्श केन्द्र थाना शिवली में सर्किल अकबरपुर का पुलिस लाइन ;पूर्व से स्थापित हैंद्ध सर्किल डेरापुर का थाना डेरापुर सर्किल भोगनीपुर का थाना भोगनीपुर तथा सर्किल सिकन्दरा का थाना सिकन्दरा में स्थापित किया गया है जिनका उद्घाटन दिनांक 20ण्जुलाई को अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा वर्चुअल माध्यम से प्रस्तावित है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परिवार परामर्श केन्द्रों के सर्किल स्तर पर स्थापित होने से पारिवारिक विवादों से संबंधित पीड़ितों को अब अपनी समस्या के समाधान के लिए जनपद मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा। उन्हें अपने निकटतम सर्किल स्तर पर ही परामर्श एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध होगी जिससे समस्याओं का समयबद्ध प्रभावी एवं संवेदनशील ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

प्रेम विवाह करने वाले दंपति ने मांगी सुरक्षा परिजनों पर जान से मारने और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात । प्रेम विवाह के बाद एक दंपति ने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार लगाई है। युवती का आरोप है कि प्रेम विवाह से नाराज उसके परिजन उसे और उसके पति को लगातार धमकियां दे रहे हैं। इतना ही नहीं पति और उसके परिजनों को फर्जी मुकदमों में फंसाने की साजिश रचने और हत्या कराने तक की धमकी दी जा रही है।।।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलपुर थाना क्षेत्र के मुंडेरा किन्नर सिंह गांव रविवार को सभी के बीच चर्चा का विषय बना रहा यहां की रहने वाली प्राची उर्फ प्रिया ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह बालिग है और उसने अपनी मर्जी से गांव निवासी केशव के साथ 27 जनवरी 2026 को कानपुर स्थित आर्य समाज मंदिर में हिंदू रीति.रिवाज से विवाह किया था। युवती का आरोप है कि उसके माता.पिता उसकी शादी किसी दूसरे युवक से कराना चाहते थे। विरोध करने के बावजूद परिजनों ने उसकी शादी 26 जुलाई को तय कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे कमरे में बंद कर दिया गया मारपीट की गई और भोजन तक नहीं दिया गया। इसके बाद जान का खतरा महसूस होने पर वह घर छोड़कर कानपुर नगर में अपने रिश्तेदार के यहां रहने लगी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि परिजन उसके पति की हत्या कराने की साजिश रच रहे हैं और पति व ससुराल पक्ष को गंभीर फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। युवती ने पुलिस को दिए पत्र में स्पष्ट कहा है कि उसने अपनी इच्छा और स्वविवेक से विवाह किया है तथा घर छोड़ने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

दंपति ने पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा प्रदान करने धमकी देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और किसी भी फर्जी मुकदमे की आशंका को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। फिलहाल यह आरोप शिकायत के आधार पर लगाए गए हैं और पुलिस की ओर से इस मामले में अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

फ्रॉडियो के खिलाफ जिला पुलिस का बड़ा एक्शन लाखों की नगदी सहित दो गिरफ्तार

- थाना भोगनीपुर पुलिस एसओजी व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही में अमेजान पार्सल धोखाधड़ी गिरोह का सफल पर्दाफाश 2 अभियुक्त गिरफ्तार।
-अभियुक्तों के कब्जे से 8 लाख रुपए नकद घटना में प्रयुक्त कार मोटरसाइकिल 3 मोबाइल फोन एवं 6 सिम कार्ड बरामद।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात । धोखाधड़ी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना भोगनीपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना पुलिस द्वारा अमेजान पार्सल धोखाधड़ी गिरोह का सफल अनावरण करते हुए 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। नगर पंचायत रुरा के शिवाजी नगर निवासी महेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 देवीदीन की लिखित तहरीर के आधार पर थाना भोगनीपुर पर मुकदमा बीएनएस पंजीकृत किया गया था। वादी द्वारा अवगत कराया गया कि अभियुक्त रोहित ठाकुर उर्फ डिफाल्टर उर्फ कुणाल शर्मा द्वारा एप्पल एवं टाइटन कंपनी के हाई.वैल्यू प्रोडक्ट ;जैसे एप्पल वॉच एप्पल एयरपॉड्स आदिद्ध फर्जी नाम.पते से कैश ऑन डिलीवरी व प्रिपेड के माध्यम से ऑर्डर किए जाते थे। डिलीवरी प्राप्त करने के उपरांत पार्सलों को सावधानीपूर्वक खोलकर उनमें से मूल उत्पाद निकाल लिए जाते थे तथा उनके स्थान पर डमी उत्पाद रखकर पार्सलों को पुनः पैक कर अमेजान को वापस कर दिया जाता था जिससे कंपनी के साथ धोखाधड़ी की जाती थी।

प्रकरण के सफल अनावरण के क्रम में थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा 18 जुलाई को चौरा से बिल्हापुर जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग से लगभग 100 मीटर आगे से अभियुक्तगण रोहित ठाकुर उर्फ डिफाल्टर उर्फ कुणाल शर्मा पुत्र नरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ अजय शर्मा निवासी गणेशगंज स्टेशन रोड कस्बा व थाना कोतवाली कालपी जनपद जालौन वा मंजीत गुप्ता उर्फ जीनियस पुत्र श्यामकृष्ण गुप्ता निवासी उपरोक्त को पुलिस हिरासत में लिया गया । पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त मंजीत गुप्ता उर्फ जीनियस की संलिप्तता भी प्रकाश में आई। अभियुक्तगण के कब्जे से 8 लाख रुपये नकद घटना में प्रयुक्त 3 एंड्रॉयड मोबाइल फोन 6 सिम कार्ड 1 ज्ञ्प। कार संख्या न्च्77।न्2265 तथा 01 बजाज पल्सर मोटरसाइकिल संख्या न्च्78थ्ल्4829 बरामद की गई जिन्हें नियमानुसार कब्जा पुलिस में लिया गया बरामदगी एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317;2द्ध बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

अभियुक्तगण से पूछताछ का विवरण

माती कानपुर देहात । पूछताछ के दौरान अभियुक्तगणए रोहित ठाकुर उर्फ डिफाल्टर एवं मंजीत गुप्ता उर्फ जीनियस ने बताया कि लगभग डेढ़ माह पूर्व दोनों ने मिलकर योजना बनाई थी कि पुखरायां स्थित अमेजान डिलीवरी ऑफिस का दुरुपयोग कर महंगे सामानों की धोखाधड़ी की जाएगी। योजना के अनुसार रोहित ठाकुर ने कुणाल शर्मा के नाम से अमेजान डिलीवरी बॉय की नौकरी ज्वाइन की। और 01.02 दिन कार्य करने के बाद जब डिलीवरी करने के लिये रोहित ठाकुर का कालपी का रूट निश्चित कर दिया गया तब मंजीत गुप्ता द्वारा अमेजान से उसी रूट के पते से एप्पल व अन्य कम्पनियों के हाईवेल्यू प्रोडक्ट ; एप्पल ईयरबट्स रिस्ट बाँच आदिद्ध को कैश ऑन डिलेवरी व ऑनपे आर्डर बुक किये गये। और उनके स्क्रीन शॉट डिलेवरी व्याॅय रोहित को भेज दिये गये जब वह प्रोडक्ट कम्पनी से शिपिंग आफिस पुखरायां आये तो रोहित ने वह सामान देखकर मंजीत को बता देता था जब वह सामान लेकर डिलीवरी आफिस से बाहर निकलता था उसी समय मंजीत उपरोक्त आर्डरों को निरस्त ;ब्दबमसद्ध कर देता था आर्डर निरस्त करने पर ऑनपे किया गया रुपया वापस उन्ही के खातों में कम्पनी द्वारा रिफण्ड कर दिया जाता था और आर्डर किये गये सामान को रास्ते में हीटगन की सहायता से पार्सलों की टेप को गर्म कर बिना पैकेट को क्षतिग्रस्त किए खोल लेते थे उनमें से मूल ;व्तपहपदंसद्ध सामान निकालकर उसके स्थान पर डमी ;कॉपीद्ध सामान रख देते थे तथा पुनः टेप को पहले की तरह चिपका देते थे। इसके उपरांत रोहित उक्त निरस्त ऑर्डरों के पैकेटों को वापस अमेजिन कार्यालय में जमा कर देता था जिससे किसी को तत्काल संदेह न हो।अभियुक्तगण के अनुसार उन्होंने लगभग 1 जून से 11 जून तक इसी प्रकार धोखाधड़ी कर विभिन्न फर्जी नाम.पते एवं फर्जी सिम कार्डों के माध्यम से लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के ऑर्डर बुक किए। प्राप्त मूल सामान को कानपुर एवं दिल्ली के व्यापारियों को ऑनलाइन बिल दिखाकर बाजार मूल्य से कम कीमत पर बेच दिया जिससे उन्हें लगभग 10 लाख रुपये प्राप्त हुये थे। जिनमें से 8 लाख रुपए बरामद हुए और करीब 2 लाख रुपए इनके खातों में मौजूद है जिन्हें फ्रिज कराने की कार्यवाही की जा रही है।।

विधायक पूनम संखवार ने अटि या रायपुर में 500 मीटर सड़क का किया शिलान्यास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, रसूलाबाद कानपुर देहात। रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत अटिया रायपुर में रविवार को भाजपा विधायक पूनम संखवार ने 500 मीटर लंबी ग्राम सड़क का शिलान्यास किया। सड़क निर्माण से पहले वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन.पाठ भी संपन्न कराया गया। विधायक ने बताया कि यह सड़क ग्रामीणों के लिए अति महत्वपूर्ण है। लगभग 28 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क क्षेत्र के लिए बायपास का काम करेगी। इससे गांव के अंदर से होकर गुजरने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विधायक पूनम संखवार ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

इस दौरान राजेश पांडे व्यास जी अवधेश शुक्ला सतीश चंद्र पांडे बबलू संतोष प्रताप सिंह गौरव सिंह संदीप सिंह मनोज पांडेयए मुन्ना पाण्डेय नरेश सिंह राजावत निलेश द्विवेदी रामकुमार त्रिवेदी सौरभ सिंह अमित सिंह आनंदपाल सिंह भदौरिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि इस सड़क के बनने से गांव की जनता को आवागमन में सुगमता होगी ।

धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सपा के प्रांतीय नेता का जन्म दिवस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात । जिला सपा के वरिष्ठ प्रांतीय नेता पूर्व जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत की पूर्व सदस्य मीरा यादव के सम्मानित पति जिले की राजनीति में लोकप्रियता के प्रथम पायदान पर खुद को अपने सेवा भाव एवं उम्दा कार्यशाली के जरिए हर समय मौजूद रखने में कामयाब चौधरी वीर सेन यादव का जन्म दिवस शनिवार को भी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जनता औद्योगिक इंटर कॉलेज शेरपुर गुढा में अपने प्रबंधक के जन्मदिवस को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे निश्चित समय पर पहुंचे वीर सेन का विद्यालय परिवार छात्र एवं छात्राओं द्वारा पुष्प वर्षा कर ऐतिहासिक स्वागत किया गया इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संदेश देते हुए कहा कि आज हम सभी के सामने कुछ और नहीं केवल एक प्रश्न खड़ा दिखाई देता है कि हम यह कब सोचेंगे कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए क्या छोड़ कर जा रहे हैं।।।।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अत्यंत करीबी शपथ पूर्व जिला अध्यक्ष प्रांतीय नेता जिला पंचायत की पूर्व सदस्य मीरा यादव के सम्मानित पति चौधरी वीर सेन यादव का शुक्रवार को जन्म दिवस होने के चलते जिले के अलग.अलग स्थान पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया शनिवार को शेरपुर गुढा स्थित जनता औद्योगिक इंटर कॉलेज पहुंचे वीर सेन का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्प वर्षा के साथ अभूतपूर्व स्वागत किया गया इस अवसर पर प्रांतीय नेता द्वारा कहा गया कि ईश्वर ने उन्हें आप सभी की सेवा करने के लिए धरती पर भेजा है इसलिए समाज के बिल्कुल आखिरी पायदान तक पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना उनकी प्राथमिकता में शामिल है उन्होंने कार्यक्रम के भव्य आयोजन पर आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक पलों को वे हमेशा याद रखेंगे

उक्त अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ठाकुर प्रसाद यादव एसएन सिंह आचार्य जी लोकतंत्र सेनानी सोने लाल यादव धर्म सिंह यादव प्रधान पूर्व सदस्य जिला पंचायत शैलू सोनकर पूर्व सदस्य जिला पंचायत राकेश यादव कल्लू डॉ राहुल उत्तम राजेश पांडेय किशन अग्निहोत्री समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पंडित धर्मेंद्र त्रिवेदी सपा कानपुर नगर के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह बड़े ठाकुर मयंक त्रिवेदी नरेंद्र सिंह फौजी दीपू यादव समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग के कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष शिव सिंह पाल प्रेम सिंह यादव भगत सिंह यादव देवेंद्र तिवारी विजय अग्निहोत्री मोहित गुप्ता कल्लू यादव प्रधान जसवापुर राहुल यादव भज्जा पुर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जितेंद्र कुमार यादव ने विद्यालय प्रबंधन को माला पहना कर अंग वस्त्र भेंट कर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।।

13 बरस बीत गए लेकिन अधिवक्ताओं को सम्मान देने में नाकाम रही जिले की अदालते

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, माती कानपुर देहात । माती में जिला जजी के संचालन को 13 बरस हो गए मगर अधिवक्ताओं के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। इसे लेकर रोष है। अधिवक्ताओं का कहना है कि काफी समय से मांग की जा रही मगर ध्यान नहीं दिया जा रहा। पीडित को न्याय दिलाने की मशक्कत में लगा अधिवक्ता समाज खुद के लिए चैंबरों की व्यवस्था नहीं करा पा रहा।

अधिवक्ताओं के लिए चैंबर की समस्या कोर्ट के संचालन की शुरूआत से है। समस्या के समाधान के लिए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने जिला जज को प्रार्थना पत्र सौंपा है। अनुरोध किया है कि जब तक अधिवक्ताओं को स्थायी चैंबर भवन अथवा चैंबर हेतु भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती तब तक न्याय भवन के सामने स्थित खुली भूमि पर अधिवक्ताओं को अस्थायी शेडध्चैंबर स्थापित कर बैठने की अनुमति प्रदान की जाए। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 19 जुलाईए 2013 को नए न्यायालय भवन के उद्घाटन के समय अधिवक्ताओं को चैबर भवन एवं चैंबर हेतु भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। इसके लिए अधिवक्ताओं की सूची भी तैयार की गई किंतु 13 वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो चैंबर भवन का निर्माण हो सका और न ही चैंबर हेतु भूमि उपलब्ध कराई जा सकी। अधिवक्ताओं ने समय.समय पर ज्ञापन दिए आंदोलन किए और लगातार मांग उठाई फिर भी समस्या आज तक जस की तस बनी हुई है। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि न्यायालय परिसर के मुख्य गेट संख्या.1 के निकट बड़े भू.भाग पर वर्षों से टट्टर की कैन्टीन संचालित की जा रही है जिसके संचालन से प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख रुपए का किराया प्राप्त होता है। इसके विपरीत न्याय प्रशासन के अभिन्न एवं अपरिहार्य अंग अधिवक्ता आज भी चैंबर जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। चैंबर के अभाव में अनेक अधिवक्ताओं को न्यायालय परिसर के बाहर निजी भवनों में भारी किराया देकर चैबर संचालित करना पड़ रहा है जबकि न्याय भवन के भीतर ही मुवक्किलों से मिलने के कारण भीड़ शोर.शराबा गंदगी एवं अव्यवस्था बनी रहती है। गोपनीय विधिक परामर्श देने तथा अभिलेखों के सुरक्षित रख.रखाव में भी गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

साइबर अपराध पर मंगलपुर पुलिस का चला चाबुक एक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, माती कानपुर देहात । 17 जुलाई को मंगलपुर थाने में नियुक्त साइबर हेल्प डेस्क प्रभारी कमलेश यादव को छब्त्च् च्वतजंस पर बाल यौन शोषण सम्बन्धी शिकायत प्राप्त हुई जिसकी जांच के क्रम में ज्ञात हुआ कि विवेक सिंह पुत्र रामपाल सिंह निवासी लगरथा थाना मंगलपुर के नाम पर दर्ज 4 मोबाइल नम्बर से नाबालिग बच्चों की कई अश्लील तस्वीर ध्वीडियो वायरल किया जाना प्रदर्शित हो रहा था। जिसके आधार पर थाना मंगलपुर पर मु0अ0सं0 205ध्2026 धारा 14;1द्धध्15 पॉक्सो एक्ट व 67 बी आईटी एक्ट बनाम विवेक सिंह पुत्र रामपाल सिंह निवासी ग्राम लगरथा थाना मंगलपुर पंजीकृत किया गया। मुकदमा उपरोक्त की विवेचना के क्रम में जानकारी प्राप्त हुई विवेक उपरोक्त की मृत्यु हो चुकी है तथा उसके नाम पर दर्ज मोबाइल नम्बर उसके पुत्र कार्तिकेय 22 द्वारा चलाया जा रहे हैं। विवेचना के क्रम में साक्ष्य के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में विवेक सिंह उपरोक्त की नामजदगी गलत पाने पर अभियुक्त कार्तिकेय उपरोक्त का नाम प्रकाश में लाया गया। थाना मंगलपुर पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकाश में आये अभियुक्त कार्तिकेय उपरोक्त को झींझक पुल के पास थाना क्षेत्र मंगलपुर से रविवार 19 जुलाई को पुलिस हिरासत में लिया गया । पुलिस हिरासत में लिये गये अभियुक्त कार्तिकेय उपरोक्त से नियमानुसार पूछताछ व आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जन संरक्षण का करें संकल्प इसका नहीं है कोई विकल्प थीम पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

भूजल सप्ताह के अंतर्गत तालाब पुनरुद्धार एवं स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात भूजल सप्ताह के अंतर्गत जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल के निर्देशों के क्रम में अमूल बनास डेयरी द्वारा गोद ली गई विकास खण्ड अकबरपुर की ग्राम पंचायत बनार अलीपुर स्थित 2ण्40 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले तालाब पर श्रमदान एवं विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

अभियान के दौरान तालाब की साफ.सफाई झाड़.झंखाड़ एवं जलकुंभी हटाने सहित तालाब के पुनरुद्धार संबंधी कार्य प्रारम्भ कराए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य तालाब की जलधारण क्षमता में वृद्धि करना वर्षा जल के अधिकतम संचयन को बढ़ावा देना तथा भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम के दौरान भूगर्भ जल विभाग की हाइड्रोलॉजिस्ट द्वारा तालाब परिसर में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों ग्रामवासियों एवं अमूल बनास डेयरी के प्रतिनिधियों को वर्षा जल संचयन भूजल संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में बताया गया कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन भूजल स्तर में सुधार तथा भविष्य में जल संकट के समाधान के लिए अत्यंत आवश्यक है।

वक्ताओं ने जल संसाधनों के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी से जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने वर्षा जल संचयन को अपनाने जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण का करें संकल्प इसका नहीं है कोई विकल्प का संदेश जन.जन तक पहुंचाया गया तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यापक जन जागरूकता का आह्वान किया गया।

संदिग्ध हालत में युवती की मौत, शमशान घाट पहुंची पुलिस

-परिजनों ने कर दिया था अंतिम संस्कार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर के गौशाला गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत हो गई। वहीं चर्चा का विषय बना रहा कि युवती के जहरीला पदार्थ खा लिया है। सूचना पर जब तक शमशान घाट पहुंची तो अंतिम संस्कार हो चुका था। पुलिस पहुंची तो पता चला कि परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए गौशाला घाट ले जा चुके हैं। सूचना पर जब तक पुलिस शमशान घाट पहुंची तब अंतिम संस्कार हो चुका था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

परिजनों ने बताया कि सभाजीत की पुत्री मानसी थी। शनिवार को वह खेत में धान की रोपाई का कार्य कर घर लौटी थी। घर पहुंचने के बाद उसने कोल्ड ड्रिंक पी, जिसके कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे लूज मोशन होने लगे। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान देर शाम उसकी मौत हो गई। मानसी तीन भाइयों में सबसे छोटी और इकलौती बहन थी। उसके दोनों भाई विक्की और धीरज बाहर होने के कारण अंतिम समय में घर नहीं पहुंच सके। बेटी की मौत से माता प्रेमा और पिता सभाजीत का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं इस संबंध में महाराजपुर इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह का कहना है कि परिजनों ने युवती की मौत बीमारी के कारण होना बताया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार युवक को कार ने मारी टक्कर, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। बर्रा हाईवे पर अंडरपास से गुजर रही तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हादसा उस वक्त हुआ जब बाइक सवार युवक अपने दोस्त के पिता की अंत्येष्टि में शामिल होकर लौट रहा था।

बर्रा ब्लॉक किदवई नगर निवासी मंजू रिजर्व बैंक ऑफइंडिया में कार्यरत हैं। पति अरविंद की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे से उनकी नौकरी लगी थी। मंजू के तीन बेटे आशीष, अमित व शरद थे। शरद ने कुछ सालों पहले फांसी लगाकर जान दे दी थी। रिश्तेदारों ने बताया कि अमित मछरिया में जर्दा की दुकान किया था। करीब 5 महीनों से वह काम नहीं कर रहा था। परिवार में पत्नी सोनम व बेटी आराध्या हैं। ससुर मिथलेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शनिवार सुबह अमित बर्रा 6 निवासी दोस्त के पिता की अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गया था, जहां से दोपहर करीब एक बजे वह बाइक से लौट रहा था। बर्रा दो के पास वह पहुंचा ही था, तभी प्रिया हॉस्पिटल के पास बने अंडरपास से निकली एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अमित गंभीर रूप से घायल हो गए, राहगीरों की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी देकर उन्हें साकेत नगर स्थित पीपीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में उन्हें हैलट रेफर कर दिया गया, जहां देर रात डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बर्रा इंस्पेक्टर रवींद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नए डॉक्टरों को आधुनिक उपचार पद्धतियों के बारे में अपडेट रखना जरूरी

-जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में हुआ जेनोविया कार्यक्रम का आयोजन

-प्रजनन विज्ञान और टेस्ट ट्यूब बेबी जैसी तकनीकों की दी गई जानकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आईएसएआर के सहयोग से जेनोविया कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स को इंफर्टिलिटी और एआरटी जैसी आधुनिक उपचार पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इंडियन सोसाइटी फॉर असिस्टेड रिप्रोडक्शन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक रेजिडेंट्स और 30 फैकल्टी सदस्यों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। डॉक्टरों और मेडिकल स्टूडेंट्स को प्रजनन विज्ञान और टेस्ट ट्यूब बेबी जैसी आधुनिक तकनीकों की बारीकियों से रूबरू कराया गया, ताकि मरीजों को और बेहतर इलाज मिल सके। स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ रेनू गुप्ता ने बताया कि समाज में बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में नए डॉक्टरों को इसकी आधुनिक उपचार पद्धतियों के बारे में पूरी तरह अपडेट रखना बहुत जरूरी हो गया है, जिससे वे भविष्य में मरीजों को सही परामर्श और सही समय पर सटीक इलाज दे सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई वरिष्ठ डॉक्टर मीरा अग्निहोत्री ने मेडिकल प्रशिक्षण की उपयोगिता पर बात करते हुए कहा कि जब मेडिकल कॉलेज के स्तर पर इस तरह के प्रैक्टिकल प्रोग्राम होते हैं, तो इससे युवा डॉक्टरों के ज्ञान, हुनर और आत्मविश्वास में काफी बढ़ोत्तरी होती है। इसका सीधा फायदा अस्पताल में आने वाले मरीजों को मिलता है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो डॉ संजय काला और उपप्राचार्य प्रो डॉ ऋचा गिरी ने भी माना कि यह अकादमिक कार्यक्रम डॉक्टरों की काम करने की क्षमता और सूझबूझ को बढ़ाने में काफी मददगार साबित होगा। आयोजन सचिव डॉ शैलि अग्रवाल के नेतृत्व में हुए इस सम्मेलन के अंत में एक इंटरैक्टिव क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें डॉ युक्ति, डॉ मानवी और

साइबर फ्रॉड के संगठित गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

-लोगों को मुनाफे का लालच देकर बैंक खाता खुलवाकर करते थे हेराफेरी

-फरार सदस्यों व नेटवर्क की पुलिस कर रही जांच

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। नवाबगंज पुलिस व सेंट्रल जोन साइबर टीम ने ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 25 एटीएम कार्ड, तीन चेकबुक, पांच मोबाइल फोन, 58,800 रुपये, एक कार और एक बाइक बरामद हुई है। एनसीआरपी पोर्टल पर गिरोह के खिलाफ 50 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। गिरोह के फरार सदस्यों की तालाश में पुलिस दबिश दे रही है।

एसीपी कर्नलगंज आकांक्षा पांडेय ने बताया कि सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य गंगा बैराजबिठूर रोड स्थित विद्या विहार कट के पास साइबर अपराध में इस्तेमाल किए गए एटीएम कार्ड और चेकबुक नष्ट करने तथा ठगी की रकम का बंटवारा करने के लिए एकत्र होने वाले हैं। जिसके आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गिरोह का सरगना फरार है। जांच में सामने आया कि गिरोह भोले-भाले लोगों को शेयर मार्केट में निवेश पर अधिक मुनाफे और कमीशन का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाता था। इसके बाद एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड अपने कब्जे में लेकर उन खातों से साइबर ठगी और आनलाइन गेमिंग से प्राप्त रकम मंगाई जाती थी। खाताधारकों को वास्तविक लेनदेन की जानकारी तक नहीं होती थी। पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना क्षितिज द्विवेदी अपने साथियों को प्रत्येक बैंक खाता उपलब्ध कराने पर 15 से 20 हजार रुपये देता था। सभी एटीएम का एक समान पासवर्ड 8840 रखा जाता था, ताकि कोई भी सदस्य आसानी से नकदी निकाल सके। पकड़े गए आरोपी अतुल सिन्हा, विराज सिंह, कृष्णा, यश प्रताप सिंह, आदित्य बाजपेई, शिवांश गुप्ता हैं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि ठगी की रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर विभिन्न माध्यम से दिल्ली में बैठे सरगना के जरिए विदेश भेजा जाता था। एनसीआरपी पोर्टल पर गिरोह से जुड़े बैंक खातों के खिलाफ50 से अधिक साइबर शिकायतें मिली हैं। पुलिस के अनुसार इन खातों के जरिए देश के विभिन्न राज्यों के लोगों से करीब 1.50 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की गई। साइबर सेल अब गिरोह के फरार सदस्यों और पूरे नेटवर्क की तलाश में जुटी है।

पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

-पुतल फूंकने का प्रयास, पुलिस से हुई नोंकझोंक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। पेपर लीक मामले में एनएनयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इससे पहले तिलक हाल के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अनस ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से छात्र और उनके परिवार परेशान हैं। एक परीक्षा का पेपर लीक होने से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करना उनका अधिकार है, लेकिन उन्हें रोककर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया। छात्र नेता अनस ने कहा कि शहर में प्रदर्शन रोके जाने के बावजूद संगठन अपना आंदोलन जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई को लखनऊ में मशाल जुलूस, 23 जुलाई को रायबरेली में प्रदर्शन और 1 अगस्त को हरदोई में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में शिक्षामंत्री धर्मेंद्र के खिलाफअभियान चलाया जाएगा और उनके इस्तीफे की मांग की जाएगी। उन्होंने राजस्थान में सामने आए पेपर लीक मामलों का भी जिक्र करते हुए कहा कि इस पूरे मामले में जुड़े लोगों के संबंधों से सभी परिचित हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जिलाध्यक्ष अनिकेत मिश्रा ने कहा कि रविवार को पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोक दिया, जिससे वे पुतला दहन नहीं कर सके। हालांकि आने वाले दिनों में संगठन और बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि अगली बार एनएसयूआई के कार्यकर्ता चार गुना अधिक संख्या में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करेंगे और छात्रों की आवाज बुलंद करेंगे।

दिल्ली कूच से पहले छात्र नेता को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। दिल्ली में प्रस्तावित सांसद मार्च में कूच करने से पहले रविवार को छात्र नेता आकर्षण यादव को श्यामनगर स्थित गिरिजानगर में उनके आवास पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई को आकर्षण यादव ने लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। आकर्षण यादव का कहना है कि उनका बड़ा चौराहा पर कार्यकर्ताओं के साथ एक कार्यक्रम निर्धारित था, जिसके बाद उन्हें सांसद मार्च में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होना था।

आरोप है कि कार्यक्रम से पहले ही भारी पुलिस बल उनके घर पहुंच गया और उन्हें बाहर निकलने से रोक दिया गया। छात्र नेता ने कहा कि वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं और प्रशासन उनकी आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने बल और प्रशासनिक शक्ति का इस्तेमाल कर उन्हें उनके ही घर में रोक दिया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध और प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन प्रशासन इसे कुचलने का प्रयास कर रहा है। आकर्षण यादव ने कहा कि छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा और नजरबंद जैसी कार्रवाई से आंदोलन कमजोर नहीं होगा। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत बताते हुए कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने का हर प्रयास विफल होगा। वहीं चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए आकर्षण यादव को एहतियातन उनके घर पर रोका गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्टेशन पर यात्रियों से जबरन वसूली करने वाले 9 किन्नर गिरफ्तार

-जीआरपी व आरपीएफ टीम ने की संयुक्त रूप से कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। ट्रेनों में यात्रियों से जबरन वसूली व गाली-गलौज करने वाले 9 किन्नरों को जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ शांति भंग की आशंका के तहत कार्रवाई की गई है।

जीआरपी और आरपीएफके आला अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को रेलवे कंट्रोल रूम और मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर फर्जी किन्नरों का एक बड़ा गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों और ट्रेनों के भीतर घुसकर लोगों को घेर रहा था और उनसे जबरन पैसों की मांग कर रहा था। यात्रियों द्वारा पैसे देने से मना करने पर किन्नरों ने गाली-गलौज शुरू करना शुरू दिए। माहौल को बिगड़ता देख जीआरपी और आरपीएफकी एक संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर धावा बोल दिया और चारों तरफसे घेराबंदी करके नौ लोगों को हिरासत में ले लिया। यह सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले पुरुष हैं, जो भेष बदलकर और फर्जी किन्नर बनकर भोले-भाले यात्रियों को डराने-धमकाने और उनसे मोटी रकम ऐंठने का संगठित गिरोह चला रहे थे। इनका मकसद ट्रेनों में सफर करने वाले परिवारों, विशेषकर महिला और बुजुर्ग यात्रियों को निशाना बनाकर अवैध रूप से कमाई करना था। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह और आरपीएफप्रभारी निरीक्षक सिद्धनाथ पाटीदार के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफकार्रवाई की जा रही है। यात्रियों से अवैध वसूली, धमकाने अथवा डराने जैसे कार्यों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

दोस्तों को बचाने के चक्कर में छात्र की गंगा में डूबने से मौत

-ढाई घंटे बाद गोताखोरों ने निकाला शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। चकेरी के घाऊखेड़ा निवासी अंश गुप्ता अपने पांच नाबालिग दोस्तों के साथ साइकिल से सिद्धनाथ घाट पर गंगा पर गंगा में नहाने गया था। नहाने के दौरान उसके दो दोस्त गहरे पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए अंश भी गहराई में उतर गया, लेकिन तेज बहाव में खुद लापता हो गया। घाट पर मौजूद लोगों ने डूब रहे दोनों किशोरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन अंश गंगा की तेज धारा में बह गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जाजमऊ पुलिस, जल पुलिस और शुक्लागंज के गोताखोर मौके पर पहुंचे। करीब ढाई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद शाम चार बजे अंश का शव गंगा से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल कांशीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अंश परचून कारोबारी भोलू गुप्ता का छोटा बेटा था और 11 वीं कक्षा में पढ़ता था।

वृक्षारोपण कर लोगों को किया गया जागरूक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में रविवार को सुविख्यात समाज सेवी एवं उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से वृक्षारोपण एवं 410 छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष भाजपा शिवराम सिंह एवं श्री हंस मंदिर प्रभारी साध्वी चंदन बाई, साध्वी मुदिता बाई, साध्वी दुर्गा बाई व साध्वी पदमा बाई द्वारा किया गया। साध्वी चंदन ने कहा कि प्रकृति अपना स्वभाव बदल रही है, जो चिंता का विषय है। अतः हम सभी का कर्तव्य है कि वनीकरण जैसे अभियान से जुड़कर प्रकृति को बचाने में अपना योगदान दे। इस अवसर पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष भाजपा सौरभ चतुर्वेदी, पुलिस योजना निदेशक डॉ के.एन.सिंह, शैलेंद्र पाल, गिरधारी लाल गुप्ता, शैलेंद्र सेंगर, अवधेश कटियार, यतेंद्र यादव, विनीत द्विवेदी, राजेंद्र वर्मा, अमित यादव, करन कठेरिया, विवेक राजावत, दीपक गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे।

बूथ मजबूत करें, घर-घर पहुंचाएं पीडीए का संदेश

-नगर अध्यक्ष ने की फ्रंटल संगठनों के साथ बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो कानपुर। सपा कार्यालय में नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, छावनी विधानसभा कमेटी और सभी फ्रंटल संगठनों के साथ बैठक की। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू ने किया। नगर अध्यक्ष ने कहा कि अगर पार्टी को मजबूत करना है, तो हम सबको अपने-अपने बूथ पर डटकर काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने बूथ की कमियों को देखें और उन्हें तुरंत ठीक करें। नए लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाएं। इसके साथ ही जिन लोगों के नाम दो-दो जगह हैं या जो फर्जी नाम हैं, उन्हें लिस्ट से हटवाने का काम करें, ताकि चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो सके। नगर अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 2027 के चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए अपनी पूरी ताकत लगा दीजिए। अगर हर कार्यकर्ता रोज अपने बूथ पर 2 से 3 घंटे भी दे देगा, तो आने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार पक्का बनेगी। उन्होंने सभी साथियों से कहा कि वे अपने-अपने इलाकों में जाएं और पीडीए की बैठकें करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पदयात्राएं निकालने और जनसभाएं करने को कहा, ताकि पीडीए का संदेश घर-घर तक पहुँच सके। बैठक मे प्रमुख रूप से महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, के के शुक्ला, राजेश गोंड कश्यप, मुमताज मंसूरी, शादाब आलम, दीपक खोटे, सत्यनारायण गहरवार, हरभजन सिंह, हरिकेश यादव, मो आकिल समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

लिफ्ट के बहाने सेल्समैन की जेब काट पार किए 25 हजार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। बर्रा में शनिवार शाम लिफ्ट मांगने के बहाने दो शातिरों ने एक सेल्समैन की जेब काटकर 23 हजार रुपये पार कर दिए। घटना के बाद पीड़ित ने बर्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

कर्रही बंबा रोड निवासी राजेश कुमार गुप्ता एक एफएमसीजी कंपनी की एजेंसी में सेल्समैन हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम दामोदर नगर मोड़ के पास बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें रोककर आगे जा रही एंबुलेंस तक छोड़ने की बात कही। वह दोनों को बाइक पर बैठाकर आगे बढ़े। काठ की पुलिया के पास जाम लगने पर पीछे बैठा युवक बाइक से उतरकर भाग गया। शक होने पर उन्होंने जेब देखी तो वह कटी हुई थी और उसमें रखे 23 हजार रुपये गायब थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें दोनों संदिग्ध आते-जाते दिखाई दिए हैं। बर्रा इंस्पेक्टर रवींद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों के आने और भागने के रास्तों की फुटेज के आधार पर उनकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

अब खेत के तालाब में खिल रहे मोती, बढ़ रही किसानों की आय

- मत्स्य पालन के साथ मोती उत्पादन का अभिनव प्रयोग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। बिधनू विकासखंड स्थित ग्राम सम्भुआ में एक खेत तालाब में मोती उत्पादन और मत्स्य पालन का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। लगभग 30 हजार सीपियों पर आधारित इस परियोजना में प्रति सीपी दो मोती तैयार किए जा रहे हैं। इनमें चयनित सीपियों में विशेष मोल्ड तकनीक के माध्यम से स्वस्तिक, भगवान गणेश, पुष्प, पत्तियों तथा अन्य कलात्मक आकृतियों वाले डिजाइनर पर्ल विकसित किए जा रहे हैं। लगभग 18 से 20 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना से तैयार होने वाले मोती करीब 50 लाख रुपये में बिकने का अनुमान है, जबकि मत्स्य पालन से प्रतिवर्ष लगभग चार लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने इस परियोजना का निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे जनपद के अन्य खेत तालाब लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भूमि संरक्षण अनुभाग द्वारा ग्राम सम्भुआ निवासी रश्मि वर्मा के खेत में 22 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा एवं तीन मीटर गहरा खेत तालाब निर्मित कराया गया है। योजना के तहत उन्हें खेत तालाब निर्माण पर 50 प्रतिशत का अनुदान डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। कृषि विभाग एवं मणि एग्रो हब के सहयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने तालाब में मोती की खेती शुरू की। वर्तमान में इस परियोजना को लगभग नौ माह पूरे हो चुके हैं तथा करीब 18 माह में मोती तैयार हो जाएंगे। इस परियोजना की विशेषता यह है कि चयनित सीपियों में विशेष साँचे प्रत्यारोपित किए गए हैं, जिन पर सीपी प्राकृतिक रूप से मोती की परतें चढ़ाती है। परियोजना के साथ मत्स्य पालन को भी जोड़ा गया है। रश्मि वर्मा ने बताया कि उनके दूसरे खेत तालाब में मत्स्य पालन किया जा रहा है और अब तक तीन बार मत्स्य उत्पादन किया जा चुका है। इससे प्रतिवर्ष लगभग चार लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। उन्होंने अन्य किसानों से भी खेत तालाबों का उपयोग केवल सिंचाई तक सीमित न रखकर मत्स्य पालन, मोती की खेती तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों से जोड़ने की अपील की। इस मौके पर उप कृषि निदेशक डॉ आर.एस.वर्मा, जिला कृषि अधिकारी अरुणेश प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किसानों को उन्नतशील ज्वार एवं साँवा की मिनीकिट वितरित की। इस अवसर पर भूमि संरक्षण अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

व्यापार प्रचार-प्रसार कर लाभार्थियों को किया जाए जागरूक

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि खेत तालाब वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और सिंचाई की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने भूमि संरक्षण अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के खेत तालाब लाभार्थियों को मत्स्य पालन, मोती की खेती तथा अन्य बहुउद्देशीय गतिविधियों से जोड़ते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिकाधिक किसान इस नवाचार को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। भूजल सप्ताह के अंतर्गत जिलाधिकारी ने एक फलदार पौधा रोपकर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने भूजल सप्ताह के दौरान जनपद के सभी खेत तालाबों की साफ-सफाई तथा उनके आसपास व्यापक वृक्षारोपण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ

मैनुअल अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-86/अधि0अभि0/2026-27

[illegible] दिनांक 28.07.2026 को 12:00 [illegible] 03:30 [illegible] दिनांक 22.07.2026 से 28.07.2026 [illegible] 12:00 [illegible] (IDT-1) [illegible] (IDT-2) [illegible] (IDT-3) [illegible] रु0 100 [illegible] 10 प्रतिशत [illegible] 03 माह [illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8
01	Drilling of Tubewells of 1.5 Cusec Capacity under project "1750 R&R State tubewells Project" district-Hardoi, depth 150 Mtr bore size 450mm to 600 mm(l) by using Direct/reverse rotary rig Machine work including drilling of tubewells, digging of pits for storage of water, lowering of recommended M.S. pipe assembly by ensuring verticality of assembly in proper manner, welding of pipe with socket etc. Screening & feeding of pea gravel after lowering of assembly & working bore properly including cost of wages of drilling staff & T&P excluding cost of HSD. (G.S.T Extra 18%)	300 Mtr (2 No.)	4.45	8910.00	3 माह	225.00+ GST नियमानुसार + 500.00	"ए" श्रेणी (वांछित) अथवा उच्च

नोट: [illegible]

(गौरव सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ

उ0प्र0 253854 दिनांक- 17.07.2026
Website: www.upgov.nic.in

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं-उपेन्द्र पासवान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो ,

घाटमपुर। रविवार को भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष उपेन्द्र पासवान की अध्यक्षता में पतारा मंडल के जहांगीराबाद शक्ति केन्द्र एवं बरीपाल मण्डल के गुजेला शक्ति केन्द्र की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूतीएआगामी कार्य क्रमों की रूपरेखाए बूथ सशक्तिकरण एवं केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन.जन तक पहुँचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को सभी शक्ति केंद्रों पर बैठक करनी है।साथ ही आगामी 26 जुलाई को प्रत्येक बूथ पर श्मन की बातश् कार्यक्रम सुनने एवं उसके उपरांत बूथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।उन्होंने 22 जुलाई हो होने वाले विधान सभा स्तरीय श्बूथ अध्यक्ष सम्मेलनश् के विषय में भी दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा किए श्बूथ अध्यक्ष सम्मेलनश् में सभी बूथ अध्यक्षों को अनिवार्य रूप से सहभागिता करनी है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष सूर्यब्रह्म सिंहए सौरभ त्रिवेदीए शोभित सेंगरए मंडल अध्यक्ष आशीष पाठकए ओमजी तिवारीए रणवीर सचानए रामगोपाल पासवानए निरंजन प्रजापतिए मोहित सिंहए शिव मोहन संखवार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रतियोगिता 22 से

हमीरपुर। आज प्रदेश स्तरीय महिला हैण्डबाल एवं बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 जुलाई, 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम अयोध्या में किया जा रहा है एवं प्रदेशस्तरीय समन्वय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 8 अगस्त, 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने हेतु जिला स्तरीय एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स का विवरण निम्नानुसार है। क0 खेल का नाम वर्ग 1- हैण्डबाल एवं बास्केटबाल महिला वर्ग जिला स्तरीय ट्रायल्स का दिनांक व समय 22 जुलाई 2026, प्रातः 11 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम्, हमीरपुर मण्डल स्तरीय ट्रायल्स का दिनांक व समय 23 जुलाई 2026 प्रातः 11 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम्, चित्रकूट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता व स्थान 27 से 29 जुलाई, 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम अयोध्या में फुटबाल समन्वय जूनियर बालक 23.07.2026, सांय 03रू00 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, हमीरपुर 24.07.2026 प्रातः 11रू00 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, चित्रकूट 01 से 08 अगस्त, 2025 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में 2- इच्छुक सीनियर महिला एवं जूनियर बालक खलाड़ी दी गयी निर्धारित तिथि में ससमय जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, हमीरपुर में उपस्थित होकर जिलास्तरीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग कर सकते है। जिलास्तरीय चयन ट्रायल्स में चयनित सीनियर महिला एवं जूनियर बालक खिलाड़ी ही मण्डल स्तरीय ट्रायल्स में प्रतिभाग कर सकेंगे। ये जानकारी शमीम अहमद उप कीड़ाधिकारी हमीरपुर ने दी।

जिलास्तरीय विशाल आध्यात्मिक महिला समागम का हुआ आयोजन

मौदहा,हमीरपुर। आज मौदहा कस्बा स्थित गांधी इंटर कालेज मौदहा में संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित जिलास्तरीय विशाल आध्यात्मिक महिला समागम का आयोजन हुआ। इस विशाल महिला समागम में हमीरपुर नगर, सुमेरपुर, बिवार, राठ सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में माताएं बहनें महिला समागम में सम्मिलित हुई। इस आध्यात्मिक महिला समागम की अध्यक्षता झांसी से आयी हुई ब्रह्मज्ञानी पूज्या बहन शशिप्रभा ने की। बहन शशिप्रभा ने कहा हर नारी स्वयं भी खुश रहना चाहती हैं और घर-परिवार को भी सुखी बनाना चाहती हैं तो श्निरंकारी सत्संगश् से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर प्रभु परमात्मा को जानकर जीवन का असल मकसद हासिल करके लाखों इंसानों का जीवन सफल हुआ है और उनके घर-परिवारों में रोनकें आ गयी है। बहन जी ने आगे समझाया कि जिस घर में परिवार के सभी सदस्य मर्यादा में रहते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाते है वहां हर समय प्यार ही प्यार होता है और स्वर्ग का नक्शा बना रहता है। ऐसे घर-परिवार में शारीरिक, मानसिक व आर्थिक अर्थात् हर तरह के सुख बरसते है।समागम में गीतों एवं आध्यात्मिक विचारों के माध्यम से प्यार, करुणा, एकत्व व भाईचारे का संदेश दिया गया। अंत में हमीरपुर जिला संयोजक महात्मा क्रांति कुमार निरंकारी ने सभी का स्वागत एवम् धन्यवाद दिया व मानव कल्याण, विश्व बंधुत्व और प्रेमपूर्ण जीवन अपनाने हेतु संदेश दिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम मौदहा संगत के मुखी महात्मा रामबहादुर के निर्देशन में तैयार किया गया, सभी सेवाएं जिले के सभी सेवादल संचालकों एवं सदस्यों के द्वारा मिलदृजुल कर सुचारू रूप से सम्पन्न की गई।

विधायक सरोज ने 20 लाख से बनी सड़क का किया लोकार्पण

-विधानसभा क्षेत्र घाटमपुर के अंतर्गत ब्लॉक भीतरगांव के ग्राम चपरेहटा में

-20 लाख से बनी है सड़क

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

घाटमपुर। शनिवार को विधायक सरोज कुरील ने विधान सभा क्षेत्र घाटमपुर के अंतर्गत ब्लॉक भीतरगांव के गांव चपरेहटा में वंशलाल के घर से अमित यादव के घर तक नाली एवं इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया।

लगभग 19ण50 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस विकास कार्य के पूर्ण होने से ग्रामवासियों को आवागमन एवं जल निकासी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने क्षेत्र में निरंतर हो रहे विकास कार्यों के लिए विधायक का जहां आभार व्यक्त किया। वही विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा जनता की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वह कुछ कहने से ज्यादा करने पर विश्वास करती हैं।

विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफ़ेयर एसोसिएशन ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सौंपा ज्ञापन

कानपुरएविशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के शिक्षकों ने शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन की माँग पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से संपर्क कर उन्हें इस प्रकरण पर आ रही समस्या से अवगत कराया तथा 28ध्03ध्2005 के पूर्व विज्ञापित पदों पर चयनित परिषदीय शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने संबंधी शासनादेश के अनुपालन में आ रही बेसिक शिक्षा विभाग की बाधाओं को दूर करने के लिए सहयोग की माँग की प्रदेश उपाध्यक्ष अभय मिश्र ने कहा कि विशिष्ट बीटीसी 2004 के तहत के शिक्षकों का चयन 2004 की विज्ञप्ति के आधार पर हुआ था जिसके द्वारा प्रशिक्षण के उपरांत 40ए हज़ार शिक्षकों की उत्तर प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापकों के पदों पर नियुक्ति का प्रावधान था परंतु विगत कई दिनों से विभागीय कारणों से पुरानी पेंशन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है लखनऊ में बैठे कई विभागीय अधिकारियों का कहना है

कि उनका नियुक्ति का विज्ञापन नियुक्ति का विज्ञापन ना होकर प्रशिक्षण का विज्ञापन था जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संबंध में अपने निर्णय में स्पष्ट किया था कि इस प्रक्रिया के तहत चयनित शिक्षकों के संबंध में पुरानी पेंशन के बारे में निर्णय सरकार के द्वारा लिया जा सकता है और शिक्षक अपना प्रत्यावेदन कि सरकार को प्रस्तुत करेंगे वे बेसिक शिक्षा विभाग के आदेश 31 अक्टूबर वर्ष 2005 में स्पष्ट कहा गया था कि विशिष्ट ठज्ब् 2004 के द्वारा चयनित शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अतिरिक्त विज्ञापन की आवश्यकता नहीं है द्य 2004 बैच के विशिष्ट बी टी सी शिक्षक पुरानी पेंशन को लेकर लगातार संघर्षरत शिक्षकों का कहना है कि 22ध्01ध्2004तथा 22ध्02ध्2004 को जारी विज्ञापन के आधार पर दिसम्बर 2005ध्जनवरी 2006 मे बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में 40000 सहायक अध्यापकों के पदों पर नियुक्तियाँ की गयी थी इसके अतिरिक्त कोई अन्य विज्ञापन जारी नहीं किया गया था।विशिष्ट बीटीसी शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 28ण्03ण्2005 के पूर्व विज्ञापित शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित किए जाने के सम्बन्ध में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को सतीश महाना विधान सभा अध्यक्ष ने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया ।आज के इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष अभय मिश्रए प्रदेश संयुक्त मंत्री डॉ आशीष कुमार दीक्षितएजिलाध्यक्ष डॉ रामकुमार त्रिपाठीए उपाध्यक्षएहनुमान त्रिपाठीएमनन कुमारएमीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार शर्माएजिला उपाध्यक्ष मलय गुप्ताएब्लॉक अध्यक्ष पीताम्बर पालएअनुज द्विवेदी ए अश्विनी कुमारएमहेश सचानएअनिल मिश्राएदेवेन्द्र साहूए किरनएअनिल यादवएप्रदीप कुमारएअरूण कुमार झाएदिलीप गुप्ताएसहित अन्य शिक्षक सम्मिलित रहे।

18 किलो मीटर पैदल चल कर जिलाधिकारी से मिली विधवा, बदली तकदीर

-शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई खत्म होने के बाद जिलाधिकारी के पास इस भरोसे से थी पहुंची कि

डीएम सुन लेंगे उसकी बात! शाम को उपजिलाधिकारी मातहतों के साथ पहुंच गए उसके घर

स्वतन्त्र भारत ब्यूरो

घाटमपुर। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई खत्म होने के बाद ज्यों ही जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह सभागार से जाने लगे तभी एक विधवा महिला 18 किलो मीटर पैदल चल कर घबराई हुई उनके पास पहुंची।और अपनी समस्या बताने लगी। उसने बताया कि उसका राशन कार्ड नहीं है और सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण भी नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी ने आवेदन पत्र मांगा तो महिला ने बताया कि वह जल्दबाजी में प्रार्थना पत्र भी नहीं लिख पाई। रिंकी मिश्रा ने बताया कि उसकी समस्याओं को देखते हुए गांव के लोगों और शुभचिंतकों ने उसे सलाह दी थी कि वह जिलाधिकारी से मिले। उसकी एक ही बात थीए डीएम साहब मेरी बात सुन लेंगे। इसी भरोसे वह तहसील नरवल क्षेत्र के ग्राम बीर सिंहपुर से करीब 18 किलोमीटर पैदल चलकर घाटमपुर तहसील पहुंची थी। जैसा वह सोच रही थी हुआ भी ऐसा हीए एक में उसकी तकदीर ही नहीं बल्कि घर गृहस्थी की तस्वीर भी बदल गई।

उपजिलाधिकारी ने विधवा के घर की बदली तस्वीर

घाटमपुर। महिला की बात सुनने के बाद जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह को उसी दिन मौके पर भेजकर पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिसे देखते हुए उपजिलाधिकारी शाम तक प्रशासन की टीम के साथ महिला के घर पहुंचे। जहां कच्ची दीवारों और जर्जर टीन की छत वाले घर में रह रहे परिवार के पास बिजली जाने पर रोशनी की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। जांच में सामने आया कि महिला का राशन कार्ड नहीं बना थाए जबकि सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण लंबे समय से लंबित था।

आर्थिक संकट से जूझ रहा था पूरा परिवार

घाटमपुर।उपजिलाधिकारी को विधवा रिंकी मिश्रा 41 ने बताया कि उसकी सबसे बड़ी चिंता उसकी दोनों बेटियां हैं। बड़ी बेटी 17 वर्ष की हैए जो पूर्णतः दिव्यांग है और उसे निरंतर देखभाल की जरूरत है। वहीं 15 वर्षीय दीक्षा ने अभावों के बीच भी पढ़ाई नहीं छोड़ी। पति राजीव मिश्रा की लगभग 10 वर्ष पूर्व आकस्मिक मृत्यु हो गई थीए जिसके बाद से पूरा परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहा है। दीक्षा ने कक्षा छह की परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अधिकारियों के पहुंचने पर परिवार की स्थिति बताते बताते महिला की आंखों में आंसू झलक उठे।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी ने तत्काल राहत के रूप में राशनए रसोई का आवश्यक सामानए सब्जियांए फलए मिठाईए बिस्किट सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई। इसके साथ ही परिवार को पांच हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।

उपजिलाधिकारी ने घर गृहस्थी की भी बदली तस्वीर

घाटमपुर। उपजिलाधिकारी अविचल प्रताप सिंह की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला की विधवा पेंशन स्वीकृत करानेए सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का नियमानुसार हस्तांतरण कराने तथा परिवार को अन्य पात्र सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से समयबद्ध रूप से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही बीएसए को निर्देशित किया कि दीक्षा की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण प्रभावित न होने पाए। यदि नियमानुसार संभव हो तो उसके अध्ययनरत निजी विद्यालय से समन्वय कर फीस में आवश्यक राहत दिलाने अथवा अन्य उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त परिवार की दिव्यांग बेटी का दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया भी शुरू करा दी गई हैए ताकि उसे शासन की ओर से अनुमन्य सभी दिव्यांगजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ विधवा को उपलब्ध कराया जा सके।

मंधना न शहर का दामाद? न गांव का बेटा मगर हर विभाग का कमाऊ पूत

विशेष व्यंग्य अभिमन्यु राय

-विकास की बारात हर चुनाव में आती है लेकिन दूल्हा आज तक नहीं पहुंचा

बिठूर। कहते हैं कि त्रिशंकु न स्वर्ग पहुंच पाए थे न धरती पर लौट पाए थे। सदियों बाद अगर किसी को त्रिशंकु की जीवंत झांकी देखनी हो तो उसे कानपुर के मंधना का चक्कर लगा लेना चाहिए। यहां पहुंचते ही महसूस होगा कि यह इलाका भूगोल की किताब में कम और सरकारी विभागों की लापरवाही की प्रयोगशाला ज्यादा है। मंधना ऐसा अनोखा कस्बा है जिसकी हालत उस रिश्तेदार जैसी है जिसे शादी में बुलाया तो गया हो लेकिन खाने की पंगत में बैठाने की बारी आए तो हर कोई कह दे अरे ये हमारे मेहमान नहीं हैं। यहां के लोग वर्षो से यही समझने की कोशिश कर रहे हैं कि वे आखिर हैं किसकेघ् शहर वाले कहते हैं तुम गांव वाले हो गांव वाले कहते हैं तुम तो शहर बन गए हो और सरकारी विभाग दोनों की बहस सुनकर फाइल बंद कर देते हैं। पहचान ऐसी कि सरकारी फाइलें भी माथा पकड़ लें। मंधना की सबसे बड़ी समस्या उसकी पहचान है। यहां विश्वस्तरीय वाटर पार्क है फाइव स्टार होटल है सिनेमा घर है रेस्टोरेंट है। यह शायद देश का इकलौता इलाका होगा जहां सरकारी कर्मचारी भी फाइल खोलने से पहले गूगल मैप नहीं किस्मत देखते होंगे। सदर तहसील कहती है हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं ग्रामीण तहसील कहती है इतने बड़े आदमी हो गए हो अब हमारे यहां क्या कर रहे होघ् नगर निगम की सीमा मंधना तक आते.आते ऐसी थक जाती है जैसे चुनाव के बाद नेता जनता से मिलने में थक जाते हैं। राजस्व विभाग के रिकॉर्ड खंगालिए तो मंधना का नाम ऐसे गायब मिलेगा जैसे चुनावी घोषणा पत्र से पुराने वादे। गनीमत है कि रेलवे वालों और पुलिस वालों ने स्टेशन का नाम ष्मंधनाष् रख छोड़ा है वरना आने वाली पीढ़ियां समझतीं कि यह इलाका सिर्फ प्रॉपर्टी डीलरों की कल्पना में बसता है ।

राजनीति का ऐसा संगम कि हर नेता इसे अपना बताता हैं बस जीतने तक

मंधना राजनीति का वह चौराहा है जहां दो लोकसभा क्षेत्रों के सांसद और दो विधानसभा क्षेत्रों के विधायक बराबर अधिकार जताते हैं। चुनाव आते ही हर नेता कहता है मंधना हमारी शान है। चुनाव खत्म होते ही वही नेता पूछता है अच्छा मंधना हमारे क्षेत्र में पड़ता है क्याघ् वोट मांगते समय यहां नेताओं की गाड़ियां इतनी आती हैं कि लगता है कोई मंत्री परिषद की बैठक होने वाली है। लेकिन जीत के बाद सड़क पर गड्ढे भी नेताओं से ज्यादा नियमित दिखाई देते हैं। कहीं नेता जी मसलन प्रधान जी जिला पंचायत क्षेत्र पंचायत आदि को इस बात की चिंता सता रही हो कि अगर नगर निगम का विस्तार हुआ तो मलाई और नेतागिरी दोनों हाथ से जाएगी।

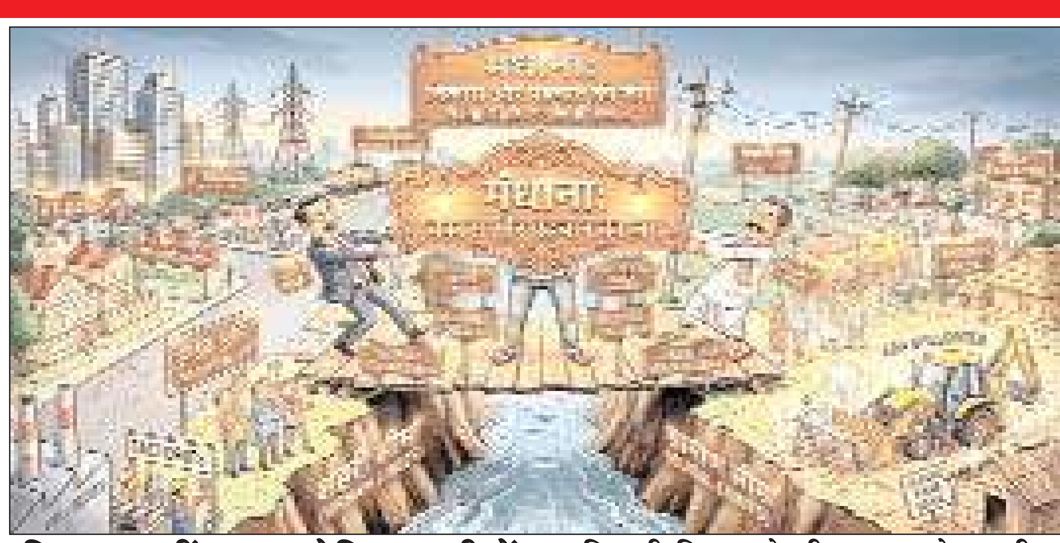

विकास नहीं आया लेकिन जमीनों ने राकेट पकड़ लिया

मंधना विकास की उस सरकारी योजना का नाम है जो हर बजट में आती है लेकिन जमीन पर उतरते उतरते फाइलों में ही दम तोड़ देती है। फिर भी मंधना की किस्मत देखिए। सरकारी विकास नहीं हुआ लेकिन निजी विकास ने ऐसा पैर पसारा कि जमीनों के दाम सुनकर शहर के बड़े.बड़े बिल्डर भी ईएमआई का कैलकुलेटर निकाल लेते हैं।फैक्ट्रियां खुल गई स्कूल.कॉलेज खड़े हो गए वर्ल्ड क्लास वाटर पार्क आ गया फाइव स्टार होटल भी पहुंच गया। एलीवेटेड ओवरब्रिज भी बन गया। बस सरकार ने विकास का बोर्ड लगाने से परहेज कर लिया। मेट्रो भी मंधना तक आते आते शायद सोच बैठी इतनी उलझी हुई पहचान वाले इलाके में घुसकर मैं भी कहीं विवाद में न फंस जाऊं।

आवास विकास का श्रोकाश्ए शादी की तारीख भगवान भरोसे

मंधना का सबसे लंबा प्रेम प्रसंग अगर किसी से चला है तो वह है आवास विकास परिषद। सालों पहले जमीनों का ष्रोकाष् कर दिया गया। लोगों को सपने दिखाए गए मुआवजे की बातें हुई नक्शे बने फाइलें चलीं अधिकारियों की कुर्सियां बदलीं सरकारें बदल गईं। लेकिन शादी की तारीख आज भी पंचांग में नहीं मिली। उधर केडीए की नजर भी मंधना पर ऐसी रहती है जैसे पड़ोसी की नई कार पर मोहल्ले वालों की। जब तब बुलडोजर लेकर सीमा में प्रवेश कर जाता है और लोगों को याद दिला देता है कि हम भी हैं।

बिजली विभाग ने भी कहा पहले अपनी पहचान बताओ

मंधना की बिजली व्यवस्था देखकर लगता है कि बिजली भी आधार कार्ड देखकर सप्लाई होती होगी। शहर नहीं इसलिए केस्को वाली सुविधा नहीं। तहसील मुख्यालय और टाउन एरिया का तमगा नहीं इसलिए ग्रामीण व्यवस्था भी पूरी नहीं। नतीजा यह कि बिजली का कोई टाइम टेबल नहीं। यहां बिजली आती कम है और दर्शन ज्यादा देती है। बिजली विभाग में मोटी तनख्वाह ले रहे कर्मचारियों अधिकारियों के क्या ही कहने आए दिन फॉल्ट और उपर से रात में अघोषित बिजली कटौती यहां के लोगों का जीवन नर्क बना रखा है। फॉल्ट और रोस्टिंग के नाम पर जो खेल मंधना बिजली विभाग खेलता है उसे देख फीफा वर्ल्ड कप और आईसीसी वर्ल्ड कप के आयोजक शर्मा जाएं।मंधना के लोग बिजली विभाग से ज्यादा उम्मीद मौसम विभाग से रखते हैं कि शायद हवा चल जाए तो छत पर नींद आए।

मंधना हर विभाग का कमाऊ पूत लेकिन जिम्मेदारी किसी की नहीं

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब टैक्स रजिस्ट्री जमीन की कीमत कारोबार और निवेश की बात आती है तब हर विभाग मंधना को अपना मान लेता है। लेकिन जैसे ही सड़क सीवर बिजली सफाई जलनिकासी या नागरिक सुविधाओं की बात उठती है हर विभाग एक सुर में कहता है यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यानी दूध सबको चाहिए लेकिन चारा खिलाने की जिम्मेदारी कोई नहीं लेना चाहता।

कस्बा यही है असली पहचान

इतनी उपेक्षा इतनी उलझन और इतने सरकारी प्रयोगों के बावजूद मंधना सीना तानकर खड़ा है आज भी जिंदा है आबाद है और तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि यहां के लोगों ने सरकार से उम्मीदें कम और अपनी मेहनत पर भरोसा ज्यादा कर लिया है। इसके पास भले ही नगर निगम का टैग न हो भले ही यह दो पाटों के बीच पिस रहा हो लेकिन इसके पास एक तगड़ा रूतबा है कस्बे का स्टेटस। फिलहाल मंधना की हालत पर बस यही शेर सबसे सटीक बैठता है न खुदा ही मिला न विसाल.ए.सनमएन इधर के न उधर के है हम फर्क सिर्फ इतना है कि त्रिशंकु स्वर्ग और धरती के बीच लटका था जबकि मंधना सरकारी विभागों राजनीतिक वादों और विकास की घोषणाओं के बीच पिछले कई दशकों से झूल रहा है। चुनाव दर चुनाव चेहरे बदलते हैं नारे बदलते हैं पोस्टर बदलते हैं लेकिन मंधना की किस्मत नहीं बदलती। यहां विकास आज भी उसी सरकारी फाइल में कैद है जिस पर हर नया अधिकारी लिखता है विचाराधीन।

क्या कहते हैं लोग

ग्राम प्रधान मृदुल द्विवेदी उर्फ ऋषि ने बताया कि हमारा अधिकार चवन्नी का नहीं पर जलवा वजीर जैसा है भैया हमारी स्थिति वैसी ही है जैसे किसी दूल्हे को जयमाला के स्टेज पर चढ़ाकर दूल्हन गायब कर दी जाए कागजों में हम चौबेपुर ब्लॉक के प्रधान हैं जल निकासी और साफ सफाई की समस्या दो ब्लॉक के बीच में फंसी है क्या करें बजट भी नहीं है। अधिकार चवन्नी का नहीं है? लेकिन लोग हमारे चक्कर ऐसे काटते हैं जैसे हम मंधना के वजीर हों।

अजय चौहान स्थानीय व्यापारी हमारे यहां करोड़ों का कारोबार होता है जमीनों के दाम शहर से मुकाबला कर रहे हैं लेकिन बिजली सड़क और जलनिकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए आज भी विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। मंधना कमाऊ जरूर है लेकिन सुविधाओं के मामले में अनाथ बना हुआ है।

अजय पांडे स्थानीय नागरिक चुनाव के समय मंधना सबको याद आता है। सांसद विधायक अधिकारी सभी आते हैं लेकिन चुनाव खत्म होते ही मंधना का पता शायद उनके मोबाइल से भी डिलीट हो जाता है। यह कस्बा आज भी अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। हर्षू चाय वाला मंधना चौराह साहब मंधना की पहचान पूछो तो मेरी दुकान पर रोज बहस होती है। कोई कहता है शहर है कोई कहता है गांव है। मैं तो बस इतना जानता हूं कि चाय पीने वाले सब यहीं आते हैं लेकिन विकास आज तक नहीं आया। लगता है उसे भी रास्ता नहीं मिला कि मंधना आखिर किसके भरोसे पहुंचे। चौराहे पर न तो पीने के लिए पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय की व्यवस्था ऐसे में महिला यात्रियों को बहुत कठिनाई होती है। राम किशोर तिवारी वरिष्ठ नागरिक बचपन से सुनते आए हैं कि मंधना का विकास होगा फैक्ट्रियां लग रही है अब पोते भी वही सुन रहे हैं विकास होगा। नेता बदल गए सरकारें बदल गईं लेकिन मंधना की किस्मत अभी भी विचाराधीन है।

टीचर सेल्फ केयर टीम मौदहा द्वारा स्वर्गीय कमलेश कुशवाहा जी को दी गई विनम्र श्रद्धांजलि

हमीरपुर। आज का दिन भावनाओं से ओत-प्रोत और प्रेरणादायक रहा। जिसमें टीचर सेल्फ केयर टीम मौदहा द्वारा स्वर्गीय श्री कमलेश कुशवाहा जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वर्गीय कमलेश कुशवाहा (दिवंगतरू 30 जनवरी 2025), जो टीचर सेल्फ केयर टीम उत्तर प्रदेश के सक्रिय एवं वैधानिक सदस्य थे, उनकी पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी रचना देवी पुत्र एवं पुत्री द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय रीवन कंपोजिट (कक्षा 1 से 8) में एक अत्यंत सराहनीय सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वर्गीय कमलेश कुशवाहा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में उनके नाम का वृक्षारोपण किया गया तथा विद्यार्थियों के हित में स्मार्ट क्लास के संचालन हेतु 20 सेट कंप्यूटर चेयर विद्यालय परिवार को भेंट की गई। विद्यालय परिवार ने स्वर्गीय कमलेश कुशवाहा की पत्नी का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह केवल एक दान नहीं, बल्कि शिक्षा, सेवा और अपने प्रियजन की स्मृतियों को समाजहित में जीवंत रखने का प्रेरणादायी संकल्प है। टीचर सेल्फ केयर टीम उत्तर प्रदेश परिवार रचना देवी जी एवं उनके समस्त परिवार के प्रति हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया। उनकी प्रेरणादायी स्मृतियाँ सदैव हम सभी के लिए सेवा, सहयोग और समर्पण का मार्ग प्रशस्त करती रहेंगी। इस अवसर पर टीचर सेल्फ केयर टीम मौदहा ब्लॉक के ब्लॉक संयोजक सुरेंद्र कुमार, ब्लॉक आईटी सेल प्रभारी आशीष कुमार, ब्लॉक प्रवक्ता श्री रफीक मोहम्मद, ब्लॉक सह-संयोजक अरविंद कुमार, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हरिमोहन गुप्ता तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन के 50 फीट ऊंचे पोल पर फंदे से लटका मिला युवक, मचा हड़कंप

बिजली आपूर्ति चालू होने से घंटों नहीं उतारा जा सका शव, पुलिस सभी पहलुओं की कर रही जांच

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हाईटेंशन लाइन के करीब 50 फीट ऊंचे पोल पर 22 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाने का प्रयास किया, लेकिन लाइन में बिजली आपूर्ति चालू होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद बिजली विभाग को सूचना देकर आपूर्ति बंद कराने और तकनीकी टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या मान रही है, हालांकि हर पहलू की जांच की जा रही है।

दाऊखेड़ा गांव निवासी ओमकार रावत (22) पुत्र महेश रावत पेशे से ड्राइवर था। परिवार में मां अनीता, चार भाई और दो बहनें हैं। पिता महेश रावत पंजाब के लुधियाना में मजदूरी करते हैं। परिजनों के अनुसार, ओमकार चार दिन पहले अपनी चचेरी बहन अनीता के घर दऊ गांव आया था। शनिवार दोपहर करीब दो बजे वह घर से यह कहकर निकला था कि थोड़ी देर में लौट आएगा, लेकिन देर रात तक वापस नहीं पहुंचा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

रविवार सुबह करीब छह बजे दरसवा निवासी रंजीत खेत की ओर गए थे। खेत के पास स्थित हाईटेंशन लाइन के पोल पर उनकी नजर पड़ी तो करीब 50 फीट की ऊंचाई पर युवक का शव फंदे से लटका दिखाई दिया। उन्होंने तत्काल अपने भाई रामेंद्र और मृतक के परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

शव हाईटेंशन लाइन के पोल पर होने और बिजली आपूर्ति चालू रहने से पुलिस तत्काल उसे नीचे नहीं उतरवा सकी। बिजली विभाग को सूचना देने के बाद आपूर्ति बंद कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। लखनऊ से तकनीकी टीम भी मौके के लिए रवाना की गई।

थाना पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शारदा नहर में मिला अज्ञात महिला का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) औरास, उन्नाव। । थाना क्षेत्र से गुजरने वाली शारदा नहर में रविवार सुबह करीब 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव उतराता मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के जिलों में गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

रविवार सुबह करीब आठ बजे बछौली से पहले गेरूआ बछौली के पास लखनऊ की ओर जा रही शारदा नहर में ग्रामीणों ने महिला का शव बहता देखा। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने शव को किनारे निकालकर औरास थाना पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रथम दृष्टया शव 24 से 36 घंटे पुराना प्रतीत हो रहा है। महिला की उम्र करीब 30 वर्ष आंकी गई है। उसके पैरों में चप्पल थी और पहनावे से वह विवाहित प्रतीत हो रही थी, लेकिन उसके पास कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके।

ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम सीमऊ पुल के पास भी एक महिला का शव शारदा नहर में बहता देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि तेज बहाव के कारण शव वहां से बहकर औरास क्षेत्र तक पहुंच गया। पुलिस इस बिंदु को भी जांच में शामिल कर रही है।

थानाध्यक्ष संजीव कुमार कुशवाहा ने बताया कि महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा पहचान के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और शिनाख्त के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

गिरवी रखे जेवर मांगने पर मारपीट, जातिसूचक गालियां देने का आरोप

पीड़ित की शिकायत पर सीओ के निर्देश से एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) पुरवा उन्नाव। गिरवी रखे जेवर वापस मांगने गए सर्राफा कारोबारी और उसके भतीजे के साथ मारपीट तथा जातिसूचक गालियां देने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं हुई। बाद में क्षेत्राधिकारी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं एवं एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रहिमानपुर-जगदीशपुर निवासी चंदीपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पाटन रोड-मिर्री चैराहा स्थित अपनी दुकान पर सोने के आभूषण बनाने, बिक्री करने और गिरवी का कारोबार करता है। उसके अनुसार, लिखापढ़ी के बाद उसने गिरवी रखे गए कुछ जेवर रुपये के लेनदेन के बदले मौरावां रोड स्थित एक सर्राफा कारोबारी के पास जमा कराए थे।

आरोप है कि जब उसने अपने जेवर वापस मांगे तो आरोपित लगातार टालमटोल करता रहा। 15 जुलाई की सुबह वह अपने भतीजे के साथ आरोपित के घर पहुंचा और जेवर लौटाने की बात कही। इसी दौरान आरोपित ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए दोनों के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भतीजे को भी पीटा गया।

पीड़ित के अनुसार, सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जबकि आरोपित को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने क्षेत्राधिकारी अरविंद चैरसिया से न्याय की गुहार लगाई। सीओ के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में हरदोई-उन्नाव मार्ग पर स्थित ग्राम रघुराम पुर पुलिया के समीप रविवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरदोई जिले के थाना पाली अंतर्गत ग्राम कौशिया निवासी सोनू (30 वर्ष) पुत्र शंभू दयाल बोरिंग का काम करता था। बीते शनिवार की रात वह कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के ग्राम दुल्ला पुरवा स्थित अपनी ससुराल में रुका हुआ था। वह आज रविवार को अपनी ससुराल से बाइक द्वारा बोरिंग का काम करने के लिए हरदोई जिले के थाना मल्लावां अंतर्गत ग्राम मटियामऊ जाने के लिए निकला था। तभी रास्ते में कोतवाली क्षेत्र के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर ग्राम रघुराम पुर पुलिया के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सोनू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से भाग निकला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक की जेब से मिले प्रपत्रों के आधार पर शिनाख्त कर मृतक के परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी। सोनू की मौत की खबर मिलते ही परिजनो में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी राधा और दो बच्चे ऋषभ व रीता को रोता-बिलखता छोड़ गया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

पुलिस की अनूठी पहल, बहू-बेटी सम्मेलन में रिश्तों में प्रेम और सम्मान का दिया संदेश

सास-बहू ने एक-दूसरे को पहनाई माला, गले मिलकर पारिवारिक सौहार्द बनाए रखने का लिया संकल्प

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। महिला सुरक्षा, सम्मान और पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गंगाघाट पुलिस ने रविवार को जाजमऊ चैकी क्षेत्र के रजवाखेड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया। चैपाल के रूप में आयोजित कार्यक्रम में सास, बहू, ननद, भाभी, मां, बेटियों और छात्राओं समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने परिवार में प्रेम, सम्मान और आपसी विश्वास बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक गंगाघाट अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

परिवार परामर्श समिति के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि परिवार की बहू को हमेशा बेटी के समान सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए। बहू और बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। वहीं, सीओ सिटी विनी सिंह ने बहुओं से सास को मां का सम्मान देने और परिवार के सभी सदस्यों के साथ मधुर संबंध बनाए रखने की अपील की। उन्होंने महिलाओं को 1090, 112 और 108 जैसी हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग करने के लिए जागरूक किया।

वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर ने पारिवारिक जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए महिलाओं से परिवार में प्रेम और स्नेह का वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। सम्मेलन में मौजूद महिलाओं ने कहा कि उनके क्षेत्र में पुलिस की ओर से इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है, जिससे परिवारों में आपसी रिश्तों को मजबूत करने का सकारात्मक संदेश मिला।

कार्यक्रम के अंत में सास-बहू, ननद-भाभी और मां-बेटी ने एक-दूसरे को माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर और गले मिलकर पारिवारिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस भावनात्मक दृश्य ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में चैकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सुभाष, ग्राम प्रधान गोविंद निषाद, मुख्य आरक्षी प्रशांत मिश्रा, आरक्षी कमलेश, रोहित, महिला मुख्य आरक्षी उपासना पाठक, महिला आरक्षी शीलू पाल, शिखा सहित पुलिस टीम और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। संचालन डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने किया, जबकि अंत में चैकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। हरियाली पेट्रोल पंप के पास रविवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घायल को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के जोगीकोट मजरा रसूलवापुर निवासी राजू पुत्र शंकर अपनी पत्नी को दवा दिलाने के लिए बांगरमऊ आया था। इसके बाद वह पत्नी को उसके मायके भिखारीपुर छोड़कर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहा था।

बताया गया कि हरियाली पेट्रोल पंप के निकट पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही राजू सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

भगवान जगन्नाथ की छठी पर भक्तो ने पाया भंडारे का प्रसाद

स्वतंत्र भारत व्यूरो शुक्लागंजए उन्नाव। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा बीते दिनों निकाली गई भव्य जगन्नाथ यात्रा के बादए रविवार को नगर में भगवान जगन्नाथ जी की छठी का पर्व बेहद धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर राजधानी मार्ग स्थित रुद्र नगर के श्आवा कान्टीनेंटलश् और गोपीनाथपुरम स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर के जगन्नाथ मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

दोनों ही स्थलों पर उत्सव की शुरुआत भगवान जगन्नाथ जी की विधि.विधान से पूजा.अर्चना और भव्य आरती के साथ हुई। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने भगवान को छप्पन भोग लगाकर सुख.समृद्धि की कामना की। पूजा संपन्न होने के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गयाए जिसमें देर शाम तक राहगीरों और क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला ने पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसारए आज ही के दिन जगन्नाथपुरी में भगवान अपने मूल निवास पर वापस आते हैंए जिसके उपरांत उनकी छठी का उत्सव मनाया जाता है। गोपीनाथपुरम में अवधेश बाजपेई ने मुख्य यजमान के रूप में पूजा संपन्न कराई। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में कमल वर्माए श्रीकांत पांडेए अंकुर शुक्लाए केडी त्रिवेदीए प्रमोद त्रिवेदीए आशुतोष शुक्लाए अनूप साहूए प्रदीप शुक्लाए विकास मिश्राए तारकेश्वर पांडे और दिलीप शुक्ला समेत बड़ी संख्या में सनातनियों ने सक्रिय योगदान दिया।

पुलिस लाइन में बच्चों को मिला नया चिल्ड्रेन पार्क,एसपी ने किया लोकार्पण

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। पुलिस परिवार के बच्चों को सुरक्षित और बेहतर मनोरंजन का वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित चिल्ड्रेन पार्क का लोकार्पण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने पार्क का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात कानून व्यवस्था और जनसेवा में लगे रहते हैं। ऐसे में उनके परिवारों, विशेषकर बच्चों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भी विभाग की प्राथमिकता है। एसएसपी ने कहा कि यह चिल्ड्रेन पार्क बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां उन्हें सुरक्षित वातावरण में खेलकूद और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनके व्यक्तित्व के विकास को नई दिशा मिलेगी।

उद्घाटन के बाद एसएसपी ने पुलिस परिवार के बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें पुष्टाहार वितरित कर स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बच्चों ने पार्क में लगाए गए विभिन्न खेल उपकरणों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। इस दौरान पूरा परिसर बच्चों की खिलखिलाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी हसनगंज तेज बहादुर सिंह, क्षेत्राधिकारी बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ हर्ष मोदी, क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इस पहल को पुलिस परिवार के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, गले पर चोट के निशान से उठे सवाल

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बेहटा कच्छ गांव में रविवार सुबह गांव के बाहर बबूल के पेड़ से 40 वर्षीय युवक का शव फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के गले पर चोट के निशान मिलने की चर्चा के बाद ग्रामीणों में मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

बेहटा कच्छ गांव निवासी कमलेश पुत्र शंभू गांव में साइकिल पंचर की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी का काफी समय पहले निधन हो चुका था। वह अपने दो नाबालिग बच्चों की देखभाल अकेले कर रहा था।रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव की आबादी से बाहर एक बबूल के पेड़ की डाल से कमलेश का शव फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव देखकर बिलख पड़े। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के गले के पास चोट के निशान दिखाई दे रहे थे, जिससे घटना को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है। कमलेश तीन भाइयों में मझला था, जबकि उसके दोनों भाई दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आवारा कुत्तों के हमले में 60 भेड़ों की मौत, 30घायल, पशुपालकों पर टूटा दुखों का पहाड़

बाड़े में घुसकर किया हमला, भगदड़ और दम घुटने से भी गई कई भेड़ों की जानय लाखों के नुकसान का दावा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गोपालगंज (हरियावर) गांव में आवारा कुत्तों के झुंड ने भेड़ों के बाड़े में घुसकर तांडव मचा दिया। हमले और भगदड़ में करीब 60 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि लगभग 30 भेड़ें घायल हो गईं। घटना से पशुपालक परिवारों की वर्षों की मेहनत पलभर में बर्बाद हो गई। पीड़ितों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग की है।

गांव निवासी भोला पाल के पुत्र मंशाराम, नेकराम और जगन्नाथ भेड़ पालन कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की करीब एक सौ भेड़ें गांव के बाहर बने बाड़े में रखी जाती हैं। बताया गया कि देर रात छह से सात आवारा कुत्ते किसी तरह बाड़े में घुस गए और भेड़ों पर हमला बोल दिया।

हमले के दौरान कई भेड़ों को कुत्तों ने बुरी तरह नोच डाला, जबकि बाकी भेड़ें जान बचाने के प्रयास में बाड़े के भीतर इधर-उधर भागने लगीं। भगदड़ और दम घुटने से भी बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत हो गई। रविवार सुबह जब पशुपालक बाड़े पर पहुंचे तो वहां का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। चारों ओर मृत और घायल भेड़ें पड़ी थीं।

पीड़ित पशुपालकों का कहना है कि इस घटना से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। भेड़ पालन ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन था। एक ही रात में उनकी पूरी पूंजी खत्म हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग छोटे बच्चों को अकेले बाहर भेजने से भी डर रहे हैं।

पशुपालकों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कराकर शीघ्र मुआवजा दिलाने और आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में ऐसे हादसे दोबारा हो सकते हैं।

नोएडा में सड़क किनारे मिला उन्नाव के मजदूर का शव, आधार कार्ड से हुई पहचान

स्पोर्ट्स कपड़ों की फैक्ट्री में करता था काम, सूचना मिलते ही परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) फतेहपुर चैरासी उन्नाव। गैर जनपद में रहकर मेहनत मजदूरी करने वाले क्षेत्र के एक गांव निवासी अधेड़ का शव मार्ग में संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला।पुलिस मृतक के पास मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान कराई। मृतक एक स्पोर्ट कपड़े की फैक्ट्री में काम करता था। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया।

थाना क्षेत्र की ग्रामपंचायत भड़सर नौशहरा के मजरा ग्राम कोडरी निवासी लगभग पचास वर्षीय शिवकरन पुत्र रामस्वरूप गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में सेक्टर पांच में रहकर सेक्टर दो में स्थित एक स्पोर्ट कपड़े बनाने की फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। रविवार दोपहर लगभग दो बजे शिवकरन का शव सेक्टर-5 स्थित हरौला गांव में गैस एजेंसी के पीछे सड़क के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नोएडा की स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने के प्रयास शुरू किए नोएडा पुलिस ने शव के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर फतेहपुर चैरासी थाना पुलिस से संपर्क किया। नोएडा पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर फतेहपुर चैरासी प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने ग्राम प्रधान के माध्यम से परिजनों को सूचना दिलवाई। जिसके बाद शव की शिनाख्त हो सकी।शव की शिनाख्त होने के बाद नोएडा पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।परिजनों ने बताया कि सोमवार को शव का पोस्टमार्टम होने के बाद देर शाम तक शव गांव पहुंचने की संभावना है।मृतक अपने पीछे पत्नी मीना, दो पुत्र और तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी मीना का रो-रोकर बुरा हाल है।वही घटना को लेकर गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि नोएडा पुलिस द्वारा अज्ञात शव की शिनाख्त के लिए संपर्क किया गया था। ग्राम प्रधान के सहयोग से फोटो के माध्यम से परिजनों शव की पहचान कराई गई है।

सड़क किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड़क किनारे 32 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे सड़क दुर्घटना मानकर जांच कर रही है, जबकि मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान अजगैन थाना क्षेत्र के चमरौला गांव निवासी राकेश (32) पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल के रूप में हुई है। वह लखनऊ में शटरिंग का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी शादी सोहरामऊ थाना क्षेत्र के आशाखेड़ा गांव निवासी रूपा से हुई थी। दंपती की तीन बेटियां हैं। परिजनों के अनुसार, राकेश और उसकी पत्नी के बीच किसी व्यक्ति से फोन पर बातचीत को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के बाद होली से पहले रूपा मायके चली गई थी और तब से वापस नहीं लौटी। करीब 15 दिन पहले राकेश पत्नी को मनाने ससुराल भी गया था, लेकिन बात नहीं बन सकी। मृतक की बहन ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले उसकी मां (राकेश की सास) मुन्नी ने फोन कर राकेश को जान से मारने की धमकी दी थी। उनका कहना है कि इस धमकी के बाद हुई राकेश की मौत संदेह पैदा करती है। परिजनों का आरोप है कि हत्या कर घटना को सड़क हादसे का रूप देने का प्रयास किया गया है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

फिर टैरिफ

अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने करीब चार दिन पहले सीनेट में एक विधेयक पेश किया है जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत व चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इसके पास हो जाने पर राष्ट्रपति ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क लगाने का अधिकार मिल जाएगा। रूस से तेल खरीद अमेरिका को काफी दिनों से बेहद अखर रहा है। कुछ महीने पहले भी ट्रंप इसी ढंग का कदम उठा चुके हैं जिसमें पचीस फीसदी का शुल्क लगाया गया था लेकिन बाद में इसे हटाने का रास्ता निकाला। नए प्रस्ताव पर एक खास बात यह है कि ये ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। अब जब व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का एक नया स्वरूप सामने आया है तो अहम सवाल यह उठता है कि व्यापार वार्ता का भविष्य क्या रह जाएगा और समझौते का महत्व क्या रह जाएगा। यह प्रस्ताव हालांकि टैरिफ के पिछले प्रस्ताव से हल्का बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में अमेरिकी प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी। इस पृष्ठभूमि में एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठता है कि अगर कोई देश रूस से तेल खरीदता है तो उस पर अमेरिका को टैरिफ लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है। भारत पर टैरिफ के उदाहरणों के अलावा भी ट्रंप अन्य कई मामलों में अपने पहले के रुख से पलटते रहे हैं। लेकिन इससे उनकी और उनके देश की साख कम ही हुई है। एक अजीब तरह की अनिश्चितता का वातावरण बन गया है। यह बात भी आ चुकी है कि दूसरे दशों को अपने हिसाब से चलाने और उन पर बेवजह दबाव बनाने के कदम उठाकर अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है। इसका ताजा उदाहरण ब्राजील पर टैरिफ ठोकने का फैसला है जिसका वहां के राष्ट्रपति ने जम कर विरोध भी किया है। इसके अलावा कनाडा में जंगलों में लगी आग से उठने वाले धुएं को लेकर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली है। किसी भी देश से संबंध ठीक न होना एक बात है लेकिन इसी बात को लेकर उसको ध्वस्त करने के लिए कदम उठा लेना उपयुक्त कदम नहीं कहा जा सकता। यह अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक परंपराओं के भी पूरी तरह से खिलाफ है। दो देशों के बीच किसी अड़चन का सबसे सही रास्ता संबंधित विषय पर मिल बैठकर बातचीत का होता है। उससे कई अन्य बातें भी सुलझ जाती हैं। टैरिफ के ताजा प्रस्ताव के पीछे ट्रंप का समर्थन भी निश्चित रूप से होगा क्योंकि उनका यह प्रिय विषय है। अब इसका परिणाम चाहे जो हो लेकिन यह तय है कि इसी तरह की मनमानी होती रही तो अमेरिका के बारे में धारणा और अनिश्चित होती जाएगी।

तालाबों पर कब्जे

भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट इस समय दुनियाभर की एक प्रमुख समस्या है जिससे लखनऊ भी अछूता नहीं है। इसका प्रमुख कारण जिले में तालाबों का खत्म होते जाना है। यहां की पांचों तहसीलों में लगभग दस हजार तालाब दर्ज हैं लेकिन इसमें करीब चार हजार तालाब पाट कर उनके ऊपर मकान बना लिए गए हैं। इसमें भी अधिकतर तालाब पाट कर प्रॉपर्टी डीलरों ने प्लॉट बनाकर बेच डाले हैं। इस तरह इन तालाबों का अस्तित्व तो खत्म हो ही गया, बचे हुए छह हजार तालाबों में वर्षा का पानी नहीं पहुंच पाता। वर्षा जल का तालाबों में संरक्षण न हो पाने के कारण जल स्तर तेजी के साथ गिर रहा है। भूगर्भ जल विभाग का कहना है कि इस स्थिति के परिणामस्वरूप हर साल करीब दो मीटर भूजल स्तर गिर रहा है। आने वाले वर्षों में जल की उपलब्धता के लिहाज से यह बहुत चेतावनी भरी गंभीर स्थिति है। हालांकि तालाबों का अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रयास किए गए हैं लेकिन उनका अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ सका। लगभग दस साल पहले ही तालाबों को उनके मूल स्वरूप में लाने के प्रयास शुरू किए गए जिसके लिए तालाबों पर से अतिक्रमण हटाने के अभियान भी चलाए गए पर कोई फायदा नहीं हो सका। कब्जों और निर्माण का सिलसिला तेजी के साथ चलता गया। इनमें प्रॉपर्टी डीलर तो भारी पड़े ही, आम लोग भी पीछे नहीं रहे। अपनी पहुंच और पैसे के दम पर तालाबों को पाटने और उन पर निर्माण कर लेने की गतिविधियां चलती रहीं। इसका दुष्परिणाम सामने आता जा रहा है। ऐसे में भूजल स्तर बनाए रखने के लिए उपलब्ध संसाधनों और उपायों की सीमितता को देखते हुए आवश्यक है कि तालाबों को बनाए रखने और उनका संरक्षण करने के काम को एक अभियान की तरह चलाया जाए। यह ठीक है कि लखनऊ शहर में कुछ झीलों की स्थिति सुधारने का काम शुरू किया गया है लेकिन इसे और विस्तार देते हुए शहर और अन्य तहसीलों के ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार के काम किए जाएं।

काँव-काँव

♦♦♦

टिन्नू बोला-हम जेल में अनिल मिश्रा बाहर क्यों
आरक्षित सीट भरने के बाद सामान्य वर्ग को मौका मिलता है!

सफेद चादर की दीवार बना वांगचुक को जबरन उठाकर ले गई पुलिस
लोकतंत्र के प्रतीक अनशन को मौत के प्रतीक सफेद चादर से ढका!

किसकी जेब में गई गोरखपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए दी गई रकम : अखिलेश
क्या सूचना के अधिकार का उपयोग भी नहीं कर पा रहा विपक्ष!

सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, लखनऊ से होगी निगरानी
राम मंदिर चोरी के बाद सीसीटीवी कैमरों का भरोसा नहीं रहा!

आज और कल बारिश के आसार
बारिश शुरू, मौसम विभाग की खबर पर इस बार पानी नहीं फिरा!

यूके चला यूपी का आम्रपाली आम
आम इंसानों से भाग्यशाली है आम!

♦♦♦

ट्रंप की नीतियों ने गिराई अमेरिका की साख

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त

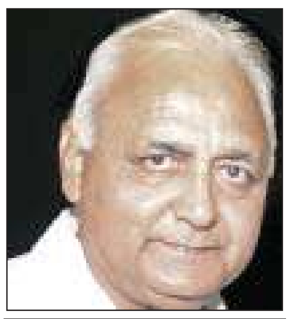

-तनवीर जाफ़री

राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से 'विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति' के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ 'वैश्विक थानेदार' के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नज़र रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे 'लिली पैड' फ़ारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास क़रीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है। दूसरी तरफ़ 1970-80 के दशक में चीन की 'भविष्य की महाशक्ति' के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990-2000 के दशक आते आते उसे एक 'उदयमान महाशक्ति' के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे ग़रीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेज़ी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5 प्रतिशत, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज़ प्रगति ने 'मेड इन चाइना 2025' जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मज़बूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ़्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर 'खेलना' चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से 'थानेदार' जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में ग़ैर ज़रूरी दख़लअंदाज़ी से परहेज़ किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर क़ब्ज़ा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई। चीन और शी ज़िननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था पी2 शोध केंद्र के ताज़ातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुक़ाबले चीन की और ट्रंप के मुक़ाबले शी ज़िनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी ज़िनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नज़र आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी ज़िनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही 'शंकाओं' को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ़्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के ज़रिए 'विकास साझेदार' की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फ़ैसलों ने अमेरिकी छवि को काफ़ी नुक़सान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और

सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार-बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल, मध्य पूर्व, वेनेज़ुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना ग़लत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की ज़िम्मेदार हैं।

।। यथार्थ गीता ।।

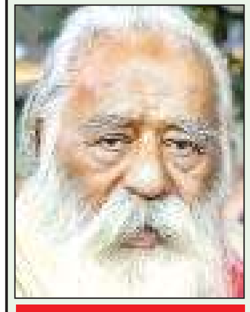

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ चतुर्दशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

अन्य न कोई माता है, न पिता। जब तक यह क्रम रहेगा, तब तक चराचर जगत् में निमित्त रूप से कोई-न-कोई माता-पिता बनते रहेंगे; किन्तु वस्तुतः प्रकृति ही माता है, मैं ही पिता हूँ।

अर्जुन ने तीन प्रश्न किये- गुणातीत पुरुष के क्या लक्षण हैं? क्या आचरण हैं? और किस उपाय से मनुष्य इन तीनों गुणों से अतीत होता है? इस पर योगेश्वर श्रीकृष्ण ने गुणातीत पुरुष के लक्षण और आचरण बताये और अन्त में गुणातीत होने का उपाय बताया कि जो पुरुष अव्यभिचारिणी भक्ति और योग के द्वारा निरन्तर मुझे भजता है, वह तीनों गुणों से अतीत हो जाता है। अन्य किसी का चिन्तन न करते हुए निरन्तर इष्ट का चिन्तन करना अव्यभिचारिणी भक्ति है। जो संसार के संयोग-वियोग से सर्वथा रहित है, उसी का नाम योग है। उसको कार्यरूप देने की प्रणाली का नाम कर्म है। यज्ञ जिससे सम्पन्न होता है, वह हरकत कर्म है। अव्यभिचारिणी भक्ति द्वारा उस नियत कर्म के आचरण से ही पुरुष तीनों गुणों से अतीत होता है और अतीत होकर ब्रह्म के साथ एकीभाव के लिये, पूर्ण कल्प को प्राप्त होने के लिये योग्य होता है। गुण जिस मन पर प्रभाव डालते हैं, उसके विलय होते ही ब्रह्म के साथ एकीभाव हो जाता है, यही वास्तविक कल्प है। अतः बिना भजन किये कोई गुणों से अतीत नहीं होता।

अन्त में योगेश्वर श्रीकृष्ण निर्णय देते हैं- वह गुणातीत पुरुष जिस ब्रह्म के साथ एकीभाव में स्थित होता है उस ब्रह्म का, अमृत-तत्त्व का, शाश्वत-घर्म का और अखण्ड एकरस आनन्द का मैं ही आश्रय हूँ अर्थात् प्रधान कर्त्ता हूँ। अब तो श्रीकृष्ण चले गये, अब वह आश्रय तो चला गया, तब तो बड़े संशय की बात है। वह आश्रय अब कहाँ मिलेगा? लेकिन नहीं, श्रीकृष्ण ने अपना परिचय दिया है कि वे एक योगी थे, स्वरूपस्थ महापुरुष थे। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

मन मलीन खल तीर्थ ये, यदि सौ बार नहाहिं ।
होयं शुध्द नहिं जिमि सुरा, बासन दीनेहु दाहिं ।

कहते हैं, जिसके मन में पाप का वास हो गया है वह बाहर से कितनी भी कोशिश कर ले खुद को साफ दिखाने का उसका मन वैसा ही रहता है। जैसे बर्तन में रखी शराब आग में झुलसने के बाद भी पवित्र नहीं होता है।

♦♦♦

घरेलू एकांत का मुद्रीकरण, लाभ किसका, हानि किसकी?

आज का युग विचित्र विरोधाभासों से भरा हुआ है। हमारे पास संसार भर से बात करने के अनगिनत साधन हैं, परंतु पास बैठे व्यक्ति को सुनने के लिए समय नहीं है। हम हजारों कोस दूर बैठे अनजान व्यक्ति से पल भर में जुड़ सकते हैं, किंतु

- के. विश्वदेव राव

बगल में बैठे सहयात्री या अपने ही घर के सदस्य की उपस्थिति से अनजान बने रहते हैं। तकनीक ने संसार की दूरियां तो मिटा दी हैं, परंतु हमारे बीच की आत्मीय दूरी इतनी बढ़ा दी है कि समाज की परंपरागत संरचना ही डगमगाती दिखाई पड़ रही है। कुछ क्षणों के छोटे वीडियो की चमक-दमक में हमारा वास्तविक जीवन, हमारी शालीनता और हमारे सबसे प्रिय संबंध धीरे-धीरे धुंधले पड़ते जा रहे हैं। इस स्थिति को घरेलू एकांत के मुद्रीकरण के नाम से समझा जाना चाहिए। आज तक किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया कि सामाजिक माध्यमों ने मनुष्य के एकांत को एक बिकाऊ वस्तु बना दिया है। सदियों से मनुष्य का घर उसका सुरक्षित दुर्ग रहा है, जहां वह पूर्णतः सहज और बनावट से परे रहता था। छोटे वीडियो बनाने की होड़ ने हमारे शयनकक्षों और रसोईघरों को सार्वजनिक रंगमंच में बदल दिया है। हम अनजाने में अपनी सबसे निजी भावनाओं, आंसुओं और पारिवारिक कलह को देखने वालों की संख्या के लिए बेच रहे हैं। मानव इतिहास में यह पहला अवसर है जब मनुष्य स्वेच्छा से अपने एकांत को वस्तु का रूप दे रहा है। विडंबना देखिए- जो क्षण कभी हमारे निजी जीवन का सबसे अनमोल भाग हुआ करते थे, जैसे परिवार संग भोजन करना, किसी पर्व की प्रसन्नता, या किसी दुख में अपनों को ढाढ़स बंधाना, आज वे सभी क्षण दिखावे की सामग्री में परिवर्तित हो चुके हैं। रिश्तों की ऊष्मा अब कैमरे के लेंस से नापी जा रही है। इस डिजिटल सन्नाटे के बीच अतीत का वह दौर याद आता है, जब संवाद का माध्यम कोई आभासी पटल नहीं, बल्कि आतुरता, उत्सुकता और गहरी व्याकुलता से भरा एक अदना सा 'पोस्टकार्ड' हुआ करता था। उस सीधे, सरल और सादे युग में पत्र की प्रतीक्षा में एक आत्मीय ऊष्मा होती थी। उस साधारण आयताकार गत्ते के टुकड़े यानी 'पाती में ही समूची बाती' समाई होती थी, चाहे वह भली हो या बुरी। जनसाधारण की अभिव्यक्ति का यह

साधन, आज इंटरनेट, व्हाट्सऐप, ट्विटर और अन्य माध्यमों की चकाचौंध में इतिहास के पन्नों और संग्रहालयों में सिमट कर रह गया है। सोचने वाली बात यह है कि उस दौर में संवाद का मुद्रीकरण नहीं हुआ था, बल्कि उसमें एक अनूठा विश्वास था। व्यावसायिक दृष्टि से देखें तो 50 पैसे में बिकने वाले इस पोस्टकार्ड की निर्माण लागत भले ही ?6 आती हो, लेकिन यह सरकारों के लिए घाटे का सौदा होने के बावजूद समाज को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम था। आज कहां वह सादा पोस्टकार्ड और कहां यह आभासी दुनिया, जो मुफ़्त होने का नाटक तो करती है, लेकिन पर्दे के पीछे हमारे एकांत और भावनाओं का सौदा कर रही है। मनोवैज्ञानिक इसे एक खतरनाक चक्र मानते हैं, जहां क्षणिक मिलने वाला सुखद रासायनिक स्राव मनुष्य के मनोभाव को तय करता है। जब हमारा मानसिक सुकून इस बात पर निर्भर हो जाए कि संसार हमारे विषय में क्या सोचता है, तो हम अपनी मौलिकता खो बैठते हैं। इस अंधी दौड़ का सबसे पीड़ादायक प्रभाव हमारी संतानों पर पड़ रहा है। जिस आयु में बच्चों के हाथों में मिट्टी, खिलौने और पुस्तकें होनी चाहिए थीं, उस आयु में वे पटल के अभ्यस्त हो चुके हैं। बच्चे अब केवल दर्शक भर नहीं रहे, बल्कि वे स्वयं इसके प्रस्तुतकर्ता भी बनते जा रहे हैं। हिंदी भाषी क्षेत्रों के गांवों, कस्बों और नगरों की एक जीवंत परंपरा रही है 'चाय की टपरी पर होने वाली बैठकें'। जहां संध्या होते ही राजनीति से लेकर समाजशास्त्र तक और घर-गृहस्थी से लेकर खेती-किसानी तक पर गरमा-गरम वाद-विवाद हुआ करते थे। ये टपरियां केवल चाय पीने का स्थान नहीं थीं, बल्कि ये हमारे समाज के परस्पर जुड़ाव और तार्किक विचार-विमर्श के सबसे बड़े केंद्र थीं। आज इन टपरियों का दृश्य बदल चुका है। वहां अब एक विचित्र सा सन्नाटा पसरा रहता है। चार लोग बैठते अवश्य हैं, परंतु चारों के सिर झुके होते हैं और आंखें अपने-अपने चलदूरभाष (मोबाइल) के पटल पर टिकी होती हैं। तकनीक ने हमसे आमने-सामने बैठकर एक-दूसरे की आंखों में देखकर बात करने की कला छीन ली है। परंपरागत संवाद का स्थान अब भाव-चिन्हों ने ले लिया है। मुस्कान अब चेहरे पर नहीं, केवल कीबोर्ड के मुस्कुराते भाव-चिन्ह में शेष रह गई है। इस संवाद-हीनता का लाभ उठाया है त्वरित संदेश भेजने वाले मंचों ने। इन मंचों ने सूचनाओं के आदान-प्रदान को तो तीव्र किया, परंतु साथ ही यह अफवाहों, झूठी खबरों और द्वेष फैलाने का सबसे बड़ा अस्त्र बन चुके हैं।

बिना किसी प्रमाणिकता के, केवल एक अग्रेषण-बटन दबाकर फैलाई जाने वाली झूठी खबरें आज समाज के ताने-बाने और परस्पर भाईचारे को छिन्न-भिन्न कर रही हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इन बंद समूहों में फैलने वाली अफवाहें मनुष्य की तार्किक बुद्धि को कुंद कर देती हैं। लोग बिना सोचे-समझे, बिना तथ्यों की जांच किए किसी भी बात पर विश्वास कर लेते हैं, जिससे सामाजिक विद्वेष और भीड़ द्वारा हिंसा जैसी घटनाएं जन्म लेती हैं। समाधान की ओर एक कदम, हम तकनीक के विरोधी नहीं हो सकते, न ही इतिहास का पहिया पीछे घुमाया जा सकता है। समय आ गया है कि हम अपनी व्यस्त जीवनशैली में से कुछ समय यंत्रों से विराम लेने हेतु निकालें। यंत्र दूर रखकर अपने बच्चों के संग खेलें, चाय की टपरी पर अनजान लोगों से बात करें, और किसी भी अग्रेषित संदेश पर विश्वास करने से पहले अपनी तार्किक बुद्धि का प्रयोग करें। स्मरण रहे, पटल पर दिखने वाला पंद्रह पल का संसार मात्र एक छलावा है; वास्तविक जीवन उन लोगों के बीच है जो हमारे आसपास सांस ले रहे हैं।

प्रेरक प्रसंग

दूरदृष्टि

बहुत दिनों की बात है हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी गांव में एक बूढा रहता था, जो महामूर्ख के नाम से चर्चित था। उसके घर के सामने दो बड़े पहाड़ थे, जिससे आने जाने में असुविधा होती थी। पहाड़ के दूसरी ओर पहुंचने में कई दिन लग जाते थे।

एक दिन उसने अपने दोनो बेटों को बुलाया और उनके हाथों में फावड़ा थमाकर दृढ़ता से दोनो पहाड़ों को काट कर उनके बीच रास्ता बनाना शुरू करवा दिया। यह देखकर कसबे के लोगों ने मजाक उड़ाना शुरू कर दिया- तुम सचमुच महामूर्ख हो। इतने बड़े बड़े पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाना तुम बाप बेटों के बस से बाहर है। बूढ़े ने उत्तर दिया- मेरी मृत्यु के बाद मेरे बेटे यह कार्य जारी रखेंगे। बेटों के बाद पोते और पोतों के बाद परपोते। इस तरह पीढ़ी दर पीढी पहाड़ काटने का सिलसिला जारी रहेगा। हालांकि पहाड़ बड़े हैं लेकिन हमारे हौसलों और मनोबल से अधिक बड़े तो नहीं हो सकते। हम निरन्तर खोदते हुए एक न एक दिन रास्ता बना ही लेंगे। आने वाली पीढ़ियां आराम से उस रास्ते से पहाड़ के उस पार जा सकेंगी।

उस बूढ़े की बात सुनकर लोग दंग रह गए कि जिसे वे महामूर्ख समझते थे उसने सफलता के मूलमन्त्र का रहस्य समझा दिया। गांव वाले भी उत्साहित होकर पहाड़ काट कर रास्ता बनाने के उसके काम में जुट गए। कहना न होगा कि कुछ महीनों के परिश्रम के बाद वहां एक सुंदर सड़क बन गई और दूसरे शहर तक जाने का मार्ग सुगम हो गया। इसके लिये बूढ़े को भी दूसरी पीढ़ी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी।

दृढ़ संकल्प, लगन, और कड़ी मेहनत के साथ-साथ सकारात्मक सोच रहे तो सफलता जल्दी ही प्राप्त हो जाती है।

आपका पत्र मिला

सत्र में हंगामे की बजाय सार्थक बहस हो

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा और जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। मानसून सत्र में विपक्ष का सरकार से तीखे सवाल पूछना उसका लोकतांत्रिक अधिकार ही नहीं, बल्कि दायित्व भी है। नीट-यूजी की अनियमितताएं, ई-20 ईंधन को लेकर भ्रम, प्रशासनिक लापरवाही या अन्य चर्चित घटनाओं पर सरकार से जवाब मांगना स्वाभाविक है। इससे शासन व्यवस्था अधिक जवाबदेह बनती है।हालांकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि विपक्ष विरोध और हंगामे के बीच की सीमा को समझे।

यदि सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती है, तो महत्वपूर्ण विधेयकों, नीतियों और जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पाती। इससे सबसे अधिक नुकसान जनता का होता है, जिसने अपने प्रतिनिधियों को संवाद और समाधान के लिए संसद भेजा है।सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष के प्रश्नों का तथ्यों और पारदर्शिता के साथ उत्तर दे तथा संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा से बचने के बजाय उसका सामना करे। वहीं विपक्ष को भी केवल राजनीतिक लाभ के लिए सदन का समय नष्ट करने से बचना चाहिए।लोकतंत्र की मजबूती सत्ता और विपक्ष, दोनों की परिपक्वता पर निर्भर करती है। संसद में तीखी बहस हो, सरकार से जवाबदेही तय हो और जनता के हित सर्वोपरि रहें, यही स्वस्थ संसदीय परंपरा की पहचान है। हंगामे की जगह तर्कपूर्ण चर्चा और रचनात्मक विपक्ष ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकता है।

अमृतलाल मारू 'रवि'
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

मानसून में जंगल सफारी पर जाना कितना सही?

मानसून का मौसम अपने साथ हरियाली, ठंडी हवाएं और प्रकृति का मनमोहक नजारा लेकर आता है। ऐसे में कई लोग शहर की भागदौड़ से दूर जंगल सफारी का आनंद लेने का प्लान बनाते हैं। बारिश के दौरान जंगल पहले से कहीं ज्यादा खूबसूरत नजर आते हैं, नदियां और झरने जीवंत हो जाते हैं और वन्यजीवों की गतिविधियां भी बदल जाती हैं। कई राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व मानसून के दौरान सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के कारण आंशिक या पूरी तरह बंद रहते हैं। वहीं, फिसलन भरे रास्ते, तेज बारिश और मौसम में अचानक बदलाव भी यात्रा को प्रभावित कर सकते हैं। अगर आप भी मानसून में जंगल सफारी का प्लान बना रहे हैं, तो पहले यह जान लें कि कौन-से पार्क खुले हैं, किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और इस मौसम में सफर को सुरक्षित व यादगार कैसे बनाया जा सकता है।

मानसून में जंगल सफारी पर जाना कितना सही है?

पहले जानें पार्क खुला है या नहीं- मानसून के मौसम में भारत के कई राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व सुरक्षा कारणों और वन्यजीवों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए कुछ महीनों के लिए बंद कर दिए जाते हैं। आमतौर पर अधिकांश पार्क 15 जून से 30 सितंबर या अक्टूबर के मध्य तक पर्यटकों के लिए बंद रहते हैं, हालांकि यह अवधि हर राज्य और पार्क के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। इसलिए यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित पार्क की आधिकारिक वेबसाइट या वन विभाग से जानकारी जरूर लें। इससे आपकी ट्रिप रद्द होने या अनावश्यक परेशानी से बच सकती है।

बारिश के मौसम में बढ़ जाती हैं चुनौतियां- मानसून में लगातार बारिश के कारण जंगल के रास्ते फिसलन भरे और कीचड़युक्त हो जाते हैं। कई जगह नदियां और नाले उफान पर होने की वजह से सफारी रूट अस्थायी रूप से बंद कर दिए जाते हैं। तेज बारिश के कारण दृश्यता भी कम हो जाती है, जिससे वन्यजीवों को देखना मुश्किल हो सकता है। ऐसे मौसम में यात्रा के दौरान रेनकोट, वाटरप्रूफ जूते और जरूरी सामान साथ रखना बेहद जरूरी है। मौसम का पूर्वानुमान देखकर ही सफर शुरू करें।

वन्यजीवों का व्यवहार बदल जाता है- बारिश के मौसम में जंगल में पानी और भोजन की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण जंगली जानवर बड़े क्षेत्र में फैल जाते हैं। वे अक्सर घने जंगलों या ऊंचे इलाकों में चले जाते हैं, जिससे उनकी साइटिंग की संभावना कम हो जाती है। खासकर बाघ, तेंदुआ और अन्य बड़े वन्यजीव खुले क्षेत्रों में कम दिखाई देते हैं। हालांकि, इस मौसम में कई तरह के पक्षी, तितलियां, उभयचर जीव और सरीसृप अधिक सक्रिय नजर आते हैं, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए खास अनुभव बन सकता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहतरीन समय -यदि आपका उद्देश्य सिर्फ टाइगर देखना नहीं, बल्कि प्रकृति के सबसे खूबसूरत रूप का आनंद लेना है, तो मानसून जंगल घूमने का शानदार समय है। बारिश के बाद जंगल हरियाली से भर जाते हैं, झरने पूरे वेग से बहने लगते हैं और वातावरण बेहद ताजा व शांत महसूस होता है। इस मौसम में फोटोग्राफी, बर्ड वॉचिंग और प्रकृति का करीब से अनुभव करने का अलग ही आनंद मिलता है।

बारिश में क्या पहनें लड़के, सबसे स्मार्ट और आरामदायक आउटफिट्स

मानसून का मौसम गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन फैशन के मामले में कई चुनौतियां भी लेकर आता है। अचानक बारिश, उमस और कीचड़ के बीच स्टाइलिश दिखना और पूरे दिन आरामदायक महसूस करना आसान नहीं होता। ऐसे में लड़कों के लिए सही फैब्रिक, सही रंग और सही फुटवियर का चुनाव बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं, कॉलेज स्टूडेंट हैं या दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो मानसून के हिसाब से अपनी वॉर्डरोब तैयार करना समझदारी है। बारिश के मौसम में भारी और देर से सूखने वाले कपड़ों की जगह हल्के, जल्दी सूखने वाले और सांस लेने योग्य फैब्रिक बेहतर विकल्प साबित होते हैं। इसके साथ ही ऐसे रंग और एक्सेसरीज चुनना भी जरूरी है जो न सिर्फ आपके लुक को आकर्षक बनाएं बल्कि बारिश के दौरान आपको परेशानी से भी बचाएं। सही स्टाइलिंग के साथ आप बिना किसी असुविधा के पूरे सीजन फैशनेबल नजर आ सकते हैं। इस लेख में जानिए मानसून में लड़कों के लिए ऐसे फैशन टिप्स, जिनकी मदद से आपको मिलेगा कंफर्ट, स्मार्ट लुक और मौसम के अनुसार परफेक्ट स्टाइल। **मानसून में फैशन चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान-** बारिश के मौसम में कपड़ों का चुनाव केवल ट्रेंड देखकर नहीं, बल्कि मौसम को ध्यान में रखकर करना चाहिए। हल्के, जल्दी सूखने वाले और आरामदायक कपड़े इस सीजन के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। **कॉटन ब्लेंड और ड्राई-फिट टी-शर्ट पहनें-** 100 फीसदी मोटे कॉटन की बजाय कॉटन-ब्लेंड या ड्राई-फिट टी-शर्ट बेहतर विकल्प हो सकती हैं। ये अपेक्षाकृत जल्दी सूखती हैं, पसीना कम महसूस होने देती हैं और लंबे समय तक आराम देती हैं। **बेहतर रंग-** ऑलिव ग्रीन, नेवी ब्लू, चारकोल ग्रे, ब्लैक, मस्टर्ड, हल्की शर्ट्स अपनाएं। लिनेन-ब्लेंड या हल्के फैब्रिक की फुल या हाफ स्लीव शर्ट्स मानसून के लिए अच्छा विकल्प हैं। इन्हें जींस या चिनो के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है। **शॉर्ट्स और चिनो पैंट चुनें-** भारी डेनिम लंबे समय तक गीला रह सकता है। ऐसे में चिनो, टेपर फिट ट्राउजर या नी-लेंथ शॉर्ट्स ज्यादा आरामदायक साबित हो सकते हैं। **सही फुटवियर पहनें-** बारिश में कैनवास या चमड़े के जूते जल्दी खराब हो सकते हैं। इसके लिए कई बेहतर विकल्प हैं, जैसे- वाटर-रेसिस्टेंट स्नीकर्स, रबर सोल सैंडल, क्विक-ड्राई फ्लोटस, लेयरिंग रखें सिंपल, हल्की जैकेट या विंडचीटर साथ रखें ताकि अचानक बारिश होने पर आसानी से इस्तेमाल किया जा सके।

खट्टा-मीठा आम का अचार

गर्मी के मौसम में आम का अचार भारतीय रसोई की सबसे खास और पसंदीदा चीजों में से एक होता है। खासकर खट्टा-मीठा आम का अचार अपने अनोखे स्वाद के लिए हर किसी को आकर्षित करता है। ये अचार न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता है।

पुराने समय से ही घरों में इसे धूप में सुखाकर और पारंपरिक मसालों के साथ तैयार किया जाता रहा है। इसकी खासियत यह है कि इसमें खट्टे आम की ताजगी और मीठे स्वाद का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है। ये अचार पराठे, रोटी और दाल-चावल के साथ बेहद स्वादिष्ट लगता है।

आज हम आपको खट्टा-मीठा आम का अचार बनाने की सबसे आसान विधि बताएंगे, जिसे आप घर पर आसानी से कम समय में तैयार कर सकते हैं और लंबे समय तक इसका आनंद ले सकते हैं।

खट्टा-मीठा आम का अचार बनाने का सामान

कच्चे आम -	1 किलो
चीनी -	500 ग्राम
नमक -	2 बड़े चम्मच
हल्दी -	1 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर -	1 बड़ा चम्मच
सौंफ -	1 बड़ा चम्मच
मेथी दाना -	1 छोटा चम्मच
सरसों का तेल -	200 ml

बनाने की विधि- सबसे पहले कच्चे आम को अच्छी तरह धोकर कद्दूकस कर लें और उन्हें हल्का नमक डालकर 2-3 घंटे के लिए रख दें, ताकि आम का अतिरिक्त पानी निकल जाए और आचार गाढ़ा बने। इसके बाद एक कढ़ाई में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें मेथी दाना और सौंफ डालकर हल्का भून लें, जिससे मसालों की खुशबू निकल आए। अब इसमें कटे हुए आम डालकर धीमी आंच पर हल्का पकाएं ताकि आम थोड़ा नरम हो जाए। इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं और फिर धीरे-धीरे चीनी डालें। आंच को कम रखते हुए आम और मसालों को पकाएं जब तक कि चीनी पूरी तरह घुल न जाए और मिश्रण गाढ़ा सिरप जैसा न बन जाए। मिश्रण गाढ़ा होने और आम नरम होने के बाद गैस बंद कर दें और इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसे साफ और सूखे कांच के जार में भरकर रखें। कुछ दिनों के बाद अचार का स्वाद और भी बेहतर और मसालेदार हो जाता है, जिससे यह पराठे, चावल या रोटी के साथ बेहद स्वादिष्ट लगता है।

सिर्फ इन आदतों से चेहरे पर आ सकता है निखार

मौसम के हिसाब से स्किन केयर में बदलाव बहुत जरूरी है। चाहे गर्मी हो, मानसून हो या सर्दी, बदलते मौसम के बीच आपको स्किन को चमकदार बनाए रखने के लिए कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। इन दिनों जहां एक तरफ गर्मी परेशान कर रही है, वहीं धीरे-धीरे मानसून भी दस्तक देने लगा है। गर्मी, उमस, प्रदूषण और कई बार तेजी एसी की वजह से भी स्किन पर बुरा असर होने लगता है। ऐसे में कुछ खास बातों से आप अपने चेहरे को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं। बिना महंगे मेकअप और पार्लर ट्रीटमेंट के किन आदतों से आप ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं, चलिए इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं। **ऐसे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का करें इस्तेमाल-** चेहरे को चमकदार बनाए रखने के लिए सही स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। गलत स्किनकेयर प्रोडक्ट्स से पसीना, गंदगी और ज्यादा सीबम स्किन पर जमा हो सकते हैं, जिससे आपके रोमछिद्र (पोर्स) बंद हो सकते हैं। हल्के, वॉटर-बेस्ड या जेल-टेक्सचर वाले मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे चिपचिपाहट नहीं होती है और चेहरे को पोषण मिलता है।

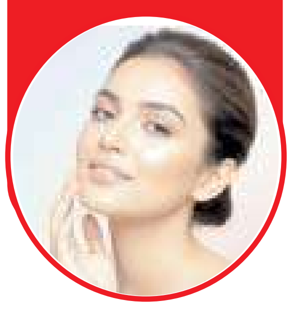

रॉयल बंगाली लुक के लिए बेस्ट हैं शांतिपुरी साड़ी

फैशन के इस बदलते दौर में चाहें, कितने भी बदलाव आ जाए, लेकिन साड़ी की जगह कोई नहीं ले सकता है। जींस टॉप और अलग-अलग वैरायटी के सूट्स आपको कंफर्ट लुक तो देंगे, लेकिन जब बात फेस्टिवल्स या वेडिंग सेरेमनी और फंक्शन की हो, तो लड़ीजें साड़ी पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। साड़ियों का शौक रखने वाली हर महिला कुछ ऐसी तलाश में होती हैं, जो उन्हें भीड़ से अलग और ग्रेसफुल लुक दे। अगर आप भी परफेक्ट और एलिगेंट बंगाली लुक क्रिएट करने की सोच रही हैं, तो कुछ शांतिपुरी साड़ियों को ट्राई कर सकती हैं।

टीयर ड्राप प्रिंट शांतिपुरी साड़ी- अगर आपको भी बंगाली लुक बहुत पसंद है और आप किसी खास मौके पर बंगाली साड़ी पहनना चाहती हैं, तो आपके लिए इस तरह की टीयर ड्राप प्रिंट शांतिपुरी साड़ी भी बेस्ट रहेगी। यह बनारसी और कांजीवरम साड़ियों से थोड़ी डिफरेंट है, जो खासकर गर्मी में होने वाले फंक्शंस में पहनने के लिए ब्लेसिंग है।

फ्लोरल जाल पैटर्न शांतिपुरी साड़ी- अगर आपको हैंडलूम से बहुत प्यार है, लेकिन आप हैवी सिल्क साड़ियां नहीं संभाल पाती हैं, तो अब आप एक बार इस तरह की फ्लोरल जाल पैटर्न शांतिपुरी साड़ी को जरूर ट्राई कर सकती हैं। पश्चिम बंगाल की यह फेमस साड़ी बंगाल के बुनकरों की 500 साल पुरानी विरासत मानी जाती है, जिसे आजकल अधिकतर महिलाएं पहनना पसंद कर रही हैं।

हैंडलूम प्रिंट जरी बॉर्डर शांतिपुरी साड़ी- अगर आपका मन बंगाल की फेमस साड़ी पहनने का कर रहा है या आप बंगाली लुक पाना चाहती हैं, तो हैंडलूम प्रिंट जरी बॉर्डर शांतिपुरी साड़ी को ट्राई कर अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप फुल स्लीव्स वाला कंट्रास्ट ब्रोकोड या वेलवेट ब्लाउज पेयर कर सकती हैं। इससे आपका लुक और शानदार बन सकता है।

फ्लोरल सीक्वेंस एम्ब्रोइडरी शांतिपुरी साड़ी- एक जैसी साड़ी पहनकर कुछ महिलाएं बोर होने लगते हैं। वे कुछ डिफरेंट और नया ट्राई करने का सोचती हैं। अगर आपके पास भी कांजीवरम, सिल्क, कॉटन और बनारसी साड़ी का बहुत कलेक्शन है और आप कुछ डिफरेंट खरीदने का मन बना रही हैं, तो आपके लिए फ्लोरल सीक्वेंस एम्ब्रोइडरी शांतिपुरी साड़ी परफेक्ट है, जो आपको एक बेहतर बंगाली लुक देगी।

बारिश के मौसम में जरूर ट्राई करें ये लाजवाब वेज डिशेज

जैसे ही बाहर बारिश की फुहारें पड़ती हैं, बच्चों से लेकर बड़ों तक का मन गरमागरम और चटपटा खाना खाने का करने लगता है। ऐसे में अगर आप भी रोज-रोज एक जैसी चीजें बनाकर बोर हो चुके हैं और इस मानसून परिवार के लिए कुछ नया और स्वादिष्ट ट्राई करना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपको ऐसे आसान और पूरी तरह वेज पकवानों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप नाश्ते, शाम की चाय या वीकेंड स्पेशल के तौर पर घर पर आसानी से बना सकते हैं। इन रेसिपीज का स्वाद बच्चों और बड़ों, दोनों को पसंद आएगा और बारिश का मजा भी दोगुना हो जाएगा। आइए जानते हैं मानसून के लिए बेहतरीन वेज पकवानों की लिस्ट। **प्याज के पकोड़े** -बारिश के मौसम में गरमागरम प्याज के पकोड़े और चाय का स्वाद हर किसी को पसंद आता है। **आलू के पकोड़े** -कुरकुरे आलू के पकोड़े हरी चटनी या टमाटर सॉस के साथ बेहतरीन लगते हैं। **मिक्स वेज पकोड़े** – कई तरह की सब्जियों से तैयार ये पकोड़े स्वाद और पोषण दोनों का अच्छा मेल हैं। **पनीर पकोड़ा** – बाहर से कुरकुरा और अंदर से मुलायम पनीर पकोड़ा मानसून के लिए शानदार स्नैक है। **पालक पकोड़ा** – पालक के पकोड़े हल्के, कुरकुरे और बारिश के मौसम में काफी पसंद किए जाते हैं। **ब्रेड रोल** – मसालेदार आलू की स्टफिंग से बने ब्रेड रोल बच्चों और बड़ों दोनों की पसंद होते हैं। **वेज कटलेट** – अलग-अलग सब्जियों से तैयार वेज कटलेट शाम की चाय के साथ बेहतरीन लगते हैं। **आलू टिक्की** – बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट आलू टिक्की चटनी के साथ और भी स्वादिष्ट लगती है। **समोसा** - मसालेदार आलू की स्टफिंग वाला समोसा हर मौसम का पसंदीदा स्नैक है, लेकिन बारिश में इसका मजा अलग होता है। **कचौरी** – गरमागरम कचौरी को आलू की सब्जी या चटनी के साथ परोसकर स्वाद बढ़ाया जा सकता है। **मसाला कॉर्न चाट** – मकई, मसालों और नींबू से बनी यह चाट हल्की और स्वादिष्ट होती है। **वेज मोमोज** – स्टीम किए हुए वेज मोमोज मसालेदार चटनी के साथ बेहद लाजवाब लगते हैं। **स्टीम डंपलिंग्स** – गर्मागर्म सूप के साथ परोसे गए स्टीम डंपलिंग्स मानसून में बेहतरीन विकल्प हैं। **वेज स्प्रिंग रोल** – कुरकुरे स्प्रिंग रोल को चिली सॉस के साथ परोसने पर इसका स्वाद दोगुना हो जाता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
सोमवार, 20 जुलाई 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके 1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ आषाढ़ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, सप्तमी तिथौ सोम वासरे 28/04/ हस्त नक्षत्रे 19/10/ शिव योग 18/38/ गर करणे 15/42/ कन्या राशिगत चन्द्रमा घं. मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार- भद्रा प्रारम्भ घं. 28 मि. 04 से।

मेष : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कॉलेज से जुड़े किसी काम की भागदौड़ रहेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में रुतबा बढेगा।

वृष : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज किसी को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे, जिनको आप अपने बिजनेस में इन्वेस्ट करके बिजनेस बढ़ाएंगे।

मिथुन : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आपको कम मेहनत के उपरांत भी अच्छा लाभ होगा। आपके निजी जीवन की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

कर्क : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई बड़ा टारगेट मिलेगा। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई करने के तरीके को चेंज करेंगे जिससे उनको बेहतर परिणाम मिलेंगे।

सिंह : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी बढ़िया कंपनी से जॉब का बड़ा ऑफर आयेगा। आपके गृहस्थ जीवन में खुशियां भरी रहेंगी।

कन्या : संबंधित अधिकारी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में किसी धार्मिक उत्सव के कारण प्रसन्नता रहेगी। नेत्र पीड़ा से पीड़ित होंगे।

तुला :आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। कार्यों को पूरा करने में आ रही अड़चनें आज समाप्त होंगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी।

वृश्चिक : राजकीय सम्मान लेने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहें। राज्य अधिकारी वर्ग से हानि होगी। यात्रा का योग है।

धनु : किसी सूचना से प्रसन्नता व भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक व्यय की पूर्ति के लिए स्हा लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी होंगे।

मकर : किसी मित्र के आगमन की सूचना से मन प्रसन्न होगा। व्यवसाय की स्थिति सामान्य रहेगी। भाग्य से धन बढ़ेगा।

कुंभ : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए।

मीन : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। वर्किंग पेरेंट्स आज अपने बच्चो के लिए समय निकालेंगे और बच्चों के साथ गेम खेलेंगे।

जालौन ललितपुर, झांसी

नाजायज पिस्टल सहित पकड़ा गया अभियुक्त

कोंच'(जालौन)। कोतवाली की उपनिरीक्षक सुमित पांडे उप निरीक्षक अभिषेक सिंह अपने हमराहियों कांस्टेबल अभिषेक सिंह व अनिल कुमार के साथ रात्रि गस्त तलाश वारंटी जांच प्रार्थना पत्र आदि गस्त पर मामूर थे और ग्राम पड़री पनयारा होते हुए कैथी की ओर जा रहे थे तभी कैथी मोड के पास बने यात्री प्रतीक्षालय के पास एक व्यक्ति गाड़ी की रोशनी में दिखाई दिया और पुलिस को देखकर तेज कदमों से कैथी की ओर भागने लगा जिसे पुलिस ने दौड़कर पकड़ लिया ।

खबर एक नज़र

कानून का राज स्थापित करना व नागरिकों की सुरक्षा मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता-एसपी

ललितपुर। कानून का राज स्थापित करना और नागरिकों की सुरक्षा मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है व पदभार ग्रहण करने के बाद रिजर्व पुलिस लाईन सभागार में आयोजित पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवांगतुक पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार वाजपेई ने पत्रकारों द्वारा पूछें गये एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जिले में किसी भी प्रकार से संगठित अपराध, अवैध व असंवैधानिक रूप से चलने वाली गतिविधियों व असामाजिक तत्वों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा व सार्वजनिक सुरक्षा एवं व्यवस्था को सुनिश्चित कर शांति एवं सौहार्द बनाये रखना हमारा मुख्य लक्ष्य है, उन्होंने कहा कि सुरक्षा और अपराध मुक्त समाज की स्थापना पुलिस और जनता के आपसी सहयोग के बिना संभव नहीं है, कानून व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ व पारदर्शी बनाने के लिये जनपदवासी निडरता के साथ पुलिस का सहयोग करें, जिससे जनपद में चल रही संदिग्ध गतिविधियों व अपराध को पूरी ताकत के साथ रोका जा सके व पत्रकारों द्वारा पूंछे गये एक प्रश्न के उत्तर में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पीड़ित व्यक्ति बिना किसी डर, संकोच के साथ बेझिझक होकर अपनी समस्यायें मेरे कार्यालय पर संबंधित पुलिस थानों में सांक्षा कर सकते हैं, इसके लिये हमारी पुलिस टीम पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और पूरी जवाबदेही के साथ पीड़ितों की मदद के लिये तत्पर है व आज अपनी पहली मुलाकात के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों द्वारा उठाये गये प्रश्नों को गम्भीरता से लेते हुये संतोषजनक उत्तर दिये व विस्तार से बातचीत कर जनपद को अपराध मुक्त बनाने में सहयोग की अपील की है।

पीडब्ल्यू ने नीट छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनायाकानपुर। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला ने नीट 2026 के अपने छात्रों के परिणाम साझा किए हैं, जिसमें कई छात्रों ने नीट की ऑल इंडिया रैंक में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। रविकांत दिवाकर एआईआर 55, शिवांश आनंद एआईआर 152, दिव्यांश जायसवाल एआईआर 173 और साक्षी कुमारी एआईआर 192 उन छात्रों में शामिल हैं, जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ये उपलब्धियां फिज़िक्सवाला के लर्निंग इकोसिस्टम के उन विकल्पों की सुविधा को दर्शाती हैं, जहां छात्र अपनी पसंद और सीखने के तरीके के अनुसार ऑनलाइन कोर्सेज या टेक-इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ सेंटर्स के माध्यम से तैयारी कर बेहतर परिणाम हासिल कर रहे हैं। कानपुर में छात्रों के बेहतरीन प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुधाकर पटेल एआईआर 1940, रविन्द्र कुमार एआईआर 1955 और तरन्नुम एआईआर 2725 सहित कई छात्रों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पीडब्ल्यू के संस्थापक और सीईओ अलख पांडे ने कहा नीट 2026 की तैयारी करने वाले हर छात्र को मेरी हार्दिक बधाई। आपने इस सफर में जो मेहनत, अनुशासन और समर्पण दिखाया

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना हेतु करें आवेदन

ललितपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना 0 से 18 के वर्ष के आयु तक के ऐसे सभी बच्चों जिनके माता तथा दोनों की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से महामारी के दौरान हो गई हो या जिनके माता या पिता में से एक की मृत्यु 1 मार्च 2020 से पूर्व हो गई थी तथा दूसरे की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से महामारी के दौरान हो गई हो या जिनके माता व पिता दोनो की मृत्यु 1 मार्च 2020 से पूर्व हो गई थी तथा उनके वैध संरक्षक की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से महामारी के दौरान हो। परिवार की आय 3 लाख प्रति वर्ष से अधिक न हो। कोविड-19 से मृत्यु के साक्ष्य के लिए एंटीजन या आरटीपीसीआर के पाजिटिव टैस्ट रिपोर्ट, ब्लड रिपोर्ट, या सिटी स्कैन में कोविड-19 का संक्रमण होना माना जा सकता है। कोविड-19 का मरीज कतिपय परिस्थितियों में टेस्ट में निगेटिव आने के बाद भी उसकी मृत्यु हो सकती है, यह मृत्यु भी कोविड-19 से ही माना जायेगा। उक्त योजनान्तर्गत रू0 4,000-प्रतिमाह की दर से छिमाही 24,000 निदेषालय षासन स्तर से प्रदान किये जाते है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य-अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अभिभावक को खो दिया है अथवा 18 से 23 वर्ष के ऐसे किषोर जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गयी हो एवं अभिभावक की भी मृत्यु 1 मार्च 2020 के पश्चात हो गयी हो, जिनके माता-पिता दोनों की मृत्यु 1 मार्च 2020 के पष्चात हो गयी हो, जिनके माता या पिता एक की मृत्यु हो गयी हो या माता तलाकषुदा स्त्री या कुटुम्ब द्वारा परित्यक्ता है, जिन्हें बाल भिक्षावृत्ति, बाल वैष्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवारध्पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया हो या भिक्षावृत्ति वैष्यावृत्ति में शामिल परिवारों के बच्चे, जिनके माता-पिता या परिवार का मुख्य कर्ता जेल में है, 0 से 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चे जिन्हें बाल गृहों संप्रेक्षण गृहों से परिवार में पहुंचाकर पुनर्वासित किया गया है या जो बाल देख-रेख संस्थाओं में रह रहे है और उन्हें वित्तीय सहायता देने से उन्हें पारिवारिक देख-रेख पश्चातवर्ती देख-रेख में पुनः समायोजित किया जा सकता है, परिवार की आय 3 लाख प्रति वर्ष से अधिक न हो व योजनान्तर्गत अधिकतम 2 बच्चों को 2,500 प्रतिमाह की दर से त्रैमासिक 7,500 निदेशालय शासन स्तर से प्रदान किये जाते है, अतः मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आधारबेस्ट पेमेन्ट की प्रक्रिया लागू की जा रही है व समस्त लाभार्थियो को सूचित किया जाता है कि वह अपने-अपने बालक-बालिकाओं के आधारकार्ड से संबंधित बैक में जाकर डीबीटी, एनपीसीआई कराना सुनिष्चित करे, डीबीटी एनपीसीआई के ना होने की स्थिति में लाभार्थी उक्त योजना से लाभान्वित नही हो पायेगे, समस्त लाभार्थी डीबीटी एनपीसीआई कराकर जिला प्रोबेषन कार्यालय में अति आवश्यक रूप से सूचित करने का कष्ट करें अन्यथा की स्थिति में लाभार्थी स्वंय जिम्मेदार होगा।

आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स को सम्मलित किये जाने की उठाई मांग

ललितपुर। कोषागार कार्यालय के पेंशन कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवा निवृत्त वाणिज्य कर अधिकारी जे.के.सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जे.के. सिंह अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि सरकार की मंशा सेवानिवृत्त पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में सम्मिलित किये जाने की प्रतीत नहीं हो रही है व पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में शामिल करना सुनिश्चित किया जाये अन्यथा कि स्थिति में प्रांतीय संगठन के निर्देश पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा व कोषागार कार्यालय में पेंशनर्स हेतु अलग से एक कक्ष उपलब्ध कराया जाये व पेंशनर्स एसोसिशन में नवीन सदस्य नौशाद अली के शामिल होने पर हार्दिक स्वागत किया गया। एसोसियशन के सदस्य स्वरूप चंद जैन की धर्म पत्नी श्रीमति ममता जैन एवं सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहायक, व्यवसायी अनिल श्रीवास्तव के निधन पर दो मिनिट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं को शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर बैठक का समापन किया गया। बैठक में जे.के. सिंह, अध्यक्ष तिलकराम कौशिक, महेंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष, ए आर रिछारिया, सचिव, डाक्टर आर सी जगरिया, हजारी लाल पाल, मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र कुमार जैन, एजाज नवी, अशोक कुमार मिश्रा, रामकिशोर द्विवेदी, रामसेवक सैनी, जुगल किशोर, मुन्ना लाल, अशोक कुमार पुरोहित, नौशाद अली माता प्रसाद, इत्यादि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एवं आभार ए.आर रिछारिया सचिव द्वारा किया गया।

संगम नगरी से आईटी व सिल्क सिटी का सफर आसान बनाएगी 'प्रयागराज-यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन'

ललितपुर। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है व यह ट्रेन न केवल यात्रियों के सफर को आरामदायक बनाएगी, बल्कि दो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहरों को आपस में जोड़ेगी, इस ट्रेन के संचालन से तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों के लिए दोनों शहरों के इन प्रमुख और प्रसिद्ध स्थलों की यात्रा करना बेहद सुगम हो जाएगा, गाड़ी गाड़ी संख्या 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर-प्रयागराज साप्ताहिक, प्रयागराज से प्रत्येक बुधवार 5 अगस्त से 23 सितम्बर 8 फेरे, यशवंतपुर से प्रत्येक शनिवार 8 अगस्त से 26 सितम्बर 8 फेरे, गाड़ी संरचना एस.एल.आर. डी-2, सामान्य-7, स्लीपर 11, एसी तृतीय-2, एसी द्वितीय-1 = 23 आईसीएफ कोच आदि विशेष गाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है।

'केन-बेतवा जुड़ने के बाद बुंदेलखंड में होंगी तीन-तीन फसलें- स्वतंत्र देव'

-घर-घर नल से जल पहुंचा रही सरकार, जल सरंक्षण कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाएं योजना का लाभ'

-जल अर्पण कार्यक्रम के जरिए जलशक्ति मंत्री ने ग्राम पंचायत को सौंपी जिम्मेदारी'

उरई : जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का स्वागत करते भाजपाई ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
उरई(जालौन)। प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य में जुटी राज्य सरकार अब परियोजनाओं को पूरा कर मिशन मोड में ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने जुट गई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के कदौरा विकास खंड के चमारी गांव में जल अर्पण कार्यक्रम कर ग्रामवासियों को नल से जल पहुंचाने वाली इस योजना की कमान सौंपी। जल अर्पण कार्यक्रम के मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि राज्य सरकार घरों तक नल से जल की सप्लाई के साथ-साथ परिवारों को फ्री में राशन, घर तक बिजली, पक्की सड़क, किसान सम्मान निधि और बच्चों को पोषण आहार की सुविधा मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नल से जल आप लोगों के घरों तक पहुंचा दिया है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप पानी का इस्तेमाल भी करें और संरक्षण भी करें। जिससे आने वाली पीढ़ियों को भी इसी तरह घर तक पानी की सप्लाई मिलती रहे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि केन-बेतवा को जोड़ने का काम किया जा रहा है। दोनों नदियों को जोड़ने के बाद बुंदेलखंड की सिंचाई व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। किसान तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने ग्रामवासियों को बताया कि किस तरह से सरकार ने बुंदेलखंड के हर घर में नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को साकार किया।

शिफ्ट हुए परिवारों को भी जल्द मिलेगा नल से जल

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि चमारी गांव में 10 घर ऐसे हैं, जिन्हें शिफ्ट किया गया है। उन घरों में भी जल्द ही पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए राज्य सरकार सरकारी भवनों में रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दे रही है। 35,000 से अधिक भवनों पर रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की गई है। खेत में तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने ग्रामवासियों से पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है।

कार्यक्रम के दौरान जालौन के जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरजंन, एमएलसी रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में जल जीवन मिशन के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का कालपी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

उरई : जल शक्ति मंत्री का स्वागत करते भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
कालपी(जालौन)। प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्वतंत्र देव सिंह का रविवार को कालपी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। लखनऊ से उरई जाते समय उनका काफिला हाईवे स्थित दुर्गा मंदिर चैराहे पर कुछ देर के लिए रुका, जहां पहले से मौजूद पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू का भी स्वागत किया गया।

स्वागत समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी के समर्थन में नारे लगाए और मंत्री का आत्मीय अभिनंदन किया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी, ऋतु सिंह, अमरीश अग्रवाल, कन्हैया गुप्ता, आशुतोष मिश्रा, संदीप शर्मा, मुन्ना चैधरी, राजन सिंह चैहान, श्रीकृष्ण गौतम, पृथ्वीराज सिंह, अरविंद राठौर और सौरभ शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, मंत्री प्रतिनिधि अरविंद चैहान, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी तथा संजीव उपाध्याय समेत अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और कुछ देर तक दुर्गा मंदिर चैराहा भाजपा समर्थकों की मौजूदगी से गुलजार रहा।

सूने मकान का ताला तोड़ लाखों के जेवर समेट ले गए चोर

-कानपुर व बरेली में थे दोनों भाई, बंद मकान को बनाया निशाना

कालपी (जालौन)। नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर में सूने पड़े मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपये के सोने के जेवरात समेट ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी विपिन कुमार पुत्र स्व. रामनारायण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रोजगार के सिलसिले में कानपुर में रहते हैं, जबकि उनका छोटा भाई सुरेंद्र कुमार बरेली में नौकरी करता है। उनकी पत्नी भी अपनी छोटी बहन के घर गई हुई थीं, जिससे मकान बंद पड़ा था। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और घर में रखे दोनों भाइयों के करीब पांच से छह लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर विपिन कुमार तत्काल घर पहुंचे और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा करने के लिए संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

केके वर्मा जालौन के अवर अभियंता बने

जालौन। जनपद मुख्यालय उरई में कालपी मार्ग स्थित 132/33/11 केवी बिजली घर पर नियुक्त अवर अभियन्ता गौरव कुमार के स्थानांतरण से खाली हुए पद पर जालौन में पदस्थ अवर अभियंता नवीन कुमार का स्थानांतरण कर दिया गया है और केके वर्मा को जालौन का अवर अभियंता बनाया गया।

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत वितरण मण्डल उरई द्वारा प्रशासनिक आवश्यकता के चलते एक अवर अभियंता का स्थानांतरण किया गया है।अधीक्षण अभियन्ता योगेन्द्र राठौर ने नवीन कुमार कन्जोलिया अवर अभियंता 33/11 केवी उपकेन्द्र जालौन एवं अतिरिक्त कार्यभार 33/11 केवी उपकेन्द्र उदोतपुरा से हटाकर विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम, उरई के अन्तर्गत 132/33/11 केवी उपकेन्द्र कालपी रोड, उरई में तैनात किया गया है। नवीन कुमार के स्थान पर उरई में कार्यरत अवर अभियन्ता केके वर्मा को जालौन का अवर अभियंता बनाया गया है।

एकीकृत विकास योजना से निर्मित होने बाले भवन का विधायक ने किया भूमि पूजन

कोंचे(जालौन)। तहसील क्षेत्र के ग्राम बरोदा कलां में एकीकृत विकास योजना के अंतर्गत 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक केंद्र भवन विवाह घर का दिन शनिवार को मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भूमि पूजन किया इस अवसर पर विधायक ने कहा कि सामुदायिक केंद्र भवन बन जाने के बाद ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के आयोजन करने के लिए परेशान होकर इधर उधर नहीं जाना पड़ेगा साथ ही धन की भी बचत हो सकेगी उन्होंने कहा कि बिजली पानी सड़क शौंचालय आवास जैसी मूलभूत सुविधाये मिलने के बाद सामुदायिक केंद्र भवन बनना निश्चित रूप से गांव के विकास में सहायक सिद्ध होगा इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं शिकायतें भी सुनी और उनसे विकास की धारा में साथ चलकर सहयोग किए जाने का आह्वान किया इससे पूर्व प्रधान अयोध्या प्रसाद सहित ग्रामीणों ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया कार्यक्रम में विभाग के सहायक अभियंता सौरभ पिपरैया अवर अभियन्ता नागेंद्र प्रताप सिंह अवर अभियंता अक्षय राज ठेकेदार हिमांशु गुप्ता सहित भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सोनू पटेल बोहरा धर्मेंद्र दुबे आलोक खरे विकास पटेल अबधेश पटेल पचीपुरी आदि मौजूद रहे।

प्रेमिका के परिजनों की प्रताड़ना से तंग आकर शिक्षक ने पिया हलाहल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
जालौन। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवक के प्रेम संबंध को लेकर युवती के परिजनों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से परेशान होकर शिक्षक ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्रबंधक समेत तीन लोगों पर धमकाने व आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सींगपुरा निवासी इंद्रपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र निर्भय सिंह गोहन थाना क्षेत्र के एक हायर सेकेंडरी स्कूल में 20 अप्रैल 2024 से शिक्षक के पद पर कार्यरत था। स्कूल में ही पढ़ाने के दौरान उसका स्कूल में पढ़ाने वाली प्रबंधक की बेटी से प्रेम संबंध हो गये। दोनों के बीच लगभग तीन वर्ष से प्रेम संबंध चल रहे थे। हाल ही में इसकी जानकारी स्कूल के प्रबंधक व उनके परिजनों को हो गई। जानकारी होने पर बीती 15 जुलाई को युवती के परिजन पिता मास्टर सिंह और भाई आशु सिंह उर्फ शैलेन्द्र सिंह ने स्कूल के प्रधानाचार्य अजीत सिंह के साथ मिलकर उसे बुलाया था।आरोप है कि तीनों ने निर्भय के साथ गाली-गलौज कर धमकाया। उसका और

उरई : मृतक के घर मे एकत्रित लोगों की भीड़ व परिजन ।

परिवार के सदस्यों का जीवन बर्बाद करने की धमकी देते हुए उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर 17 जुलाई को निर्भय ने कोंच रोड स्थित एक सको के पास कीटनाशक खा लिया। उसके सीएचसी पहुंचने पर इसकी जानकारी हुई। डॉक्टरों ने पहले उसे उरई फिर कानपुर में हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान 18 जुलाई को निर्भय की मौत हो गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धमकाने व आत्महत्या के लिए प्रेरित किये जाने का मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच और साक्ष्य एकत्रित कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायत टिकरी मुस्तकिल में आम रास्ता बना कीचड़ युक्त, ग्रामीणों को रास्ते से निकलना हो रहा दूभर'

-ग्राम निर्वतमान प्रधान ने पूरे पंचवर्षीय के कार्यकाल में आम रास्ते का नहीं करवा पाया सुधार'

कुठौंद(जालौन)। जनपद जालौन के विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत टिकरी मुस्तकिल गांव दस्यु सुंदरी कुसमा नाईन का पैतृक गांव हैं। यह गांव पूरे उत्तर प्रदेश में विख्यात है। फिर भी इस ग्राम पंचायत के निवर्तमान प्रधान इंदल सिंह निषाद द्वारा गांव के सर्वांगीण विकास को पूरे 5 साल के अंतराल में कोई विकास को गति नहीं दे पाए। ग्रामीणों का कहना है। जब 5 वर्ष में निर्वाचित हुए प्रधान ने अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पाया तो अब शासन व प्रशासन की ऐसी रणनीति तैयार की गई है जो की इन लोगों का 6 महीने का कार्यकाल बढ़ाकर इनको प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। पूरे 5 साल के कार्यकाल में ग्राम पंचायत की जनता पूर्णता इनसे संतुष्ट नहीं हो सकी तो अब ये 6 माह के कार्यकाल में प्रशासक बनकर ग्राम पंचायत क्या भला कर केंगे। ग्राम टिकरी मुस्तकिल से लोहई दिवारा की तरफ जाने वाली आम रास्ता जिसमें कई गांव के लोगों का आवागमन होता है।और महिलाएं तथा बच्चे इस रास्ते से कभी नहीं निकल पाते हैं। इसलिए समस्त ग्रामीणों की खंड विकास अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारी से मांग है कि इस आम रास्ता को सफाई कर्मी द्वारा यदि साफ ही करवा दिया जाए तो कीचड़ की मात्रा कुछ कम हो जाएगी। लेकिन सफाई कर्मी तो कभी ग्राम पंचायत में आता ही नहीं है। क्योंकि उसके ऊपर निवर्तमान प्रधान की पूर्णतः छत्र छाया रहती है। इसलिए पूरे 5 वर्ष के कार्यकाल में 5 माह नहीं आया होगा सफाई कर्मी इसी लापरवाही के चलते पूरे गांव में गंदगी फैली रहती है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में 161 मरीजों का हुआ उपचार

-गर्मी से बचाव और परिवार कल्याण योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

कालपी(जालौन)। रविवार को क्षेत्र के पांच सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने कुल 161 मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं वितरित कीं। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचने और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा, कालपी में आयोजित मेले में चिकित्साधिकारी डॉ. अमित पोरवाल के नेतृत्व में 54 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें 31 पुरुष एवं 23 महिला मरीज शामिल रहे। शिविर के दौरान सात लोगों की मधुमेह की जांच की गई, जबकि बुखार और त्वचा संबंधी छह-छह मरीजों का परीक्षण कर उपचार उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा में चिकित्साधिकारी डॉ. शेख शहरयार की देखरेख में 26 मरीजों का उपचार किया गया। यहां स्वास्थ्यकर्मी मनीष कुमार एवं कमलेश कुमार भी मौजूद रहे। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बावई में 39, चुरखी में 22 तथा नियामतपुर में 20 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिनेश गुप्ता ने कहा कि गर्मी के मौसम में लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है, इसलिए लोग धूप से बचें, स्वच्छ पेयजल का सेवन करें और किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।

अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेसियों ने फूंका विधानसभा अध्यक्ष का पुतला

. पुतला फूंकने को लेकर कांग्रेसियों से पुलिस से हुई नोकझोंक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के निर्देशानुसार कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा राम भक्त श्रद्धालुओं द्वारा दान स्वरूप दी गई धन राशि को लेकर अमर्यादित टिपण्णी किए जाने पर आक्रोशित कांग्रेसियों द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से नारे बाजी करता हुआ जैसे ही बाहर निकला शहर कोतवाल सहित भारी संख्या में पुलिस बल का सामना हुआए सतीश महाना के पुतले को पुलिस द्वारा छीनने का भरसक प्रयास किया गया लेकिन वह सफल न हो सकेए आक्रोशित कांग्रेसियों ने पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त कियाए पुतला दहन के समय कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित सहित अनेक पदाधिकारी एवम् कार्यकर्ता जलने से जख्मी हो गएए जिनका प्राथमिक उपचार डाक्टर बुलाकर कराया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि ष्करोड़ों राम भक्त श्रद्धालुओं द्वारा राम मंदिर में दान स्वरूप नगदी और सोने चांदी के जेवरात दिए गएए

करोड़ों रुपए का गमन करने वाली भाजपा सरकार के वरिष्ठ नेता एवं विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा यह कहना कि जिन राम भक्त श्रद्धालुओं द्वारा बेमन धन राशि दान स्वरूप दी गई है उन्हीं का धन चोरी हुआ है कांग्रेस जानना चाहती है कि क्या सतीश महाना त्रिकाल दर्शी है जो इस बात को जानते है कि किसने धन मन या श्रद्धा से दिया और किसने बेमन से आज तक की एस आई टी जांच में बड़े बड़े पदाधिकारियों के नाम के खुलासे हो रहे है लेकिन मौजूदा केन्द्र या राज्य सरकार इन पर कार्यवाही न कर बचाने का घोर पाप करने में लगी है जब तक ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही नहीं की जाती है तब तक कांग्रेस का आंदोलन सड़कों पर निकल कर जारी रहेगा साथ ही जनपद के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में पद यात्राएं कर जनमानस को चंदा चोरी के प्रति बतलाया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख कांग्रेसजनों में कार्यालय प्रभारी शिवबली सिंहए एआईसीसी सदस्य रमेश चन्द्र कोरीए पीसीसी सदस्य पवन देवी कोरीए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार सिंहए जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बल्देव वर्माए डॉ संजय द्विवेदी दनादनए सूरज बाजपेईए जिला कांग्रेस महामंत्री ध् मीडिया प्रभारी सत्यप्रकाश द्विवेदी एडवोकेटए शोएब रिजवीए अमित तिवारीए कालीचरण निगमए जिला सचिव अम्बिका प्रसाद खेंगरए हेमन्त कुमार वर्माए केशव पालए जिला कांग्रेस कंट्रोल रूम प्रभारी बी लाल भाईए बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदीए जिला प्रवक्ता राममिलन सिंह पटेल एडवोकेटए जिला कांग्रेस वक्ता राजेश कुमार गुप्ताए इरफान खान सभासदए कृपाशंकर सोनीए आरिफ निजामीए सत्यम सिंहए दिव्यांश वर्माए गोविन्द प्रसादए मण्डल अध्यक्ष शिवशरण सिंहए जितेन्द्र गुप्ताए लालबाबू राजपूतए के पी सेनए मोहम्मद इस्लामए छेदीलाल धुरियाए जयवन्त सिंह सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

नीट-यूजी में मऊ की बेटी दक्षिता ने हासिल की शानदार सफलता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, चित्रकूट। कस्बा मऊ के व्यापारी की पुत्री दक्षिता केशरवानी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में शानदार सफलता हासिल की है। उन्होंने 639 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 2382 हासिल की है। बेटी की इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

दक्षिता तीन बहनों और दो भाइयों में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा मऊ कस्बे में हासिल की, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय, मानिकपुर से पढ़ाई पूरी की। दक्षिता ने बताया कि बचपन से ही उन्होंने अपने बाबा मैकूलाल केशरवानी की इच्छा को साकार करने और डॉक्टर बनने का सपना संजोया था। उसी दिशा में लगातार मेहनत करते हुए यह मुकाम हासिल किया। उनकी माता गृहिणी हैं, जबकि बड़ी बहन अनुराधा अमेरिका में न्यूरोलॉजी में पीएचडी कर रही हैं। परिवार के शैक्षणिक माहौल और अपनी लगन के दम पर दक्षिता ने यह सफलता अर्जित की है। दक्षिता ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है। बताया जा रहा है कि दक्षिता की सफलता ने जवाहर नवोदय विद्यालय, मानिकपुर और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, चित्रकूट। कर्वी कोतवाली पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। कर्वी कोतवाली प्रभारी दुर्गविजय सिंह ने बताया कि एक महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दिलशाद उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। जिस पर पुलिस ने तत्काल बीएनएस की धारा 137 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पीड़िता के मेडिकल परीक्षण और न्यायालय के समक्ष धारा 183 बीएनएसएस के तहत दर्ज बयानों के आधार पर मुकदमे में धारा 64 बीएनएस और 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की गई। इसके बाद उपनिरीक्षक राजेश कुमार और आरक्षी दिलीप पाण्डेय की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी दिलशाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है।

अटल आवासीय विद्यालयए अछरौड़ में बच्चों के अस्वस्थ होने की सूचना पर आयुक्त ने लिया तत्काल संज्ञान

. मेडिकल टीम भेजकर उपचार एवं सतत निगरानी के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। सोशल मीडिया एवं विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से जनपद बाँदा स्थित अटल आवासीय विद्यालयए अछरौड़ में कुछ छात्र.छात्राओं के अस्वस्थ होने की सूचना प्राप्त होते ही आयुक्तए चित्रकूटधाम मण्डलए बाँदा अजीत कुमार ने प्रकरण का तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने बिना किसी विलम्ब के अटल आवासीय विद्यालय से संबंधित सहायक श्रमायुक्तए बाँदाए प्रधानाचार्यए अटल आवासीय विद्यालय एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारीए बाँदा के साथ बैठक कर पूरे प्रकरण की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधिकारीए बाँदा को तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सकों की मेडिकल टीम अटल आवासीय विद्यालय भेजकर सभी छात्र.छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण करानेए अस्वस्थ बच्चों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यार्थी के उपचार में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा विलम्ब नहीं होना चाहिए तथा सभी बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। बैठक में आयुक्त ने प्रधानाचार्यए अटल आवासीय विद्यालय को निर्देशित किया कि वर्तमान में वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय परिसरए छात्रावासए भोजनालयए रसोईघरए शौचालय एवं आसपास के सम्पूर्ण परिसर की प्रतिदिन साफ.सफाई सुनिश्चित की जाए। बच्चों को केवल ताजाए स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा उबला हुआ एवं शुद्ध पेयजल ही उपलब्ध कराया जाए। पेयजल स्त्रोतों एवं भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच कराई जाए तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि छात्र.छात्राओं के स्वास्थ्य का प्रतिदिन परीक्षण किया जाए तथा किसी भी विद्यार्थी में बुखारए उल्टीए दस्त अथवा अन्य संक्रामक रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया जाए। छात्रावास में आवश्यक औषधियों एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था हर समय उपलब्ध रहे तथा चिकित्सकीय सलाह के अनुरूप सभी आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाए जाएं।

आयुक्त महोदय ने कहा कि वर्षा ऋतु में जलजनित एवं संचारी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विद्यालय परिसर में जलभराव न होने दिया जाएए नियमित साफ.सफाईए मच्छरों की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाहीए फॉगिंग एवं एंटी.लार्वा छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही छात्र.छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छताए हाथ धोने की आदत एवं सुरक्षित पेयजल के उपयोग के प्रति भी निरंतर जागरूक किया जाए। बैठक में आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय की स्वास्थ्य व्यवस्था एवं बच्चों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। यदि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या अथवा अन्य प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होती हैए तो उसकी सूचना तत्काल दूरभाष के माध्यम से उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध कराई जाएए जिससे आवश्यक निर्णय एवं कार्यवाही समय पर सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्र.छात्राओं का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है तथा इस संबंध में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही सभी संबंधित अधिकारी समन्वय स्थापित करते हुए स्थिति पर निरंतर निगरानी बनाए रखें तथा बच्चों के उपचार एवं स्वास्थ्य सुरक्षा में किसी प्रकार की कमी न रहने दें।

रॉयल स्टैग सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बना

कानपुर। पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने घोषणा की है कि आईडब्ल्यूएसआर 2025 की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार रॉयल स्टैग वर्ष 2025 में दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बन गया है। वर्ष 2025 में इस ब्रांड की कुल 3.26 करोड़ केस की बिक्री दर्ज की गई। यह रॉयल स्टैग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। पर्नोड रिकार्ड इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीन टुबूल ने कहा आईडब्ल्यूएसआर 2025 की रैंकिंग के अनुसार रॉयल स्टैग का दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला व्हिस्की ब्रांड बनना पर्नोड रिकार्ड इंडिया के लिए गर्व की बात है, लेकिन इस उपलब्धि की सबसे बड़ी वजह पिछले तीन दशकों से हमारे उपभोक्ताओं का हम पर बना विश्वास है, जो ब्रांड समय के साथ उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझते हैं। अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हैं और लगातार करने की कोशिश करते हैं, वे केवल प्रासंगिक ही नहीं रहते, बल्कि दुनिया में अग्रणी भी बनते हैं। रॉयल स्टैग की यात्रा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इस उपलब्धि पर पर्नोड रिकार्ड इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर देबाश्री दासगुप्ता ने कहा लोकप्रिय और प्रतिष्ठित ब्रांड केवल बोर्डरूम में नहीं बनते, बल्कि वे लोगों की संस्कृति का हिस्सा बनते हैं और हर ग्राहक का भरोसा जीतकर अपनी पहचान बनाते हैं।

कोटेदार संघ ने बैठक कर अपनी मांगों को लेकर लखनऊ कूच करने की रूपरेखा बनाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो नरैनी बांदा। कोटेदार संघ ने मंडल स्तरीय बैठक कर लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की। कोटेदार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजा भैया द्विवेदी की अगुआई में आगामी 28जुलाई को लखनऊ में अपनी विभिन्न मांगो के लिए एकत्र हो रहे कोटेदारो ने चित्रकूट में बैठक आहूत की। आप सभी को ज्ञात हो की इस दौरान एकत्र कोटेदारो ने माह अगस्त का वितरण कार्य का बहिष्कार किए जाने का समर्थन किया।साथ ही 28 जुलाई को लखनऊ के चार बाग से लेकर विधान सभा तक पैदल मार्च में शामिल होने की बात कही।जानकारी के क्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ में आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रम को लेकर बैठक आहूत की गई।

इस दौरान सभी एकत्र कोटेदार संघ के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं के लिए लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम में शांत तरीके से सहभागिता निभाने आदि के कार्य पर समीक्षा की गई।इस दौरान आल इंडिया फेयर प्राइस शॉप रामगोपाल गुप्ताएजानकी गुप्ताए शैलेन्द्र कुमारएआलोक द्विवेदीएअवध बिहारी चौबेएरामधनी एरचित साहूएसहित चित्रकूट धाम मंडल के पदाधिकारी और कोटेदार एकत्र रहे।

अवैध गांजे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा जनपद बांदा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान श्आपरेशन ईगलश् के क्रम में थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा अवैध सूखे गांजे के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है । गौरतलब हो कि दिनांक 18 जुलाई की देर रात्रि थाना बिसण्डा पुलिस को गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त गुड्डू पुत्र कृष्णा निवासी बिलगांव थाना बिसण्डा जनपद बांदा को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस.वे सर्विस रोड के पास से अवैध सूखे गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया है । तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से कुल 03 किलो सूखा गांजा बरामद हुआ है । पुलिस द्वारा बरामद अवैध सूखे गांजे को कब्जे में लेकर अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया

खुरहंड स्टेशन की भांग दुकान में गांजे की तस्करी का खुलासा, सप्लायर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। जिले के खुरहंड स्टेशन स्थित भांग की दुकान में कथित रूप से गांजा बेचे जाने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने गिरवा रोड क्षेत्र से एक संदिग्ध गांजा सप्लायर को गिरफ्तार किया है। मामले में यह भी चर्चा है कि गिरफ्तार व्यक्ति का संबंध संबंधित भांग दुकान के ठेकेदार से है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि भांग की दुकान की आड़ में लंबे समय से अवैध रूप से गांजे का कारोबार संचालित किया जा रहा था। सप्लायर की गिरफ्तारी के बाद अब लोगों की निगाहें पुलिस और आबकारी विभाग की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

यदि जांच में यह साबित होता है कि लाइसेंसधारी दुकान से अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा थाए तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकिए इस संबंध में अभी तक प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि या विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है। मामले को लेकर क्षेत्र में तरह.तरह की चर्चाएं हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार जेल भेजा जाएगा और पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच होगी या नहीं। जब वही पूरे मामले की जानकारी खुरहंड चौकी इंचार्ज विवेक त्रिपाठी से ली गई तो उनके द्वारा बताया गया कि आरोपी खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जांच की जा रही है।

एक हफ्ता बीतने के बाद भी आंकिक के खिलाफ अभी तक कार्यवाही नहीं

-सोसाइटी मुरुवल के आंकिक खाद की कालाबाजारी करते पाया गया था

स्वतंत्र भारत ब्यूरो अतर्रा बांदा। एक फोटो सहित।

बी पैक्स सहकारी सोसायटी मुरवल में आंकिक रजनीश यादव द्वारा डीएपी खाद वितरण में जमकर की जा धांधली की शिकायत पर विगत हफ्ते शुक्रवार को जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार ने निरीक्षण किया जहां पर बिक्री और स्टॉक रजिस्टर के आधार पर कृषि अधिकारी ने जरिए दूरभाष किसानों से खाद के संबंध में जानकारी ली तो पता चला जबरन टैगिंग और किसानो के नाम पर मशीन में चार बोरी डीएपी काटी गई और मौके पर केवल दो बोरी खाद ही दी गई । आप सभी को ज्ञात हो

वही कृषि अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्टॉक और बिक्री रजिस्टर भी मेंटेन नहीं पाए गए साथ ही यूरिया का वितरण संबंधित सचिव की अनुपस्थिति में कराया जा रहा था इतना ही नहीं मशीन और बिक्री रजिस्टर का जब मिलान किया तो 174 बोरी डीएपी मौके से गायब मिली और 500 बोरी यूरिया जिसका ई वे बिल मुरवल सोसायटी के लिए कटा था वह बिना किसी जानकारी के उपकेंद्र ले जाया गया जो निरीक्षण के दौरान मुरवल सोसायटी में नहीं पाई गई वहीं 550 रुपये की बिक्री वाली इफ्को कंपनी का पोटैशियम 600 बोरी संबधित कर्मचारियों द्वारा चुपचाप बिना किसी उच्च अधिकारीयों के जानकारी के मंगवाया गया है। जिसकी एमआरपी रेट में बिक्री कर सोसायटी अवैध वसूली करने के फिराक में है। इस दौरान मेरे द्वारा डीएपी और डीपी सल्फर 90 प्रतिशत मिनिमम का सोसायटी से सैंपल ले लिया गया है आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आयुष्मान योजना के तहत लाखों रुपए खर्च कर बनवाए गए अस्पताल की हालत जर्जर हो गई है

स्वतंत्र भारत ब्यूरो नरैनी बांदा। विकास खंड महुआ तथा तहसील नरैनी के श्योढा गांव में मौजूद आयुष्मान योजना के तहत बने अस्पताल आज पूरी तरह जर्जर हालत में है।मौजूद दीवारे पूरी तरह से जर्जर हालत में है।साथ ही वहां के दरवाजे खिड़कियां भी गायब हो चुकी है।यहां पर तैनात डाक्टर भी हमेशा गायब रहता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ केन्द्र पर संविदा में नियुक्त डॉ इन्द्रप्रकाश वर्मा हमेशा नदारद रहते है कभी कभी आकर उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी कर चले जाते है! वार्ड व्याय सुरेन्द्र पाल का यही हाल है!वहाँ पर अंग्रेजी डॉक्टर की नियुक्ति नहीं है! नियुक्त फार्मासिस्ट जय प्रकाश सिंह के भरोसे पर ही टिका हुआ है! वहाँ पर कटीले वृक्षों के फैलाव से प्रवेशद्वार तक ही नहीं दिखाई देता हैं वहाँ पर गन्दगी का अम्बार जमा हुआ है!

आपको बता दें कि यह स्वास्थ केन्द्र क्षेत्रीय जनमानस की सुविधा के लिए बीएसपी सरकार के पूर्व कैविनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने जिला मुख्यालय अस्पताल की उप शाखा के तहत तीस बेड का अस्पताल निर्माण की संतुष्टि कराकर अस्पताल का निर्माण कराया था जो आज वीरान खंडहर के रुप में दिखाई दे रहा है जहाँ पर चिकित्सकों के आवासों तक का निर्माण कराया गया था जिसकी दीवारों में दरारें पड़ गयी है! वहाँ के दरवाजों को दीमक खा गये और खिड़कियां गायब हो गयी! कमरों में पानी भरता है और मिट्टी जम गयी है !वहाँ के स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल को सुरक्षित और व्यवस्थित करने के लिए जनप्रतिनिधि सदर विधायक ने अस्पताल का निरीक्षण कर जिलाधिकारीएमुख्य चिकित्साधिकारी बाँदा को बुलाकर अस्पताल की समस्याओं को दुरुस्त कराने के लिए निर्देश दिए लेकिन हुआ कुछ नहीं वह उसी तरह वीरान खंडहर के रुप में है लोगों ने बताया कि ग्रामीण और क्षेत्रीय जनमानस के सामने शुरुआती दौर में सदर विधायक ने अस्पताल को गोद लिया था ! कई वर्ष व्यतीत हो गये है गोद लिए गये अस्पातल की तरफ जनप्रतिनिधि सहित जिला प्रशासन ध्यान खंडहर हो रहे अस्पताल की तरफ नहीं हुआ है! लोगों ने बताया कि अस्पताल की समस्याओं के बारें अनेकों बार जिलाप्रशासन को अवगत कराया जा चुका है! सोचने की बात है कि जिला अस्पताल की उपशाखा ग्राम स्योंढा में तीस बेड का निर्मित अस्पताल की तरफ जनप्रतिनिधि व जिला प्रशासन ने अस्पताल के समुचित व्यवस्थाओं के लिए अब तक नजर क्यों नहीं डाली !ग्रामीणों ने अस्पताल को सुचारू तरीके से संचालित करने की मांग की है।

डा. ब्रह्मदत्त सिंह को फतेहपुर की स्थायी लोक अदालत का अतिरिक्त प्रभार

. दो सदस्य पद रिक्त होने पर यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का फैसला

. वादों के निस्तारण में आएगी तेजी

बांदा। फतेहपुर की स्थायी लोक अदालत में दोनों सदस्य पद लंबे समय से रिक्त होने के कारण न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहे थे।वादों के समयबद्ध निस्तारण और न्यायिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ;यूपीएसएलएसएद्ध ने बांदा की स्थायी लोक अदालत के सदस्य डॉण् ब्रह्मदत्त सिंह को फतेहपुर की स्थायी लोक अदालत का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है।इस संबंध में सदस्य सचिव डॉण् मनु कालिया की ओर से आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।प्राधिकरण के आदेश के अनुसारएफतेहपुर में दोनों सदस्य पद रिक्त होने से स्थायी लोक अदालत में लंबित वादों के निस्तारण में कठिनाइयां आ रही थीं।ऐसे में कार्यकारी अध्यक्ष के निर्देश पर यह अंतरिम व्यवस्था लागू की गई हैएताकि न्यायिक कार्यों की निरंतरता बनी रहे और वादकारियों को समय पर न्याय मिल सके।आदेश के मुताबिकएडॉण् ब्रह्मदत्त सिंह नियमित सदस्यों की नियुक्ति होने अथवा अगले आदेश तक फतेहपुर में अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।नियमित सदस्य कार्यभार ग्रहण करते ही उनका अतिरिक्त प्रभार स्वतः समाप्त हो जाएगा और वे बांदा स्थित अपने मूल पद पर पूर्ववत कार्य करेंगे।उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने आदेश की प्रतियां जिला विधिक सेवा प्राधिकरणएबांदा एवं फतेहपुर सहित संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए तत्काल प्रभाव से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।यह व्यवस्था स्थायी लोक अदालत के न्यायिक कार्यों को गति देने और वादकारियों को राहत पहुंचाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

लाइनमैन की आत्महत्या के मामले में सरधुवा थाने के एसआई अजहर जमाल के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर

चित्रकूट- प्रेम-प्रसंग के चलते युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में दबाव बनाने के आरोप में सरधुवा थाने के उपनिरीक्षण के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करने के आदेश पुलिस अधीक्षक ने दिए है। इस आदेश के बाद रविवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजापुर क्षेत्र के भटरी गांव का निवासी शिवशंकर शुक्ला (26) सरधुवा के विद्युत पावर हाउस में संविदा पर लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। बीते शुक्रवार की रात वह घर से शौच जाने की बात कहकर निकला और इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों के तलाशने पर शनिवार को उसका शव एक पेड़ से लटकते हुए मिला। इसकी खबर मिलने पर पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि सरधुवा थाने में तैनात उपनिरीक्षक द्वारा उनके पुत्र को धमकाया जा रहा था। धमकी की फोन रिकार्डिंग भी है। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने न्यायोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था। यहां से शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया। जिसके बाद रविवार को पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के परिजनों के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता धरने पर बैठ गए। परिजनों ने कहा कि आरोपी उपनिरीक्षक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराए बिना वह शव का पोस्टमार्टम नहीं होने देंगे। कुछ घंटों तक धरना चलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने सरधुवा थाने के उपनिरीक्षक अजहर जमाल को लाइन हाजिर कर दिया। इसके बावजूद धरना समाप्त न होने पर अपर पुलिस अधीक्षक पीयूष कांत राय, उपजिलाधिकारी सदर अजय यादव, सदर तहसीलदार चन्द्रकांत तिवारी भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी उपनिरीक्षक की एफ.आई.आर. दर्ज कराकर मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

इस मौके पर पहाड़ी ब्लाक प्रमुख सुशील द्विवेदी, भाजपा नेता जगदीश गौतम, देव त्रिपाठी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हीरो मिश्रा, कौंग्रेस नेता बराती लाल पाण्डेय, चन्द्रिका पाण्डेय सोनू आदि मौजूद रहे।

वांछित 17 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बांदा पुलिस द्वारा 17 वारन्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया । थाना बदौसा पुलिस द्वारा 14 वारन्टीए थाना मटौंध पुलिस द्वारा 02 व चिल्ला पुलिस द्वारा 01 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय पेश किया गया ।

थाना बदौसा पुलिस द्वारा गिरफ्तार वारंटियों में चन्द्रपाल पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अंश हडहामाफी थाना बदौसा जनपद बांदाए ज्ञानेन्द्र पुत्र केशन निवासी ग्राम बंगाली पुरवा थाना बदौसा जनपद बांदाएवकील पुत्र आशिक निवासी ग्राम क्योटरा अंश दुबरिया थाना बदौसा जनपद बांदाए बाबू पुत्र चुन्ना निवासी ग्राम कुल्लूखेडा थाना बदौसा जनपद बांदाएराममिलन पुत्र रजुवा निवासी ग्राम लक्ष्मण का पुरवा अंश भदावल थाना बदौसा जनपद बांदाएचुनवाद पुत्र रंजीत निवासी ग्राम रंजीत का पुरवा चौसड थाना बिसण्डा जनपद बांदाएराजुल पुत्र लाला बढई निवासी पुरानी बाजार थाना बदौसा जनपद बांदाए दादू पुत्र रजवा निवासी खटकौरा थाना बदौसा जनपद बांदाएस्वामीदीन पुत्र कल्लू निवासी ग्राम बरछा.ब थाना बदौसा जनपद बांदाए लाल बाबू पुत्र दऊवा निवासी ग्राम बरछा.ब थाना बदौसा जनपद बांदाएबच्चा पुत्र रामखेलावन वर्मा निवासी बंगलन पुरवा अंश तुर्रा थाना बदौसा जनपद बांदाएहुकुम पुत्र चन्द्रपाल निवासी ग्राम धर्मपाल का पुरवा अंश हडहामाफी थाना बदौसा जनपद बांदाएरामभवन पुत्र रघुराज निवासी ग्राम गर्गपुर अंश चन्दौर थाना बदौसा जनपद बांदाए ओम प्रकाश पुत्र रामभवन निवासी ग्राम गर्गपुर अंश चन्दौर थाना बदौसा जनपद बांदा हैं। जबकि थाना मटौंध पुलिस द्वारा गिरफ्तार वारंटियों में नानाभाई पुत्र हरिदास निवासी ग्राम खैरादा थाना मटैंध जनपद बांदाएबृजकिशोर पुत्र बदलू निवासी ग्राम मुडेरी थाना मटैंध जनपद बांदा हैं। इसी प्रकार थाना चिल्ला पुलिस द्वारा गिरफ्तार वारंटियों में लल्लू पुत्र रामऔतार निवासी डिघवट थाना चिल्ला जनपद बांदा है।

जीवाईसीयू ने शुरू की खेल अकादमी, पर्यावरण संरक्षण के लिए रोपे पौधे

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। ग्रामीण युवा क्रिकेट यूनियन द्वारा न्यू तहसील चैराहा भैरमपुर रोड स्थित खेल मैदान में जीवाईसीयू ग्रीन इंडिया अभियान के तहत वृहत वृक्षारोपण एवं स्पोर्ट्स अकादमी का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अनूठी पहल के अंतर्गत संस्था जनपद के सरकारी स्कूलों के बच्चों को निःशुल्क खेल प्रशिक्षण प्रदान कर ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, एडीआईओएस अविनाश कुमार आनंद और शाश्वत गर्ग ने दीप प्रज्वलित व पौधारोपण कर इस सराहनीय कदम को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर पूर्व डीएसपी व वरिष्ठ संरक्षक शिव स्वरूप, अशोक तपस्वी, शिक्षिका आसिया फारूकी, महानिदेशक ए.बी. बाबू और महासचिव आर एस राजू आदि मौजूद रहे। समारोह में खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स ड्रेस वितरित कर उन्हें नियमित अभ्यास और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, उपस्थित जनों ने एक सदस्य-एक पौधा संकल्प के तहत पौधे रोपकर उनके संरक्षण का दायित्व लिया, जिसके बाद संस्था ने भविष्य में भी खेल, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

आर्य समाज भवन में अनियमितताओं और कथित आधिपत्य को लेकर भारी आक्रोश

- प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद थमा विवाद

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। रोडवेज बस स्टॉप के समीप स्थित आर्य समाज भवन रविवार को वैचारिक और संगठनात्मक मतभेदों के चलते विवादों के केंद्र में आ गया। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भवन की बहुमूल्य संपत्ति पर कथित अवैध कब्जे, गंभीर वित्तीय अनियमितताओं तथा शीर्ष संगठन के आदेशों की निरंतर अवहेलना का आरोप लगाते हुए मुख्य द्वार पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तत्कालीन प्रबंधक राजा सिंह भदौरिया के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनसे तत्काल कार्यभार वापस लेकर नवनियुक्त प्रशासक को सौंपने की पुरजोर मांग की।

समीक्षा के दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आर्य समाज भवन की पावन संपत्तियों का निजी हितों के लिए उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने परिसर में प्रबंधक के परिवार के अनधिकृत निवास और संगठन की पूर्वानुमति के बिना एक निजी विद्यालय के संचालन पर कड़ा ऐतराज जताया। इसके अतिरिक्त भवन से संबद्ध दुकानों से मनमाना किराया वसूलने तथा विवाह समारोहों व विवाह प्रमाणपत्र निर्गत करने के एवज में इक्कीस हजार से लेकर इक्यावन हजार रुपये तक की मोटी धनराशि लिए जाने के भी गंभीर आरोप लगाए गए।

संगठनात्मक स्तर पर आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रांतीय नेतृत्व ने फतेहपुर इकाई की वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करते हुए श्रीचंद आर्य को प्रशासक तथा अशोक त्रिपाठी एवं राजेश मौर्य को सलाहकार मनोनीत किया है। पूर्व प्रबंधक को पूर्व में ही कार्यभार सौंपने के निर्देश दिए गए थे, परंतु आदेश की अनदेखी के कारण प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रतिनिधिमंडल को फतेहपुर आकर लोकतांत्रिक विरोध का मार्ग चुनना पड़ा।

प्रदर्शन के दौरान दोनों गुटों के आमने-सामने आ जाने से परिसर का माहौल अत्यंत तनावपूर्ण और संवेदनशील हो गया था। अशांति की सूचना मिलते ही पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया और दोनों पक्षों के मध्य सौहार्दपूर्ण वार्ता की पृष्ठभूमि तैयार की। वार्ता के उपरांत प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि जिलाधिकारी के दिशा-निर्देश पर इस पूरे प्रकरण की सूक्ष्म जांच के लिए एक विशेष समिति का गठन किया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर ही आगामी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित होगी। इस गरिमामयी विरोध प्रदर्शन में योगेश प्रजापति, शुभम गुप्ता एडवोकेट, बाबूराम आर्य, राजू, अनिल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, आचार्य लाल बहादुर, उमेश चंद्र वैदिक तथा बाल गोविंद आदि उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में दस जागरूक नागरिकों ने किया रक्तदान

- प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

फोटो-

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित संस्था सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के सहयोग से मानस रक्त केंद्र में दो दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए 10 जागरूक रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में सुभाष तिवारी, आदर्श शुक्ला, विनीत कुमार, शिवम श्रीवास्तव, आशु पटेल, निखिल कुमार, स्वतंत्र, राजा, वैभव श्रीवास्तव और प्रवीण कुमार शामिल रहे। मानवीय कार्य के लिए सभी रक्तदाताओं को भाजपा जिला मंत्री रेखा सरोज तथा मानस रक्त केंद्र के प्रभारी अमन यादव द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रक्त केंद्र प्रभारी अमन यादव ने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंदों को नया जीवन प्रदान करता है, बल्कि यह स्वयं के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। शिविर को सफल बनाने में संस्था के गुरमीत सिंह, नीतिज श्रीवास्तव, मिस्बा, सुमित सहित रक्त केंद्र की अनामिका पाल व विष्णु सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा।

यूपी में पहली बार ब्लॉक प्रमुख बने प्रशासक

- हाईकोर्ट में पेंडिंग है प्रधानों की नियुक्ति

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत एक बड़ा कदम उठाते हुए ग्राम प्रधानों और जिला पंचायत अध्यक्षों के बाद अब ब्लॉक प्रमुखों को भी प्रशासक नियुक्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक इतिहास में यह पहली बार है जब ब्लॉक प्रमुखों को इस प्रकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार, प्रशासक के रूप में ये पदाधिकारी रोजमर्रा के प्रशासनिक कार्य तो संभाल सकेंगे, लेकिन कोई भी नीतिगत या बड़ा फैसला लेने का अधिकार उनके पास नहीं होगा।

दूसरी ओर, प्रदेश में ग्राम प्रधानों की प्रशासक के रूप में नियुक्ति का मामला फिलहाल उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। सरकार के इस नए फैसले का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं के कार्यकाल की समाप्ति और नए चुनावों के बीच के संक्रमण काल में विकास कार्यों की निरंतरता को बनाए रखना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था केवल सीमित समय और सीमित अधिकारों के साथ लागू की गई है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी कार्य प्रभावित न हों।

कुसुम्भी में आधुनिक अनुराग एनर्जी स्टेशन का उद्घाटन

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जनपद के कुसुम्भी में नवनिर्मित अनुराग एनर्जी स्टेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि सौभाग्य सिंह एवं इंडियन ऑयल के क्षेत्रीय सेल्स ऑफिसर निलय शंकर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया, जिससे क्षेत्रवासियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त ईंधन केंद्र की नई सौगात मिली है।

इस शुभ अवसर पर पेट्रोल पंप के संचालक, जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर व बेरा गढ़ीवा के ग्राम प्रधान जितेंद्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले पेट्रोल व डीजल के साथ-साथ निःशुल्क हवा और शीतल पेयजल जैसी पारदर्शी व सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। उद्घाटन समारोह में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री सावन गुप्ता, ग्राम प्रधान शिवा ठाकुर, कोटेश्वर शुक्ला, प्रेम शुक्ला, जयराज सिंह और पूर्व ग्राम प्रधान चुन्नू सिंह आदि मौजूद रहे।

शब्द-साधकों के समागम में गूंजे राष्ट्रभक्ति, प्रकृति और जीवन-दर्शन के विविध स्वर

- कवियों ने रचनाओं से दी मंगल पांडे को श्रद्धांजलि, 446वीं काव्य गोष्ठी संपन्न

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। मुराइन टोला स्थित हनुमान मंदिर में शैलेंद्र साहित्य सरोवर के बैनर तले 446वीं साप्ताहिक रविवासरीय सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी की अध्यक्षता के पी सिंह कछवाह द्वारा की गई और कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र कुमार द्विवेदी ने किया। इस साहित्यिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के पुजारी विजय कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए अध्यक्ष केपी सिंह कछवाह ने वाणी वंदना में अपने भाव प्रसून प्रस्तुत किए और ज्ञानदायिनी मां सरस्वती से मंच पर विराजकर शब्द के साधकों की लाज रखने की प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए स्वतंत्रता के अधिनायक अमर शहीद मंगल पांडे के जन्मोत्सव पर उनके चरणों में शीश झुकाते हुए काव्य पाठ किया। इसी क्रम में डॉ सत्य नारायण मिश्र ने एक छंद के माध्यम से अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि जो संकट से डर जाता है वह सच्चा और कर्मठ व्यक्ति नहीं होता, बल्कि जो कष्टों से घबराए बिना आगे बढ़ता है वही जीवन में सफलता पाता है। इसके बाद राम अवतार गुप्ता ने आगामी 20 जुलाई के मून डे के संदर्भ को जोड़ते हुए अपने मुक्तक में पढ़ा कि इस बात को पूरा जहान जानता है कि अमरीका ने चांद पर अपना यान भेजा था।

मौसम के बदलते मिजाज को अपनी पंक्तियों में पिरोते हुए प्रदीप कुमार गौड़ ने कहा कि आसमान में बादल चढ़ आए हैं और मन रूपी मयूर प्रसन्न होकर नाच उठा है, ऐसे में विरहणी अपलक राह निहारते हुए अपने हुजूर को याद कर रही है। ग्रामीण अंचल और कृषि संस्कृति को रेखांकित करते हुए डॉ शिव सागर साहू ने अपने काव्य पाठ में कहा कि खेतों में गीतों के शुभ और सरस स्वर गूंज रहे हैं क्योंकि अन्न के उत्पादन के लिए धान की लगौनी का कार्य चल रहा है। कार्यक्रम के आयोजक तथा संचालक शैलेंद्र कुमार द्विवेदी ने अपने मुक्तक के माध्यम से देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक को याद किया। उन्होंने कहा कि खिलाफत का बिगुल फूंककर पहला बलिदान देने वाले मंगल पांडे से महान भला कौन हो सकता है। उन्होंने देशप्रेम की भावना को और प्रगाढ़ करते हुए आगे कहा कि हमें अपने स्वदेश के लिए ही जीना और मरना चाहिए और मातृभूमि की खातिर कराल कालकूट जहर भी पी लेना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि और मंदिर के पुजारी विजय कुमार शुक्ल ने सभी उपस्थित रचनाकारों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

धान की रोपाई के सीजन में बिजली संकट से किसान हलकान

- किशनपुर पावर हाउस पर उठाए सवाल

किशनपुर (फ़तेहपुर)। धान की रोपाई के अत्यंत महत्वपूर्ण समय में किशनपुर पावर हाउस से जुड़े दर्जनों गांवों के किसान बिजली की अनियमित और अघोषित कटौती से बेहद परेशान हैं। क्षेत्रीय किसानों का आरोप है कि बार-बार बिजली गुल होने और घंटों आपूर्ति बाधित रहने से खेतों की सिंचाई का कार्य पूरी तरह ठप हो गया है, जिसके कारण धान की समयबद्ध रोपाई प्रभावित हो रही है और कृषि लागत लगातार बढ़ती जा रही है।

स्थानीय किसानों संजय, मैकू और राम सिंह ने बताया कि धान की फसल के लिए इस समय निरंतर पानी की आवश्यकता होती है, परंतु पर्याप्त बिजली न मिलने से नलकूप संचालित नहीं हो पा रहे हैं। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि कृषि सीजन को देखते हुए किशनपुर पावर हाउस से नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो वे संबंधित उच्चाधिकारियों से शिकायत करने के साथ-साथ उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पुलिस ने लमहेटा गांव में पुरस्कार घोषित वारण्टी अभियुक्त के घर पर चस्पा किया अदालती नोटिस

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जनपद के थाना गाजीपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लमहेटा में पुलिस प्रशासन द्वारा एक बड़ी कार्रवाई अमल में लाई गई है। न्यायालय ए.सी.जे.एम. खागा के आदेशानुसार, मु0अ0सं0 266/25 के तहत विभिन्न गंभीर धाराओं (137(2), 352, 351(3), 61(2) बीएनएस) में वांछित चल रहे अभियुक्त धर्मेन्द्र उर्फ छोटू के खिलाफ उद्घोषणा की कार्रवाई की गई है। अभियुक्त धर्मेन्द्र उर्फ छोटू, जो कि स्वर्गीय गंगादीन का पुत्र है और लमहेटा गांव का निवासी है, लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा है। पुलिस ने आरोपी के फरार होने और खुद को छिपाने के कारण उसके खिलाफ अदालत द्वारा जारी 82/83 की नोटिस को उसके पैतृक निवास स्थान पर सार्वजनिक रूप से चस्पा कर मुनादी कराई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी धर्मेन्द्र उर्फ छोटू एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ कानूनी शिकंजा कसने के लिए प्रशासन द्वारा पूर्व में पुरस्कार भी घोषित किया जा चुका है। बार-बार दबिश देने के बावजूद गिरफ्तारी से बचने और लगातार फरार रहने के कारण पुलिस ने अब न्यायालय के निर्देश पर यह सख्त कदम उठाया है। चस्पा किए गए अदालती नोटिस में आरोपी को आगामी 7 अगस्त 2026 तक न्यायालय के समक्ष अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया गया है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर अभियुक्त आत्मसमर्पण या कोर्ट में हाजिर नहीं होता है, तो प्रशासन द्वारा उसकी संपत्ति की कुर्की की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

प्रेम विवाह के 15 दिन बाद युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। खागा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत प्रेम विवाह के महज 15 दिन बाद एक 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ग्राम अमाव निवासी मोहम्मद समीर (22) पुत्र शमशुल हक के रूप में हुई है, जो गुजरात में रहकर कार्य करता था। परिजनों के अनुसार, समीर ने करीब 15 दिन पूर्व परिजनों के विरोध के बावजूद खागा कस्बे की रहने वाली तलाकशुदा महिला आरजू शबनम उर्फ सब्बो के साथ निकाह किया था। निकाह के बाद से समीर अपनी पत्नी के मायके में ही रह रहा था। शनिवार को पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचना मिली कि समीर ने आत्महत्या कर ली है और उसका शव पोस्टमार्टम हाउस में है।

रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद जब युवक का शव उसके पैतृक गांव पहुंचा, तो मृतक के माता-पिता और अन्य परिजनों ने शव पर चोट के कई निशान होने का दावा करते हुए हंगामा शुरू कर कर दिया। परिजनों ने समीर की पत्नी और ससुर सगीर पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। आक्रोशित परिजनों ने हत्या का मुकदमा दर्ज करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव का अंतिम संस्कार करने से साफ इनकार कर दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाते हुए शांत कराने का प्रयास किया।

खागा कोतवाली पुलिस ने मृतक के परिजनों से तहरीर ले ली है और मामले की वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों की तहरीर और उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्षता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे, उसी के अनुरूप आगे की विधिक व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पार्टी कार्यालय में शिक्षक मंच की बैठक और जनसुनवाई कार्यक्रम संपन्न

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। चित्रांश नगर स्थित पार्टी कार्यालय में अपना दल (एस) के शिक्षक मंच की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष कालीचरण सविता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए जिला अध्यक्ष ने भोला गौतम को सक्रिय सदस्य, राजेंद्र प्रसाद व राजाराम को महासचिव तथा रामनजर को सचिव के पद पर मनोनीत कर कमेटी में सम्मिलित किया। साथ ही शेष कार्यकारिणी को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही कार्यालय में जिला अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव अजीत सिंह चांसलर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा, जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल, श्रमिक मंच के जिला अध्यक्ष दीपू पटेल, दीपांशु पटेल, शिव शरण निषाद, गौरी शंकर पटेल, राजेश सिंह गौतम और डॉ. नंदराम शर्मा आदि मौजूद रहे।

खबर एक नज़र

पाल सामुदायिक उत्थान समिति की बैठक में कई अहम निर्णय

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। आबूनगर स्थित पाल भवन में पाल सामुदायिक उत्थान समिति की बैठक अध्यक्ष डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें समाज के विकास और एकजुटता को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में आगामी 17 सितंबर को भव्य मेधा अलंकरण समारोह आयोजित करने, नगर पालिका परिषद द्वारा नामित अहिल्याबाई होलकर चैराहे पर बोर्ड व मूर्ति लगवाने, आगामी चुनावों में राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए रणनीति बनाने, पाल सेवा संस्थान के निर्माण की कागजी प्रक्रिया पूरी करने और सामूहिक विवाह समारोह के लिए पंजीकरण शुरू करने पर आम सहमति बनी। इस अवसर पर रामप्रताप पाल, अतुल पाल, देवेंद्र कुमार पाल, पवन कुमार, अरुण पाल और डॉ. रोहित पाल आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग का छापा- क्षेत्र में दो अवैध अस्पताल सीज

- एक क्लीनिक को नोटिस

खागा (फ़तेहपुर)। तहसील क्षेत्र में अवैध और बिना मानकों के संचालित हो रहे अस्पतालों व क्लीनिकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग का चाबुक लगातार चल रहा है। रविवार को एसीएमओ डॉ. पी.के. सिंह के नेतृत्व में एक गोपनीय रणनीति के तहत सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के प्रेमनगर और भादर कस्बे में औचक छापेमारी की गई। इस कार्रवाई के दौरान मानकों का घोर उल्लंघन पाए जाने पर दो अस्पतालों को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया, जबकि एक क्लीनिक को कमियां सुधारने की चेतावनी के साथ नोटिस जारी किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सबसे पहले भादर स्थित एक क्लीनिक को सील किया, जिसके बाद प्रेमनगर कस्बे में एक पॉलीक्लिनिक को भी सीज करने की कार्रवाई की गई। वहीं, इसके सामने संचालित फार्मा क्लीनिक में गंभीर कमियां मिलने पर निर्धारित समय सीमा में सुधार के निर्देश दिए गए। एसीएमओ डॉ. पी.के. सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्देशों का पालन न करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस औचक कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध चिकित्सा केंद्र संचालकों और झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है।

संगठनात्मक मजबूती के लिए शक्ति केंद्रों पर बैठकें जरूरी- अन्नू

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार रविवार को जनपद के सभी मंडलों के 353 शक्ति केंद्रों पर संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में शक्ति केंद्र संयोजकों, बूथ अध्यक्षों और स्थानीय पदाधिकारियों ने सहभागिता की। संगठन को गतिशील बनाने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र के गाजीपुर स्थित चुरियानी एवं अयाह शक्ति केंद्र की बैठक में सम्मिलित हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि बूथों को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने में शक्ति केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

बैठक में आगामी संगठनात्मक अभियानों के साथ डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम, आगामी 22 जुलाई को प्रदेश स्तर पर होने वाले बूथ सम्मेलन और श्मन की बातश् कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री पंकज त्रिवेदी व रुद्रपाल सिंह सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर, जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह ने खागा विधानसभा क्षेत्र के धाता मंडल अंतर्गत अहमदपुर कुसभा, सैदपुर एवं बेलाई शक्ति केंद्रों की बैठकों में भाग लिया, जहाँ प्रदीप सिंह, विष्णु केसरवानी, शिवभूषण, कुलदीप सिंह और रामदुलारे पासवान आदि मौजूद रहे।

जंगली बाबा धाम में गो सम्मान आह्वान अभियान की बैठक

- 27 जुलाई को सौंपेंगे ज्ञापन

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। श्री बालक बाबा जी महाराज के संरक्षण एवं आशीर्वाद में जंगली बाबा धाम गढ़वा में गो सम्मान आह्वान अभियान की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में वृंदावन से पधारीं साध्वी राधिका गोपाल ने राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे इस अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह अभियान वेदलक्षणा गौमाता, नंदी बाबा और भारतीय परंपरा के समस्त आराध्य देवी-देवताओं के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु पूरे देश में चलाया जा रहा है।

साध्वी राधिका गोपाल ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आगामी 27 जुलाई को सामूहिक संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद पूर्वाह्न 10 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम 40 करोड़ हस्ताक्षरों से युक्त ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए ब्राह्मण स्वयंसेवक संघ के प्रदेश महासचिव राजेश मिश्रा को जिलाध्यक्ष, सतीश उपाध्याय को जिला उपाध्यक्ष, प्रिंस पांडे को जिला महासचिव तथा सचिन व साधु वर्मा को जिला प्रचारक मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता वृंदावन के दीपेश आनंद सरस्वती ने और संचालन धर्मेंद्र सिंह ने किया।

नाबालिग अपहरण कांड का मुख्य वांछित आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। अपराधियों व वांछितों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत खखरेरू थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस टीम इस मामले में विधिक प्रक्रिया को पूरा करने में जुटी थी। पुलिस के अनुसार, खखरेरू थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 108/2026, धारा 137(2), 87, 352 एवं 351(2) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) से संबंधित वांछित अभियुक्त नरेंद्र कुमार पुत्र फेरु निषाद (निवासी ग्राम मढ़िया मजरे नसीरपुर, थाना खखरेरू) को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अपहृत नाबालिग को पूर्व में ही 1 जून को सकुशल बरामद कर लिया गया था, और अब मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, कांस्टेबल अनुज कुमार सिंह और कांस्टेबल रजनीश शुक्ला की टीम ने अंजाम दिया।

होमगार्ड जवान की ब्रेन हैमरेज से मौत, हुआ अंतिम संस्कार

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। थाने से अपनी ड्यूटी पूरी कर घर वापस लौट रहे एक होमगार्ड जवान की रास्ते में अचानक तबीयत बिगड़ने और ब्रेन स्ट्रोक (ब्रेन हैमरेज) होने के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। दिवंगत जवान ने कानपुर हैलट हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। मौत की आधिकारिक सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

विवरण के अनुसार, बकेवर थाना क्षेत्र के बिजुरी गांव निवासी 46 वर्षीय होमगार्ड राजेश कुमार यादव पुत्र स्व. रजोला प्रसाद बीते गुरुवार (16 जुलाई) को जहानाबाद थाने से अपनी ड्यूटी समाप्त कर वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी अचानक ब्रेन हैमरेज होने से वह मार्ग पर ही अचेत होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल स्थानीय निवासियों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एलएलआर हॉस्पिटल कानपुर रेफर कर दिया था। वहां शनिवार रात करीब 10 बजे इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने दिवंगत जवान के शव का अंतिम संस्कार चंद्रिकन गंगा घाट पर कर दिया है।

54 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन, कई गलियों का होगा निर्माण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फिरोजाबाद। सदर विधायक मनीष असीजा ने शनिवार को नगला करन सिंह ;वार्ड.10द्ध एवं इंद्रपुरी ;वार्ड.20द्ध में लगभग 54 लाख रुपये की लागत से होने वाले गली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस परियोजना के अंतर्गत नगला करन सिंह की गली नंबर.4 गली नंबर.5ए संतोष नगर के आंशिक क्षेत्र तथा इंद्रपुरी वार्ड.20 में गली निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा नगला करन सिंह में ओमप्रकाश बाबा के मकान से कालीचरण के मकान तक नई गली का निर्माण भी किया जाएगा ।
भूमिपूजन के दौरान विधायक ने क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध विकास कार्य कराने का भरोसा दिया। स्थानीय लोगों ने भी विकास कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर श्याम सुंदर लाखन सिंह ;सेवानिवृत्त फौजीद्ध शेखर प्रताप सिंह बाबा ओमप्रकाश निमेष पूर्व कानूनगो पार्षद रेखा राठौर सुभाष राठौर सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जसराना में 'स्कूल चलो अभियान' की वृहद रैली, डीएम, एसएसपी ने दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, फिरोजाबाद। जसराना 18 जुलाई। माध्यमिक विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण के तहत जसराना में वृहद जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे एवं जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडेय ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से शुरू होकर तहसील जसराना तक निकली रैली में विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों छात्र.छात्राओं एवं शिक्षकों ने भाग लिया। अधिकारियों ने अभिभावकों से प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने बैनर स्लोगन एवं जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

23 अगस्त को दुर्वासा ऋषि आश्रम से निकलेगी कावड़ यात्रा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। हिंदू महासभा युवा मोर्चा एवं जय भोलेबाबा कमेटी की ओर से कावड़ यात्रा के आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कावड़ यात्रा 23 अगस्त रविवार को दुर्वासा ऋषि आश्रम से सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी और पांडेश्वर नाथ मंदिर पर पहुंचकर जलाभिषेक किया जाएगा।विमलेश मिश्रा ने बताया कि कावड़ का शुल्क 251 रुपए रखा गया है। वहीं असहाय लोगों के लिए शुल्क 1 रुपया रहेगा ताकि कोई भी श्रद्धालु यात्रा से वंचित न रहे।

स्वामी रामानंद बालिका इंटर कॉलेज की 15 छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वामी रामानंद बालिका इंटर कॉलेज में गर्भाशय कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन बच्चियों को लगाई गई
रकाबगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी चिकित्सा अधिकारी स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉक्टर शोभा सक्सेना ने कॉलेज में पहुंचकर छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया और सरकार की ओर से 14 से 15 वर्ष की बच्चियों को बच्चियों को वैक्सीन लगाई गई उन्होंने बताया कि इस वैक्सीन की बाजार में 4000 कीमत है लेकिन सरकार की ओर से यह मुफ्त में लगाई जा रही है कॉलेज में 125 छात्राओं का रजिस्ट्रेशन हुआ है जिसमें 86 को फार्म वितरित किए गए हैं तथा 15 बच्चियों के वैक्सीन लगाई गई है । इस दौरान प्रबंधक श्रीमती शिखा अग्निहोत्री नोडल? शिक्षिका फरहाना हाशमी पूनम दुबे ने छात्राओं को वैक्सीन लगवाने में स्वास्थ्य विभाग की मदद की इस दौरान प्रधानाचार्य रीता दुबे ने बताया कि समाज सेवी संस्था भारत विकास परिषद की ओर से भी छात्राओं के अभिभावकों से बेटियों को वैक्सीन को लगवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

राज्य ताइक्कांडो प्रतियोगिता में जिले के 7 खिलाड़ियों ने जीते पदक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। कानपुर के स्वीट एंजल इंटरनेशनल स्कूल बारादेवी में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्कांडो

कानपुर में हुई प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण 4 रजत और 2 कांस्य पर जिले के खिलाड़ियों को मिले

प्रतियोगिता में जिले के 7 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है
टीम मैनेजर शिवांश त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता में जनपद की ओर से 7 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। सभी खिलाड़ी डॉक्टर वीण्पीण् अग्रवाल शिक्षण संस्थान याकूतगंज के प्रशिक्षक श्रद्धा त्रिपाठी के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। स्वर्ण पदक हृदय प्रताप को अंडर 39 किग्रा वर्ग रजत पदक अंश कुमार अंडर 29 किग्रा वर्ग स्पर्श कुमार अंडर 23 किग्रा वर्ग अमाईरा अंडर 25 किग्रा वर्ग कुण्आराध्या अंडर 43 किग्रा वर्ग? तेजस्वी . अंडर 29 किग्रा वर्ग कांस्य पदक ओजस्वी अंडर 37 किग्रा वर्ग को मिला है।
सभी पदक विजेताओं ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है विजयी खिलाड़ियों को प्रशिक्षक श्रद्धा त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों की मेहनत और अनुशासन के कारण यह उपलब्धि संभव हो पाई। आगे भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे।

विधवा बहू ने जेठ पर करवाया दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। कायमगंज क्षेत्र के एक गांव की विधवा महिला की ओर से जेठ पर तमंचे के बल पर दुष्कर्म कर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।
कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने न्यायालय के आदेश पर दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया कि उसके पति की करीब छह वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। आरोप है कि पति की मौत के बाद उसका जेठ भूप सिंह उसे जबरन पत्नी की तरह अपने साथ रखने का दबाव बनाने लगा। महिला का कहना जेठ की पत्नी की भी करीब एक वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है।
महिला का आरोप है कि 27 अप्रैल की रात वह अपने कमरे के बरामदे में सो रही थी। इसी दौरान उसका जेठ वहां पहुंचा और तमंचा सिर पर रखकर बुरा काम करने लगा। विरोध करने पर आरोपित ने जान से मारने की धमकी दी और डंडे से मारपीट की। किसी तरह वह घर से निकलकर बाहर आ गई और रात पास में स्थित अपने खोखे पर गुजारी। पीड़ित महिला के मुताबिक अगले दिन उसने अपने मायके जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। आरोप है कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की और उसने न्यायालय की शरण ली।
न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी भूप सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीडीए जनपंचायत महासम्मेलन पूर्व मंत्री ने भाजपा सरकार को घेरा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
छिबरामऊ कन्नौज। शहर मे स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में आयोजित पीडीए जनपंचायत महासम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अरविन्द सिंह यादव ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी छिबरामऊ विधानसभा सीट पर भारी मतों से विजय प्राप्त करेगी। सपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री सांसद कन्नौज के निर्देशानुसार पीडीए की बैठक का आयोजन छिबरामऊ के एक निजी गेस्ट हाउस में किया गया जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष कलीम खान की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामाश्रय विश्वकर्मा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव का कार्यकर्ताओं ने फूलमाला स्वागत किया सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी में सभी जाति धर्म का सम्मान सुरक्षित है अन्य विपक्षी पार्टियां बोट लेकर वोटर को ठगने का कार्य करती है नीट परीक्षा को लेकर जंतर मंतर पर लगातार 21 दिन से प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारी को सत्ता के बल पर उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया समाजवादी पार्टी व कार्यकर्ता नीट के परीक्षाओं के साथ न्याय मिलने तक संघर्ष करेंगे। पीडीए बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं पीडीए की विचारधारा को मजबूती से पहुँचाएँ। तथा वर्ष 2027 में परिवर्तन के लिए पूरी शक्ति और समर्पण के साथ कार्य करें।

सपा ने चुनावी रणनीति में किया फेरबदल बूथ स्तर पर मोर्चाबंदी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
फर्रुखाबाद। समाजवादी पार्टी ने अब अपनी चुनावी रणनीति में बड़ा फेरबदल करते हुए पीडीए के फॉर्मूले को धरातल पर अमलीजामा पहनाने के लिए अब बूथ स्तर पर मोर्चेबंदी का काम शुरू कर दिया है।
समाजवादी पार्टी ने सेक्टर स्तरीय संगठनात्मक बैठकों के अभियान की शुरूआत भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में सेक्टर 7 खिमसेपुर से की।
भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी ने 4 सेक्टर खिमसेपुर महोई जाजपुर बंजारा और मोहम्मदाबाद की बैठक कर बूथ स्तर पर अपनी सत्ता वापसी की राह तलाशी।
इस दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने बूथ स्तरीय पदाधिकारियों से संवाद करते हुए पार्टी की विचारधारा को जमीन पर उतारने के लिए कहा उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि प्रदेश में बदलाव का माहौल है और सत्ता परिवर्तन होना तय है।
जिला महासचिव इलियास मंसूरी ने कहा कि पार्टी बूथ स्तर पर पूरी मजबूती से इस बार मैदान में उतरेगी और इस दिशाहीन निरंकुश और भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी।
इस मौके पर पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत पूर्व जिला अध्यक्ष राम सेवक यादव जिला प्रवक्ता राधेश्याम सविता विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र यादव अमित यादवए ब्लॉक अध्यक्ष अजब सिंह शाक्य नगर अध्यक्ष खिमसेपुर पवन गौतम नगर अध्यक्ष मोहम्मदाबाद मनोज यादव आदि ने विचार व्यक्त किए।

कांवड़ियों के लिए बड़ी खुशखबरी, 28 जुलाई से बढ़नी-देवघर स्पेशल ट्रेन

स्वतंत्र भारत बढ़नी सिद्धार्थनगर। श्रावणी मेले में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए रेलवे ने बड़ी राहत दी है. हर साल की तरह इस बार भी सावन के दौरान ट्रेनों में भारी भीड़ रहने की संभावना को देखते हुए रेलवे ने बढ़नी-देवघर, देवघर-बढ़नी और रांची-भागलपुर के बीच कई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है. इन स्पेशल ट्रेनों का ठहराव भागलपुर, सुल्तानगंज, मुंगेर, बाराहाट और बांका जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर होगा, जिससे बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के श्रद्धालुओं की यात्रा पहले से अधिक आसान होगी द्य रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 05028 बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल 28 जुलाई से 29 अगस्त तक प्रतिदिन चलेगी. कुल 33 ट्रिप चलने वाली यह अनारक्षित स्पेशल ट्रेन दोपहर 3:20 बजे बढ़नी से रवाना होते हुए शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, आनंदनगर, गोरखपुर, गोपालगंज, हाजीपुर जक्शंन, सुल्तानगंज और अगले दिन दोपहर 1:00 बजे देवघर पहुंचेगी । खासकर सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरियों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

प्रधान ईश्वर दयाल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पटका पहनाकर सम्मानित किया

छिबरामऊ कन्नौज । लड़ैता अस्थाई गौशाला पहुंचे अंतरराष्ट्रीय हिंदू शक्ति सेना गौ सेवा प्रकल्प के राष्ट्रीय संयोजक गौ सेवक रंजीत पांडेए व्यवस्थाओं का लिया जायजा। गौशाला पहुंचे गौ सेवक रंजीत पांडे गौवंशों को खिलाया दानाएगुड़ खिलाकर हस्ताक्षर कराके व्यवस्थाओं का लिया जायजाछिबरामऊ विकास खण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत लड़ैता स्थित अस्थाई गौशाला में गौ सेवक रंजीत पांडे पहुंचे।
इस दौरान वह गौवंशों के लिए आटा लेकर पहुंचेए जिसे दाने में मिलाया गया। उन्होंने गौवंशों को गुड़ खिलाकर गौसेवा की और उनकी देखभाल व गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद रंजीत पांडे ने कहा कि गौशाला की व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं और यहां गौवंशों की देखभाल अच्छी तरह की जा रही है। उन्होंने गौशाला की देखरेख कर रहे पूर्व प्रधान ईश्वर दयाल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पटका पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि गौसेवा समाज का पुनीत कार्य है और सभी को इसमें अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। इस अवसर पर गौसेवक रंजीत पांडे के सहयोगी गणेश शंकर चतुर्वेदीएअमित राठौरए राजपाल सिंह चौहानए अजीत राठौर कृष्णा पांडेए अंशुल राठौर एअन्य सहयोगी भी मौजूद रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार सदर कानपुर नगर
वाद सं. 5676 सन् 2025
लखपत सिंह आदि बनाम
जयनारायन सिंह आदि

बनाम-1. लखपत सिंह भदौरिया पुत्र स्व. राम सिंह निवासी 107/78 बी जवाहर नगर कानपुर नगर 2. युवराज सिंह पुत्र स्व. रामसिंह निवासी 109/246ए रामकृष्णनगर कानपुर नगर 3. मालती सिंह पत्नी स्व. रामसिंह निवासिनी 107/78बी जवाहर नगर कानपुर नगर 4. शशी सिंह पत्नी स्व. जयसिंह निवासिनी 107/78 बी जवाहर नगर कानपुर नगर...प्रतिवादीगण
धारा 34 यूपी आर.सी. ग्राम कटरा घनश्याम कानपुर नगर
तारीख पेशी 23.07.2026

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.07.2026 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरुद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 15.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय तहसीलदार सदर कानपुर नगर

सी.आर.- 785/K-CN

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड- फर्रुखाबाद

पत्रांक-191/ग्रा0अ0वि0/ निविदा सूचना/2026-27 दिनांक- 13.07.2026

ई-टेन्डर नोटिस

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-फर्रुखाबाद द्वारा उ0प्र0, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में ए.बी.सी.डी. श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से प्रतिशत दरों में अधोलिखित कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा दाता को सलाह दी जाती है कि बिड में आई.टी.बी. के क्लॉज-4 में अंकित निविदा हेतु न्यूनतम योग्यता जिसके द्वारा निविदा स्वीकृति की जायेगी का भलीभांति अध्ययन कर लें।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुए)
1	2	3	4	5	6	7
1	फर्रुखाबाद	नीमहा कल्लूपुरता से लालपुर सम्पर्क मार्ग तक नव निर्माण कार्य	39.23	78500.00	800+GST	4 माह
2	फर्रुखाबाद	फतेहपुर मार्ग से रामेश्वर दयाल के घर तक नव निर्माण कार्य	33.25	66500.00	800+GST	4 माह
3	फर्रुखाबाद	भुजपुर से रामकिशोर के खेत तक नव निर्माण कार्य।	38.98	78000.00	800+GST	4 माह
4	फर्रुखाबाद	महर्षि नगला गांव में सालिगराम की दुकान से नेतराम के खेत तक नवनिर्माण कार्य।	24.35	48700.00	800+GST	4 माह
5	फर्रुखाबाद	रामपुर गाँव में अर्जुन सिंह के बाग से विनोद सिंह के खेत तक नवनिर्माण कार्य।	27.04	54100.00	800+GST	4 माह
6	फर्रुखाबाद	हरिहरपुर सम्पर्क मार्ग से भुजपुर मार्ग पर रामपाल के खेत से जनपद की सीमा तक नवनिर्माण कार्य।	37.89	75800.00	800+GST	4 माह

3. बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन दिनांक 22.07.2026 से दिनांक 28.07.2026 तक उपलब्ध है।
4. ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय दिनांक 28.07.2026 (समय दोपहर 12:00 बजे तक)।
5. ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय दिनांक 28.07.2026 (समय दोपहर 12:30 बजे से)।
6. निविदा आमन्त्रणकर्ता को संशोधन/शुद्धि पत्र जारी करने का पूर्ण अधिकार है जो आनलाइन उपलब्ध होगा एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगा। समस्त इच्छुक बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे ई-टेण्डर पोर्टल से नियमित रूप से चेक करते रहें।
अन्य आवश्यक जानकारी एवं निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने हेतु http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड- फर्रुखाबाद।

उ0प्र0 253850 दिनांक- 17.07.2026
Website: www.upgov.nic.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता हरदोई खण्ड, शारदा नहर, हरदोई

-:: ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से अतिअल्पकालीन ई-नीलामी सूचना संख्या-02/ई0ई0/2026-27 ::-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हरदोई खण्ड शारदा नहर हरदोई के अन्तर्गत जनपद लखीमपुर खीरी में आने वाली अल्पिकाओं की पटरियों पर एकत्रित अतिरिक्त सिल्ट/मिट्टी की ऑनलाइन नीलामी हेतु http://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 22.07.2026 के 9.00 बजे से दिनांक 30.07.2026 अपरान्ह 10.00 बजे तक (डाउनलोड/अपलोड/सबमिट की जा सकती है) आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 30.07.2026 को 10.00 बजे ऑनलाइन के माध्यम से गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी। कार्यालय बन्द/अवकाश की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय डाली एवं खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है-

क्रम	नहर/रोड का विवरण	मूल्यांकित रूप से उठायी जाने वाली सिल्ट की अनुमानित मात्रा (घनमीटर में)	ई-नीलामी के रूप में जमा की जाने वाली धनराशि (रु0 में)	निविदा शुल्क (धरोहर + निविदा प्रपत्र का मूल्य + 18%GST) (रुपये में)
1	2	3	4	5
1.	हरिहरपुर अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 4.670 के मध्य, नरायनपुर अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 0.800 के मध्य, कसमुआ माइनर अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 0.500 के मध्य, बढ़ैया अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 1.000 के मध्य, मगदपा अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 1.200 के मध्य, नवगांव अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 0.800 के मध्य एवं अम्बारी अल्पिका के किमी 0.000 से किमी 1.400 के मध्य पटरियों पर एकत्रित अतिरिक्त सिल्ट/मिट्टी की नीलामी।	6072.00	5,13,500	2000+300+54 = 2354.00

नोट- समस्त नियम एवं शर्तें ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता
हरदोई खण्ड शारदा नहर हरदोई

उ0प्र0 253724 दिनांक- 15.07.2026
Website: www.upgov.nic.in

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।
सम्पादक : के.के. श्रीवास्तव
फोन : 0512-2332212
0512-2330533
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

अमेरिका का ईरान के केशम द्वीप पर हमला

तेहरान। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान के केश्म द्वीप पर नए हवाई हमले किए हैं। ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, द्वीप पर

- सैनिकों की मौत से बौखलाया वाशिंगटन

दो धमाकों की आवाज सुनी गई। हमलों के बाद नुकसान का आकलन करने के लिए आपातकालीन और सुरक्षा टीमों को तैनात किया गया है। अमेरिकी सेना ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित ईरानी बंदरगाह शहर सीरिक को भी निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने लगातार आठवीं रात सैन्य अभियान की पुष्टि की है। इसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और ईरानी बलों को कमजोर करना है।

जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की मौत से भड़का तनाव

यह ताजा हमला शनिवार को जॉर्डन में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद हुआ है। अमेरिकी सेना के अनुसार, ये सैनिक ईरानी मिसाइल

और ड्रोन हमलों से रक्षा करते समय मारे गए। एक अन्य अमेरिकी सैनिक अभी भी लापता है। इस संघर्ष में 28 फरवरी से अब तक कुल 16 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सैन्य अभियान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने सैनिकों की मौत पर दुख जताया लेकिन इस मिशन को बेहद जरूरी बताया।

ईरान ने दी चेतावनी

ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने कहा कि इन हमलों ने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की बेकद्री साबित कर दी है। खामेनेई ने अपने पिता की हत्या के बाद सत्ता संभाली थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरानी राष्ट्र और प्रतिरोध मोर्चा अमेरिका को कभी न भूलने वाला सबक सिखाएंगे। खामेनेई के सैन्य सलाहकार मेजर जनरल मोहसिन रजाई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी बमबारी जारी रही, तो ईरान पूर्ण पैमाने पर आक्रामक अभियान शुरू करेगा।

खाड़ी देशों में भी फैला संघर्ष

ईरान ने भी खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले तेज कर दिए हैं। कुवैत में एक तेल केंद्र और बिजली-पानी संयंत्र को निशाना बनाया गया है, जिसकी कुवैत ने कड़ी निंदा की है। बहरीन ने ईरान के हवाई हमलों को रोकने का दावा किया है, जबकि ईरान का कहना है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया है। जॉर्डन में अल-अजराक अमेरिकी बेस पर भी ईंधन टैंकों को निशाना बनाया गया है। जॉर्डन की सेना ने शनिवार को 10 ईरानी मिसाइलों को मार गिराया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर दी है।

अब ईरान केवल जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष फिर से शुरू होने के बाद से अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है और 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष : अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है।

मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

नेतन्याहू पर ममदानी के बयान से मचा बवाल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने कथित तौर पर एक इंटरव्यू में कहा कि उनका प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा

- गिरफ्तारी की संभावना पर विचार की कही है बात

है कि आगामी संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के दौरान इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार किया जाए या नहीं। ममदानी के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया है। नेतन्याहू के खेमे ने इस बयान का कड़ा विरोध किया है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हेग में होना चाहिए। उन्होंने हेग शहर का जिक्र किया, जहां संयुक्त राष्ट्र का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थित है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर ममदानी ने

आगे कहा, वह एक युद्ध अपराधी हैं, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने आरोप लगाए हैं। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने 2024 में कहा था कि उसके पास यह मानने के उचित आधार हैं कि इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू गाजा में इस्राइल के सैन्य अभियान से जुड़े कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। यह अभियान 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुआ था। ममदानी ने माना कि उन्हें यह स्पष्ट नहीं है कि उनके पास न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) को किसी विदेशी नेता को गिरफ्तार करने का आदेश देने का अधिकार है या नहीं। हालांकि, उन्होंने बताया कि इस मामले पर शहर के कानून विभाग के साथ चर्चा चल रही है। न्यूयॉर्क के मेयर ने यह भी कहा कि उनका प्रशासन कानून के दायरे में रहकर काम करेगा। ममदानी ने कहा, न्यूयॉर्क शहर में कानून मुझे जो करने की अनुमति देगा, हम वही करेंगे। लेकिन इसके लिए हम अपने खुद के कानून नहीं बनाएंगे।

यूएस में मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भाई गिरफ्तार

वाशिंगटन। मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भाई एंड्रयू टेट और ट्रिस्टन टेट को शनिवार को

- दुष्कर्म और मानव तस्करी के है आरोप

अमेरिका के मियामी में गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिकी मार्शल सर्विस ने एक सीलबंद वारंट के आधार पर दोनों को हिरासत में लिया। एजेंसी के प्रवक्ता ब्रेडी मैकारन ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटिश अधिकारी दुष्कर्म और मानव तस्करी के मामलों में दोनों भाइयों के प्रत्यर्पण (सौंपने) की मांग कर रहे हैं। दोनों भाई अमेरिका और ब्रिटेन की दोहरी नागरिकता रखते हैं। अगले हफ्ते की शुरुआत में उन्हें मियामी की संघीय अदालत में पेश किया जा सकता है। ब्रिटिश अभियोजकों ने शनिवार को बताया कि वे दोनों भाइयों के प्रत्यर्पण की मांग कर रहे हैं। उन पर साल 2010 से 2017 के बीच महिलाओं के साथ दुष्कर्म और तस्करी करने के आरोप हैं। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के अनुसार, दोनों भाइयों पर चार अन्य पीड़ितों से जुड़े 38 नए आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर दुष्कर्म और मानव तस्करी के आरोप हैं। इसके अलावा, 39 वर्षीय एंड्रयू टेट पर वेश्यावृत्ति से मुनाफा कमाने और बच्चों की अश्लील तस्वीरें व अत्यधिक अश्लीलता से जुड़े 19 अन्य आरोप भी हैं। इस मामले की जांच बेडफोर्डशायर पुलिस ने की है।

खामेनेई के बयान पर ईरान की ताजा धमकी

कहा अमेरिकी सैनिक इसे समझ लें तो भागने में देर नहीं करेंगे

तेहरान। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को

महान शैतान (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र (एमओयू) पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका प्रतिरोध मोर्चा (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है। उन्होंने इसे अपराध और वादे तोड़ने का एक और उदाहरण बताया।

ओमान में फंसी हैदराबाद की महिला

दिन-रात काम कराया, टॉर्चर किया

हैदराबाद। भारतीय महिला शबनम बेगम ओमान के मस्कट में घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने गई थी, लेकिन वहां उसे नौकरानी की नौकरी का झांसा देकर गंभीर प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। शबनम का आरोप है कि उन्हें वहां रोजाना कम से कम 15 घंटे (दिन-रात) काम करने पर मजबूर किया गया, पीटा गया और तीन महीने से अधिक समय तक वेतन और भोजन से वंचित रखा गया। शबनम तेलंगाना के हैदराबाद की रहने वाली हैं। उन्होंने हैदराबाद के राजनेता, मजलिस बचाओ तहरीक के अमजद उल्लाह खान को भेजे गए एक भावुक वीडियो में कहा, मुझे डेढ़ महीने तक मोबाइल फोन भी नहीं दिया, और तीन महीने से बिना वेतन

दिए काम करवा रहे हैं। शबनम बेगम ने राजनेता को भेजे गए अपने द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में कहा कि एक स्थानीय भर्ती एजेंट द्वारा घरेलू नौकरानी की नौकरी दिलाने के वादे के बाद वह 26 मार्च को ओमान गई थी। यहां मुझे यातना दी गई, पीटा गया और बिना उचित भोजन दिए रखा गया। बताया कि शबनम को मस्कट में घरेलू नौकरानी के रूप में काम करने के लिए फुसलाया गया था, जहां उन्हें प्रति माह 200 ओमानी रियाल (लगभग 50,000 रुपये) का वेतन मिलता था। उन्होंने शबनम को सुरक्षित वापस लाने के साथ-साथ यह भी मांग की कि झूठे वादों के तहत उसे भेजनें के लिए जिम्मेदार भर्ती एजेंट के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

'पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थी डील'

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को

- इमरान खान की बहन का दावा
- मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश

भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं। नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि

पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके फील्ड मार्शल का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के अब्राहम अकॉर्ड्स से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई।

समझौते की सभी शर्तें खत्म : ईरान

खाड़ी देशों को भी दी चेतावनी

तेहरान। होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी वर्चस्व की जंग गहराती जा रही है। ईरान ने शनिवार को अमेरिका की ओर से जारी लगातार सैन्य हमलों के बाद इस्लामाबाद समझौते की सभी शर्तों को निलंबित कर दिया। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के अनुसार, अमेरिका पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा, अमेरिका ने इस्लामाबाद समझौते के तहत अपनी सभी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन किया है और उन्हें निलंबित कर दिया है। गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान ने भी समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं और उसके क्रियान्वयन

को फिलहाल रोक दिया है, क्योंकि देश इस समय अपनी रक्षा में जुटा हुआ है। वहीं, पाकिस्तान और कुवैत ने दोनों देशों से पिछले महीने हुए समझौते का सम्मान करने और ऐसे किसी भी कदम से बचने की अपील की, जिससे तनाव और बढ़ सकता है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका के हालिया हमलों के बाद और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने अपने बयान में कुरान का हवाला देते हुए कहा कि जो भी ईरान पर हमला करेगा, उसे उसी तरह का जवाब दिया जाएगा। आईआरजीसी ने उन खाड़ी देशों को भी चेतावनी दी, जहां अमेरिकी सैन्य बल तैनात हैं।

बढ़ती मुसीबत | अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है

ईरान में कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन और अराघची को दी चेतावनी

वॉशिंगटन। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई

- क्या ईरान में अब बढ़ेगी अनिश्चितता

देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने समझौता करने वालों की मौत हो जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री

अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें देश बेचने वाला गद्दार कहा। उन्हें वहां से जाना पड़ा।

मोजतबा का न दिखना बना रहस्य

सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उनकी चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं।

तख्तापलट के आरोप

ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।

राष्ट्रपति को खुली धमकी

सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति महोदय, अगर नेता की शर्तें पूरी नहीं हुईं, तो हमारे हाथ में तलवार होगी और आपका गला होगा। उन्होंने यह भी कहा, हम आपकी जिंदगी को जहन्नुम बना देंगे।

संघर्ष विराम टूटने से बढ़ा विवाद

अमेरिका और ईरान के बीच हुआ संघर्ष विराम टूटने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। संघर्ष विराम उस समय कमजोर पड़ने लगा, जब ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमले किए। इसके जवाब में अमेरिका ने कार्रवाई की। इसके बाद कट्टरपंथी गुटों ने समझौता पूरी तरह खत्म करने की मांग तेज कर दी। खामेनेई के समर्थकों का मानना है कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वे अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बाजार दर्पण

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइल: 9415016089